जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 280 प्रभात बीकानेर, शनिवार 3 मई, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

सचिन पायलट होंगे कांग्रेस का नया ओबीसी चेहरा

राहुल गांधी ने यह सोचा समझा निर्णय लिया, जातिगत जनगणना के निर्णय के बाद। इस निर्णय से बैकवर्ड, दलित व आदिवासी देश की राजनीति में अब पूरी तरह से सैन्टर स्टेज पर आ गये हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 मई। सचिन पायलट कांग्रेस पार्टी का नया ओबीसी चेहरा हैं। राहुल गांधी ने बहुत सोच-विचार कर उन्हें, खासतौर से जातिगत जनगणना के संदर्भ में, पार्टी के नये ओबीसी चेहरे के रुप में प्रोजेक्ट करने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि जातिगत सर्वे ने पिछड़ों, दलितों तथा आदिवासियों के मुद्दे को राष्ट्रीय राजनीति के केन्द्र में पहुँचा दिया है।

आज शाम कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की मीटिंग के बाद, सचिन पायलट और भूपेश बघेल को प्रैस कॉन्फ्रेंस के लिये उतारा गया। ये दोनों ही ओबीसी हैं। लेकिन चूँकि भूपेश बघेल छतीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री हैं, इसलिये वे ईडी की नज़र में हैं तथा उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप भी हैं। बघेल का समय गुज़र चुका है।

सचिन पायलट युवा और करिश्माई नेता हैं। वे स्वच्छ छवि के मालिक हैं तथा युवा एवं महिलाएं उनकी जबरदस्त प्रशंसक एवं समर्थक हैं। उनकी लोकप्रियता केवल राजस्थान में ही नहीं, अपितु पूरे उत्तर भारत में है।

- सी.डब्ल्यु.सी. की बैठक के बाद, शाम को सचिन पायलट व भूपेश बघेल को प्रैस कॉन्फ्रैंस में संबोधित करने के लिये उतारा कांग्रेस हाईकमान ने।
- दोनों, नेता ओबीसी हैं। बघेल हालांकि वजनी हैं, क्योंकि, मु.मंत्री रह चुके हैं, परन्तु उन पर ईडी का शिकंजा कसा हुआ है तथा भ्रष्टाचार के आरोप हैं।
- अतः बघेल बीता हुआ, "पास्ट" (इतिहास) हैं। पर, पायलट युवा हैं, करिश्माई हैं तथा साफ व स्वच्छ छवि के नेता हैं, जिनकी युवाओं में, महिलाओं में, अच्छी लोकप्रियता है, केवल राजस्थान में ही नहीं, पर, उत्तर भारत के कई अन्य राज्यों में भी।
- राहुल गांधी लगातार "जातिगत जनगणना" की बात कर रहे थे तथा ओबीसी, दलित व आदिवासी को पुनः कांग्रेस में लाने के लिये जातितगत नेताओं (कास्ट लीडर्स) को प्रोजैक्ट करने की जरूरत को पहचान रहे हैं।

अगर कांग्रेस नेतृत्व ने सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री बनाने के लिये जोर लगाया होता, तो वे किसी भी पार्टी के प्रथम गुर्जर मुख्यमंत्री के रुप में सामने आये होते और कांग्रेस को उत्तर भारत में इसका बहुत बड़ा फायदा मिला होता, क्योंकि विधानसभा क्षेत्रों की बहुत बड़ी संख्या में गुर्जर मतदाताओं का दबदबा है। वादे करना एक चीज है, किन्तु जाति-आधारित एजेंडे को वास्तव में और सही रुप में कार्यान्वित करना बिल्कुल भिन्न चीज है।

चूँकि राहुल गांधी जातिगत जनगणना के महत्व और आवश्यकता के बारे में, तथा ओबीसी, दलितों और आदिवासियों को कांग्रेस में वापस लाने की जरुरत के बारे में निरन्तर बात करते आ रहे हैं, इसलिये उन्होंने पिछड़ी जातियों के नेताओं को प्रोजेक्ट करना शुरु कर दिया है। अपेक्षानुरुप, सीडब्ल्यूसी मीटिंग मूलतः दो बिन्दुओं पर केन्द्रित थीः पहलगाम हमला, जिसके विषय में एक प्रस्ताव पारित कर प्रधानमंत्री से कहा गया कि वे पाकिस्तान तथा उसके द्वारा पोषित आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करें। दूसरा बिन्दु जातिगत जनगणना थी, जिसके बारे में सरकार ने जो घोषणा की है, उससे कहीं बहुत ज्यादा कांग्रेस चाहती है।

कांग्रेस को आशंका है कि मोदी सरकार के अन्य जुमलों की तरह, जातिगत जनगणना भी कहीं एक जुमला बनकर न रह जाये। सीडब्ल्यूसी ने जो देकर कहा कि जातिगत सर्वे सही रुप में कार्यान्वित हो, जिससे यह सामाजिक सशक्तीकरण एवं परिवर्तन का एक प्रभावी उपाय बन सके।

महेश जोशी को 8 से 11 मई की अंतरिम जमानत मिली

जयपुर, 2 मई। ईडी मामलों की विशेष कोर्ट ने शुक्रवार को जल जीवन मिशन के करीब 900 करोड़ रुपए घोटाले से जुड़े मामले में पूर्व मंत्री महेश जोशी को, उनकी पत्नी के निधन के चलते, 8 से 11 मई तक अंतरिम जमानत का लाभ दिया है। जोशी को अंतरिम जमानत अवधि खत्म होने पर 11 मई को सुबह 8 बजे जेल में सरेंडर करना होगा। इससे पहले ईडी कोर्ट ने जोशी को गत 28 अप्रैल को पत्नी के अंतिम क्रिया- कर्म व धार्मिक रिवाजों के निर्वाह के लिए 4 दिन की अंतरिम जमानत दी थी। इस अंतरिम जमानत अवधि को बढ़ाने के लिए जोशी की ओर से पेश प्रार्थना पत्र पर कोर्ट ने गुरुवार को दोनों पक्षों की बहस सुनकर फैसला शुक्रवार पर रखा था। वहीं, अंतरिम जमानत की अवधि समाप्त होने पर गुरुवार शाम को जोशी ने जेल में सरेंडर कर दिया था।

- महेश जोशी के अधिवक्ता ने पत्नी के निधन के संबंध में रीति-रिवाजों के लिये अंतरिम जमानत 9 दिन बढ़ाने की मांग की थी।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता दीपक चौहान ने कहा कि महेश जोशी को उनकी पत्नी के निधन के बाद के रीति रिवाजों में हिस्सा लेना है। वे 71 साल के हैं और पत्नी के निधन के बाद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गिरते पड़ते, किसी भी तरह शशि थरुर पहुँच ही गये, एयरपोर्ट प्र.मंत्री को "रिसीव" करने

इससे प्र.मंत्री मोदी को मौका मिल गया, कांग्रेस पर कटाक्ष करने का कि थरुर के इस कठिन प्रयास से कई नेताओं की नींद उड़ जायेगी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 मई। तिरुवन्तपुरम लोकसभा सांसद शशि थरुर, जो हमेशा घूमते रहते है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जो गुरुवार रात केरल की राजधानी पहुँचे थे, के आगमन पर स्वागत के लिये ठीक समय पर पहुँच ही गये थे और इससे प्रधानमंत्री को थरुर की कांग्रेस पार्टी पर कटाक्ष करने का अवसर मिल गया।

- मोदी का कटाक्ष इसलिए मायने रखता है क्योंकि कांग्रेस पार्टी के ही कई नेता, आजकल थरुर पर आरोप लगा रहे हैं कि थरुर पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद से भाजपा के प्रति अधिक नरम हो गये हैं, उतने आक्रामक नहीं रहे।

मोदी ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुये कहा कि कांग्रेस सांसद शशि थरुर की यहाँ विझिंजम इंटरनैशनल सीपोर्ट पर मौजूदगी से बहुत से लोगों की "रातों की नींद उड़ गई होगी।"

थरुर की वहाँ मौजूदगी पर मोदी की सीधी टिप्पणी ऐसे समय हुई है, तिरुवन्तपुरम के कांग्रेस सांसद (थरुर) पर उन्हीं की पार्टी के उनके साथी यह आरोप लगा रहे हैं कि पहलगाम आतंकी हमले पर थरुर भाजपा के प्रति नरम रुख अपना रहे हैं।

थरुर ने सोशल मीडिया पर बताया कि वे किस तरह एयरपोर्ट पहुँचे। उन्होंने "एक्स" पर लिखा, "दिल्ली एयरपोर्ट पर विलम्ब हो जाने के बावजूद, मेरे लोकसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन पर, उनके स्वागत के लिये मैं किसी तरह तिरुवन्तपुरम समय पर पहुँच ही गया। विझिन्जम पोर्ट, जिस प्रोजैक्ट से शुरु से ही जुड़े होने का मुझे गर्व है, को उनके द्वारा विधिवत रुप से लोकार्पित किये जाने की मुझे उत्सुकतापूर्ण प्रतीक्षा थी।"

प्रधानमंत्री मोदी की 2025 में यह पहली केरल यात्रा है और यहाँ एक बहुत बड़े इन्फ्रास्टक्चर प्रोजैक्ट को लोकार्पित करने आये हैं, जो केरल ही नहीं, पूरे देश के स्वरुप को बदल देगा

शशि थरुर 2009 से निरन्तर तिरुवन्तपुरम लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते आ रहे है और विझिंजम तो उनके मन में बसता है।

केरल की राजधानी की अभूतपूर्व रूप से सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच, प्रधानमंत्री तिरुवन्तपुरम अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे। विझिन्जम इन्टरनैशनल डीपवॉटर मल्टीपरवज़ सीपोर्ट को राष्ट्र को समर्पित करने केरल की राजधानी में आये। यह 8900 करोड़ रूपए की लागत से तैयार हुआ है।

यह देश का प्रथम कन्टेनर ट्रांसशिपमैंट पोर्ट है, जो भारत के समुद्री क्षेत्र में, "विकसित भारत" के स्वप्न के हिस्से के रूप में, क्रांतिकारी तरक्की का प्रतिनिधित्व करता है।

सामरिक महत्व वाले विझिन्जम पोर्ट की पहचान अत्यधिक प्राथमिकता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असुरक्षित होटलों के संचालन पर रोक लगायें

राज्य मानवाधिकार आयोग ने अजमेर होटल अग्निकांड पर दिशा निर्देश दिये

जयपुर, 2 मई। राज्य मानवाधिकार आयोग ने अजमेर के होटल में हुए अग्निकांड के बाद ऐसे असुरक्षित होटलों को बंद करने की मंशा जताई है। आयोग ने कहा कि अजमेर में रोजाना हजारों पर्यटक आते हैं। ऐसे में जरूरी है कि जिला प्रशासन और नगर निगम सभी सरायों और होटलों की सूची बनाकर, उन्हें असुरक्षित पाए जाने पर, उनके संचालन पर रोक लगाए। इसके साथ ही, इन होटलों में फायर एनओसी की अनिवार्यता को लागू करें, ताकि यहां ठहरने वालों के साथ अग्निकांड जैसी जानलेवा घटना न हो। वहीं, आयोग ने अजमेर कलेक्टर, एसपी और निगम आयुक्त को कहा है कि शहर की सभी होटलों की सूची बनाकर उनकी सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति को कन्फर्म कर इसकी रिपोर्ट आयोग में पेश की जाये और अग्निकांड में पीड़ितों को क्षतिपूर्ति राशि देना सुनिश्चित किया जाये। आयोग अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने यह आदेश मामले में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट्स पर दिए।

- आयोग ने अजमेर कलैक्टर, एसपी तथा निगम आयुक्त को अजमेर के होटलों की सूची बनाकर सुरक्षा व्यवस्था की कन्फर्म रिपोर्ट पेश करने को कहा।

आयोग ने कहा कि अग्निकांड में जले होटल के मालिक ने स्थानीय प्रशासन से बिना फायर एनओसी लिए होटल संचालित की, जिसके चलते आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। आग की लपटें देखकर होटल कर्मचारी भाग गए और एक महिला को अपने बच्चे को बचाने के लिए होटल से नीचे फेंकना पड़ा। आयोग ने कहा कि शहर के कई आवासीय भवनों को होटलों में तब्दील किया जा चुका है और विभागों की स्वीकृति और एनओसी के बिना इनका संचालन किया जा रहा है। ऐसा लगता है कि स्थानीय प्रशासन की ओर से इस आवश्यक पहलू को नजरअंदाज किया गया है, जिससे दरगाह के आसपास अग्निकांड होने पर फायर ब्रिग्रेड के पहुंचने और बचाव कार्य में भी कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के टेंडरों की जाँच के लिये आठ सप्ताह का समय

जयपुर, 2 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से बीते पांच साल में दिए पांच सौ टेंडरों में भ्रष्टाचार की जांच को लेकर जांच एजेंसी को आठ सप्ताह का समय दिया है। जस्टिस उमाशंकर व्यास की एकलपीठ ने यह आदेश टीएन शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- विभाग के पाँच साल के पाँच सौ टेंडरों की जाँच के लिये गठित एसआईटी ने जाँच के लिये हाई कोर्ट से अतिरिक्त समय मांगा।

सुनवाई के दौरान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील सिहाग अदालत में हाजिर हुए। उन्होंने अदालत में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश कर कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हिमांशी तुम एक "परफैक्ट" फौजी वाइफ हो'

ले. विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी का भारतीय नौ सेना के तेरहवें एडमिरल की पत्नी ललिता रामदास ने अभिनंदन किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 मई। भारतीय नौ सेना के तेरहवें एडमिरल स्व. रामदास की पत्नी ललिता रामदास, जो एक शिक्षाविद् हैं, ने हिमांशी नरवाल की प्रशंसा की और कहा कि वे सही मायने में एक "फौजी की पत्नी" (परफैक्ट फौजी वाइफ) हैं, हिमांशी के पति लैफ्टिनैट विनय नरवाल पहलगाम हमले में शहीद हो गए थे।

- जैसा कि विदित ही है, ले. विनय नरवाल गत 22 अप्रेल को पहलगाम में आतंकवादियों की गोलियों से शहीद हो गये थे और हिमांशी शादी के दस दिन बाद ही विधवा हो गई थी।
- गत गुरुवार को ले. नरवाल का 27वां जन्म दिन होता। उस दिन हिमांशी ने अपील की थी कि जो लोग ले. नरवाल के मौत का कारण बने, उन्हें सज़ा मिलनी चाहिये। पर, मैं नहीं चाहती कि हमें सभी मुसलमानों व कश्मीरियों पर गुस्सा निकालना चाहिये और उन्हें गालियाँ देनी चाहिये।

गुरुवार को विनय नरवाल का 27 वां जन्मदिन था। हिमांशी ने अपने दुख और पीड़ा को दरकिनार रखकर शांति और सद्भावना की अपील कर गरिमा और परिपक्वता का परिचय दिया है। जिसका सोशल मीडिया पर कई दक्षिण पंथियों ने विरोध किया।

हिमांशी ने कहा, हम नहीं चाहते कि मुसलमानों और कश्मीरियों को निशाना बनाया जाए। लेकिन हम न्याय चाहते हैं। जिन लोगों ने विनय की हत्या की, उन्हें उसकी सजा मिलनी चाहिए। हिमांशी ने यह बात हरियाणा के करनाल में एक रक्तदान शिविर में पत्रकारों से बात करते हुए कही।

ललिता रामदास ने एक नोट में लिखा कि हिमांशी, आप सही मायने में फौजी की पत्नी हैं, सेना, संविधान और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के अनुकूल हैं। हिमांशी, जो अपनी शादी के 6 दिन बाद ही विधवा हो गई थीं, को ललिता रामदास ने यह नोट लिखा। जाने-माने पत्रकार व लेखक परन्जॉय गुहा ठाकुरता ने यह पत्र सोशल मीडिया पर डाला है।

हिमांशी और विनय हनीमून के लिए कश्मीर गए थे, क्योंकि यूरोप का वीज़ा मिलने में परेशानी हो रही थी।

ललिता रामदास ने लिखा, "नौसेना अधिकारी की संभवतया सबसे उम्रदराज बेटी व पत्नी, जो आज भी जीवित है, की तरफ से नौसैनिक अधिकारियों की पत्नियों की जमात में शामिल सबसे युवा सदस्य को व्यक्तिगत ट्रिब्यूट है।" ज्ञातव्य है कि ललिता के पिता भी नेवी में एडमिरल थे।

ललिता ने लिखा, "मुझे आप पर बहुत गर्व है, और मैं प्रैस से कहे गए आपके शब्दों की क्लिप बार-बार देखती हूँ। बाइस तारीख को पहलगाम में इतने सारे निर्दोष लोगों की जघन्य हत्या के बाद, जब आप मुसलमानों और कश्मीरियों को निशान बनाने और नफरत के खिलाफ बोलती हैं तो आपकी असाधारण शक्ति, धैर्य और दृढ़ विश्वास वाकई उल्लेखनीय है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्य सरकार व चुनाव आयोग पंचायत चुनाव कार्यक्रम बनाये

जयपुर, 2 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की 6759 पंचायतों के चुनाव स्थगित कर निवर्तमान सरपंचों को प्रशासक लगाए जाने से जुड़े मामले में राज्य सरकार व चुनाव आयोग से पूछा है कि वे चुनाव कार्यक्रम सहित बताए कि पंचायतों के चुनाव कब होंगे। वहीं, राज्य सरकार को इस संबंध में 4 फरवरी 2025 व 25 मार्च 2025 को दिए गए निर्देशों की पालना के लिए कहा है। अदालत ने राज्य चुनाव आयोग से चार सप्ताह में जवाब भी मांगा है। जस्टिस चन्द्रशेखर व जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश गिर्राज सिंह देवंदा व अन्य की जनहित याचिका पर दिए। अदालत ने मामले की आगामी सुनवाई 30 मई को तय की है।

- हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से 4 फरवरी तथा 25 मार्च 2025 के निर्देशों की पालना करने के लिये भी कहा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जातिगत जनगणना में मुसलमानों की जाति/उपजाति का उल्लेख करना साजिश है'

कई मुसलमान नेताओं का मानना है कि जाति जनगणना में पसमंदा मुसलमानों व अशरफ मुसलमानों आदि से अपनी जाति/उपजाति लिखवाने का प्रावधान मुस्लिम समुदाय को जातियों व उपजातियों में बांटने की सुनियोजित चाल है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 मई। इस सप्ताह के आरंभ में राष्ट्रव्यापी "कास्ट सैंसस" (जाति सर्वे) कराने के केन्द्रीय मंत्रिमण्डल के अप्रत्याशित निर्णय ने भारत के राजनीतिक क्षेत्र में हलचल मचा दी है। विश्लेषकों और समुदाय के नेताओं ने इस कदम के अन्तर्निहित उद्देश्यों पर सवाल उठाए हैं।

राजनीतिक पर्यवेक्षक, विशेष रुप से जो अल्पसंख्यक मामलों से जुड़े हुए हैं, का कहना है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्रीय सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) मुस्लिम समुदाय को विभाजित करने के लिए जाति सर्वेक्षण को एक रणनीतिक हथियार के रुप में उपयोग कर रहे हैं, जिसने हाल ही में संसद द्वारा पारित विवादास्पद वक्फ अधिनियम संशोधनों का विरोध करने में एकजुटता का प्रदर्शन किया था।

वरिष्ठ मुस्लिम बुद्धिजीवियों और राजनीतिक टिप्पणीकारों के अनुसार, जाति जनगणना का समय और उद्देश्य सरकार की व्यापक राजनीतिक रणनीति से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। उनका तर्क है कि अचानक लिया गया यह निर्णय केवल सामाजिक न्याय व डेटा संग्रह के बारे में नहीं है, बल्कि मुस्लिम आबादी, जिसकी अनुमानित संख्या 25 मिलियन से अधिक है, को जाति और उपजाति के आधार पर विभाजित करने के बारे में है। कई लोगों का मानना है कि इससे उनकी सामूहिक आवाज़ और सौदेबाजी की शक्ति कमज़ोर हो सकती है।

- इन नेताओं के अनुसार, पूरे मुस्लिम समुदाय ने एकजुट व संगठित होकर वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक का विरोध किया था, अब सरकार जातिगत जनगणना के जरिए मुसलमानों की एकता व एकजुटता को तोड़ना चाहती है।
- इन मुस्लिम नेताओं के अनुसार, मुसलमानों में पसमंदा (बैकवर्ड) मुसलमान व अशरफ, अपर कास्ट जैसे सैय्यद, पठान, शेख आदि में विभाजन मौजूद है, पर, पूरे मुस्लिम समुदाय के हितों व समाज के "कम्यूनिटी वैलफेयर" के कारण विभाजन सदा सुस्त रहते हैं, पर, अब जातिगत जनगणना, इस विभाजन (फॉल्ट लाइन) को और प्रज्जवलित करेगी।

इस मुद्दे के मूल में, हाल ही में लागू किए गए वक्फ कानून को लेकर बढ़ता तनाव है। यह कानून, जिसका उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को पुनर्गठित और केन्द्रीकृत करना था, को मुस्लिम नेताओं और अन्य लोगों की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा है। कई लोगों को विपक्ष की एकता पर आश्चर्य हुआ, यहाँ तक कि हिन्दू बहुल विपक्षी दलों ने भी कानून को चुनौती देने के लिए मुस्लिम नेतृत्व के साथ हाथ मिलाया। पर्यवेक्षकों का मानना है कि इस अप्रत्याशित गठबंधन का सामना करने के लिए मोदी सरकार को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ा।

दिल्ली के एक राजनीतिक विश्लेषक, डॉ. इमरान कुरैशी का कहना है, "जाति गणना उतनी अनुकूल नहीं है, जितनी नज़र आती है। धार्मिक संबद्धता के साथ-साथ जाति की पहचान को अनिवार्य करके, सरकार मुस्लिम समुदाय के अंदर कलह का बीज बोने का प्रयास कर रही है। मुसलमानों में पसमांदा (पिछड़े) मुसलमानों और अशरफ (ऊँची जाति) सय्यद, पठान और शैख के बीच विभाजन वास्तविक है। पर मुस्लिम समाज के हित में इन्हें कभी भी उभारा नहीं गया और यह सर्वे इन दरारों को उभार देगा।

पसमांदा मुस्लिम मूवमेंट, जो पिछड़े व दलित मुसलमानों के अधिकारों के लिए संघर्षरत है, को हाल ही में काफी बल मिला है। खासकर बिहार और उत्तर प्रदेश के राजनैतिक रणनीतिकार मानते हैं कि मुस्लिम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नैशनल हैरल्ड केस, सोनिया व राहुल को कोर्ट का नोटिस

नयी दिल्ली, 02 मई। राष्ट्रीय राजधानी में एक विशेष अदालत ने नेशनल हैरल्ड धन शोधन मामले में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को शुक्रवार को नोटिस जारी किये।

इससे पहले इसी माह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ अदालत में कार्यवाई के लिए नयी शिकायत दायर की थी। इसमें संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ धन शोधन निवारक अधिनियम 2002 की धारा 44 और 45 के तहत आरोप लगाये गये हैं।

- नैशनल हैरल्ड केस में राउज़ एवेन्यू कोर्ट के निर्देश पर न्यायाधीश ने ये नोटिस जारी ? किए हैं।

मामले की सुनवाई कर रहे राउज़ एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टचार निवारक अधिनियम) ने आरोपियों के खिलाफ नोटिस जारी करने के आदेश जारी किये। यह मामला

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

रेटपेयर्स की सक्रिय भागीदारी से ही अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी

भले ही आज हमारी अर्थव्यवस्था विश्व की दस प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक हो व जीडीपी रेंकिंग में इस साल हम विश्व की तीसरी प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने की तैयारी में हैं पर अर्थ व्यवस्था के तेजी से विकास के लिए रेटपेयर्स की भागीदारी बढ़ाने की आज सबसे अधिक आवश्यकता है। फ्रीबीज के जमाने में केन्द्रीय वित सचिव अजय सेठ द्वारा एक कायक्रम को संबोधित करते हुए देश की आर्थिक वृद्धि के लिए रेटपेयर्स को प्रोत्साहित करना जरुरी बताया है। दरअसल एक और राजनीतिक दलों द्वारा ऐन केन प्रकारेण सत्ता के स्वाद चखने की चाह पूरी करने के लिए लोकलुभावन फ्रीबीज सुविधाओं की घोषणाएं दर घोषणाएं की जा रही है तो दूसरी और देश को 2025 में जीडीपी रेंकिंग के अनुसार दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की चुनौती सामने हैं। अर्थव्यवस्था का सीधा–सीधा गणित यह है कि एक तो करदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रुप से कर के रुप में सीधे–सीधे आय सरकार को प्राप्त होती है तो दूसरी और सरकार अपनी विकास योजनाओं को अमलीजामा पहुंचाने के लिए उधारी से काम चलाने वाली स्थिति होती है जिसे हम बजट प्रस्तावों में उधारी के रुप में देखते हैं तो तीसरा प्रमुख स्रोत रेटपेयर्स होते हैं। देश का सेविंग पूल इन्हीं से बनता है। अब जहां तक आयकर का प्रश्न है तो आधार और पेनकार्ड के चलते अब आयकर के दायरें से तो कोई बच भी नहीं सकता। खासतौर से नौकरीपेशा या निश्चित पगार पाने वालों का तो आयकर सीधे–सीधे और बिना किसी छीजत के सरकार को प्राप्त हो ही जाता है। इसमें किसी तरह की चोरी की संभावना भी लगभग ना ही है। लगभग यही स्थिति जीएसटी के बाद देखने को मिल रही है और साल दर साल जीएसटी संग्रहण में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

दरअसल जब स्थानीय स्वशासन की परिकल्पना की गई थी तो उसके साथ यह भी था एक समय आते–आते यह संस्थाएं अपनी गतिविधियों के संचालन के लिए सरकार पर निर्भर ना रहकर आत्मनिर्भर हो जाएगी और इन संस्थाओं को सरकार के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़ेगा। पर एक और यह तो सपना ही बनकर रह गया दूसरी और राजनीतिक दलों ने फ्रीबीज का ऐसा चलन चलाया कि रेटपेयर्स की भूमिका कम से कम होती जा रही है। दरअसल रेटपेयर्स का प्रयोग सबसे पहले 1845 में माना जाता है। रेटपेयर्स की भूमिका को हम इसी से अच्छी तरह से समझ सकते हैं कि न्यूजीलैण्ड सहित अनेक देशों में तो रेटपेयर्स अपने हितों की रक्षा के लिए एसोसिएशन बनाकर आगे आ रहे हैं। हमारे देश में हालात इससे विपरीत है। हमारे यहां तो पिछले कुछ सालों में रेटपेयर्स की सहभागिता दिन–प्रतिदिन कम होती जा रही है। संभवतः यही चिंता का कारण बन रहा है केन्द्रीय वित सचिव अजय सेठ के अनुसार।

रेटपेयर्स से सीधा सीधा अर्थ सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र में जो बुनियादी सेवाएं उपलब्ध कराई जाती है उससे विकास या बेहतर सेवाओं के लिए राशि प्राप्त की जा सके। बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, सार्वजनिक परिवहन या इसी तरह की सेवाएं इसके दायरें में आती है। चुनावी वादों के चलते सरकार द्वारा बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि को कम-ज्यादा पर फ्रीबीज के दायरें में प्रमुखता से ला रही है। पेंशन योजनाएं और फ्री राशन, सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं, सीनियर सिटीजन व अन्य को राहत या अन्य दूसरी इसी तरह के निर्णय रेटपेयर्स की अर्थ व्यवस्था में भागीदारी को सीमित करते हैं।

रेटपेयर्स से सीधा सीधा अर्थ सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र में जो बुनियादी सेवाएं उपलब्ध कराई जाती है उससे विकास या बेहतर सेवाओं के लिए राशि प्राप्त की जा सके। बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, सार्वजनिक परिवहन या इसी तरह की सेवाएं इसके दायरें में आती है। चुनावी वादों के चलते सरकार द्वारा बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि को कम–ज्यादा पर फ्रीबीज के दायरें में प्रमुखता से ला रही है। पेंशन योजनाएं और फ्री राशन, सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं, सीनियर सिटीजन व अन्य को राहत या अन्य दूसरी इसी तरह के निर्णय रेटपेयर्स की अर्थ व्यवस्था में भागीदारी को सीमित करते हैं।

लोकतंत्र में समान अवसर और आर्थिक रुप से पिछड़े लोगों को विकास की धारा से जोड़ने के लिए अनुदानित योजनाओं का संचालन सरकार के लिए आवश्यक हो जाता है। संवेदनशील और लोकहितकारी सरकार के लिए यह आवश्यक भी हो जाता हैं। पर इसका मायना यह नहीं होना चाहिए कि सार्वजनिक सुविधाओं के लिए सरकार द्वारा जो राशि कर या अन्य रुप में प्राप्त की जाती है वह नहीं मिले और उसका भार भी ईमानदार कर दाताओं पर पड़े तो यह किसी भी हालत में सही नहीं कहा जा सकता है। फिर सरकार को सक्षम और कम सक्षम में कहीं ना कहीं अंतर करके ही चलना ही होगा। केन्द्रीय वित सचिव की मंशा कहीं ना कहीं यही होगी कि फ्रीबीज के कारण जो रेटपेयर्स की अर्थव्यवस्था में भागीदारी दिन–प्रतिदिन कम हो रही है उस पर ध्यान देना आवश्यक है। इसमें कोई दो राय नहीं कि समाज की मुख्यधारा से वंचित लोगों को सहायता दी जाए पर इसका मतलब यह भी नहीं होना चाहिए कि मुख्यधारा से वंचित के नाम पर आर्थिक दृष्टि से सक्षम लोगों या परिवारों को भी यह सुविधाएं दी जाएं। इससे होता यह है कि जो आम करदाता है वह तो अपने आपकों ठगा महसूस करता ही है वहीं कहीं ना कहीं समाज में गेप भी बढ़ता है। इसके अलावा आर्थिक विकास में जो जनभागीदारी होनी चाहिए वह भी बाधित होती है। ऐसे में फ्रीबीज की राजनीति के बीच रेटपेयर्स की भागदारी को भी बढ़ाना ही होगा जिससे अर्थव्यवस्था का मल्टिपल विकास संभव हो सके। आज के लाभार्थियों को भी अर्थ व्यवस्था के व्यापक हित में समझना होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शनिवार 3 मई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, पुनर्वसु नक्षत्र दिन 12:34 तक, शूल योग रात्रि 1:41 तक, तैतिल करण प्रातः 7:52 तक, चन्द्रमा प्रातः 6:37 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–मेष, चन्द्रमा–मिथुन, मंगल–कर्क, बुध–मीन, गुरू–वृष, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 12:34 तक है। त्रिपुष्कर योग प्रातः 7:52 से 2:02 तक है। आज गंगा सप्तमी और पूजन, गंगोत्पत्ति और चन्दन छठ है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 7:29 से 9:07 तक, चर 12:24 से 2:02 तक, लाभ अमृत 2:02 से 5:18 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:51, सूर्यास्त 6:56

मेष

घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। धार्मिक–मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हागा। मन में असंतोष बना रहेगा।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

मकर

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ

स्वास्थ्य ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। शुभ–मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तकनीकी युग में चुनाव आयोग में बड़े बदलावों और नवाचार की आवश्यकता है

सुनील दत्त गोयल

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां हर नागरिक को वोट देने का अधिकार संविधान प्रदत्त है। लेकिन जब यह अधिकार गैर–नागरिकों यानी अवैध रूप से देश में दाखिल हुए घुसपैठियों को मिल जाए, तो यह लोकतंत्र की नींव को हिला देता है। आज भारत इस गंभीर चुनौती से जूझ रहा है– विशेषकर सीमावर्ती राज्यों जैसे पश्चिम बंगाल, असम, बिहार और उत्तर प्रदेश में यह समस्या अधिक विकराल रूप ले चुकी है।

चुनाव आयोग को आधुनिकरण की ज़रूरत है। पिछले 15 वर्षों में चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के बावजूद ज़रूरी सुधारों और बदलावों को पूरी तरह लागू नहीं कर पाया है। हर चुनाव–चाहे लोकसभा हो या विधानसभा या ग्राम सभा–के लिए अलग–अलग वोटर लिस्ट होती है। यह समझ से परे है कि अब तक एक सामान्य वोटर लिस्ट क्यों नहीं बनाई गई है जो सभी स्तरों के चुनावों के लिए मान्य हो। मेरा पहला सुझाव यही है कि एक सामान्य जनरल वोटर लिस्ट बनाई जाए। दूसरा अहम मुद्दा यह है कि चुनाव आयोग ने हाल ही में वरिष्ठ नागरिकों (सीनियर सिटिज़न्स) को घर पर इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के आधार पर वोटिंग की सुविधा देने का ट्रायल शुरू किया है। यह सराहनीय है, लेकिन सवाल उठता है कि फिर देश से बाहर रहने वाले नागरिकों, दूसरे राज्यों में रह रहे कामकाजी लोगों या छात्र–छात्राओं को यह सुविधा क्यों नहीं दी जाती? उन्हें भी इलेक्ट्रॉनिक या पोस्टल माध्यम से वोटिंग का अधिकार मिलना चाहिए।

मैंने स्वयं लगभग एक साल पहले अपना वोटर आईडी ऑनलाइन अपडेट किया था, लेकिन आज तक वह मुझे नहीं मिला। इससे यह सवाल उठता है कि चुनाव आयोग आखिर कर क्या रहा है? इसे समय से आगे की सोच अपनानी होगी और तकनीकी रूप से खुद को मजबूत बनाना होगा।

चुनाव आयोग और सुरक्षा बलों की सीमाएँ : एक और बड़ा मुद्दा यह है कि चुनाव आयोग चुनाव के दौरान केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती तो कर देता है, लेकिन यह भूल जाता है कि ज़िला मजिस्ट्रेट (कलेक्टर) और एसपी राज्य सरकार के अधीन होते हैं। यह सही है कि आचार संहिता के समय वे आयोग के अंतर्गत होते हैं, लेकिन उसके बाद पुनः राज्य सरकार के अधीन आ जाते हैं। चुनाव आयोग को चाहिए कि सुरक्षा बलों की तैनाती चुनाव प्रक्रिया में और गहराई तक की जाए, खासकर पोलिंग बूथ के अंदर।

अक्सर हमने देखा है कि चुनाव के बाद सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो सामने आते हैं, जहां पोलिंग बूथ पर राज्य सरकार के कर्मचारी मतदाताओं को प्रभावित करते दिखते हैं। वोट किसे देना है, यह पूछते हैं और कई बार खुद वोट डाल देते हैं। यह अपने आप में एक नया 'बूथ कैप्चरिंग' का तरीका है। इसे रोकने के लिए ज़रूरी है कि केंद्रीय सुरक्षा बल पोलिंग बूथ के अंदर तैनात हों और प्रत्येक वोटिंग प्रक्रिया पर निगरानी रखें। यहाँ हमारा यह सुझाव है कि केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती कहाँ और किस स्थान पर और कितनी होगी, यह भी चुनाव आयोग स्वयं अपने स्तर पर फैसला करें। तभी हम एक पारदर्शी और सुरक्षित चुनाव प्रणाली पर भरोसा कर सकते हैं।

आधुनिक तकनीक का प्रयोग हो : आज हमारे पास ई–आधार, मोबाइल, फेस आईडी और तमाम डिजिटल साधन मौजूद हैं। ऐसे में डाक द्वारा वोट भेजने की पुरानी प्रणाली को खत्म कर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम को विकसित करना चाहिए, ताकि जो लोग अपने गृह जनपद से बाहर हैं, वे भी आसानी से वोट डाल सकें। जैसे चुनाव ड्यूटी पर लगे कर्मचारी तथा सीमा पर लगे हुए सैन्य अधिकारी और केंद्रीय सुरक्षा बलों में वे सभी अधिकारी जो अपने चुनाव क्षेत्र से बाहर होते हैं, वे पोस्टल बैलेट का उपयोग करते हैं। वैसे ही आम नागरिकों को भी दो दिन पहले वोट डालने की सुविधा इलेक्ट्रॉनिक रूप से मिलनी चाहिए। यह केवल सुविधा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती का सवाल है।

स्थानीय कारकों को समझे चुनाव आयोग : चुनाव आयोग को चाहिए कि वह अपने जिला निर्वाचन अधिकारियों से यह जानकारी अवश्य प्राप्त करे कि उनके जिलों में मतदान के दिन या उससे एक–दो दिन पहले अथवा बाद में कोई बड़ा त्योहार, विवाह समारोह या अन्य महत्वपूर्ण आयोजन तो नहीं है। यदि ऐसा कोई अवसर हो, तो ऐसी तारीखों से परहेज़ करते हुए वैकल्पिक मतदान तिथि का निर्धारण किया जाना चाहिए। चुनाव आयोग को समय से आगे सोचते हुए कार्य करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक मतदाता, चाहे वह देश में हो या विदेश में, अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करे।

चुनाव आयोग की सबसे बड़ी जिम्मेदारीः सिर्फ नागरिकों को ही मिले वोट देने का अधिकार

हाल ही में नियुक्त हुए मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने चुनाव सुधारों की दिशा में कई प्रभावी कदम उठाए हैं। उन्होंने देशभर के 36 मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को यह निर्देश दिया है कि वे वैश्विक लोकतंत्रों की चुनावी प्रणाली और राज्य–स्तरीय चुनाव नियमों का गहन अध्ययन करें। इसके अतिरिक्त, निर्वाचन सदन में बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली, ई–ऑफिस और डिजिटल फाइल मैनेजमेंट को भी लागू किया गया है – जो प्रशासनिक दृष्टिकोण से सराहनीय प्रयास हैं। परंतु सवाल यह है कि क्या ये प्रयास मतदाता पहचान की शुद्धता को भी सुनिश्चित कर पाएंगे? आज भारत के कई हिस्सों में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अवैध घुसपैठियों को वोटर आईडी जारी किए जा रहे हैं। इनमें से कई लोग न केवल मतदाता बन जाते हैं, बल्कि राजनीतिक दलों के लिए वोट बैंक में भी तब्दील हो जाते हैं।

दूसरा सवाल यह है कि इन दोनों चर्चाओं में आया है कि एक ही मतदाता के अलग–अलग जिलों में या शहरों में या राज्यों में कई वोटर आईडी कार्ड बने हुए हैं। इन डुप्लीकेट सिस्टम को जितनी शीघ्रता से चुनाव आयोग हटाएगा, उतना ही देश की सुरक्षा और चुनाव आयोग की निष्पक्षता के लिए फायदेमंद होगा।

पश्चिम बंगालः जन सांख्यिकीय बदलाव का जीवंत उदाहरण : पश्चिम बंगाल पिछले कुछ दशकों से अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ का प्रमुख केंद्र रहा है। भारत–बांग्लादेश सीमा से सटी ज़मीन पर हजारों लोग बगैर वैध दस्तावेजों के भारत में प्रवेश करते हैं और स्थानीय राजनैतिक समर्थन और ढीली प्रशासनिक जांच के कारण आसानी से भारतीय मतदाता बन जाते हैं। यह जनसांख्यिकीय बदलाव न केवल स्थानीय संस्कृति, सामाजिक संरचना और कानून–व्यवस्था को प्रभावित करता है, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को भी गहराई से नुकसान पहुँचाता है। कई पूर्व अधिकारियों और खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, बंगाल के सीमावर्ती ज़िलों में कुछ जगहों पर स्थानीय जनसंख्या में गैर–नागरिकों का अनुपात 25–30 प्रतिशत तक पहुँच गया है।

वोटर आईडी के लिए नागरिकता सत्यापन क्यों है ज़रूरी?

आज की प्रणाली में नाम, पता और उम्र के आधार पर वोटर आईडी मिल जाता है। कोई ठोस नागरिकता प्रमाण जैसे कि पासपोर्ट, जन्म प्रमाणपत्र या नागरिकता पंजीकरण का सत्यापन अनिवार्य नहीं है। नतीजतन, फर्जी पहचान पत्र बनाकर अवैध घुसपैठिये भी मतदाता बन जाते हैं।

इस घातक खामी को दूर करने के लिए निम्न उपाय अत्यंत आवश्यक हैं:

1. सभी नए और पुराने वोटर आईडी को राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर से जोड़ा जाए : जिस तरह असम में प्रक्रिया अपनाई गई, उसे तकनीकी रूप से दुरुस्त कर अब पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए।

2. आधार, पासपोर्ट और जन्म प्रमाणपत्र से वोटर आईडी की क्रॉस वेरिफिकेशनः आधार की बायोमेट्रिक जानकारी और पासपोर्ट की राष्ट्रीयता आधारित पुष्टि का उपयोग कर मतदाता पंजीकरण को अधिक सख्त बनाया जाए।

3. डिजिटल जियो–टैग्ड वेरिफिकेशन टीमों का गठनः हर मतदाता के पते का ऑन–ठाउंड डिजिटल सत्यापन किया जाए, जिससे फर्जी पते पर वोटर आईडी लेना मुश्किल हो।

4. फर्जी दस्तावेज़ प्रस्तुत करने पर सख्त सज़ा का प्रावधानः

फर्जी दस्तावेज़ों के जरिए सरकारी लाभ लेने या वोटर आईडी बनवाने पर कानूनी कार्रवाई हो और तुरंत आईडी निरस्त किया जाए। एक राष्ट्र, एक चुनाव तभी संभव जब एक समान नागरिक पहचान सुनिश्चित हो

देश के मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार की यह पहल कि पूरे देश में एक समान मतदाता सूची तैयार की जाए – ग्राम सभा से लेकर लोकसभा तक – एक दूरदर्शी योजना है। लेकिन जब तक हम यह सुनिश्चित नहीं करते कि इस सूची में केवल भारतीय नागरिक शामिल हों, तब तक यह प्रयास अधूरा और भ्रामक होगा। राज्यों के बीच नियमों की असमानता, स्थानीय दबाव, भ्रष्टाचार और तकनीकी कमजोरियाँ मिलकर इस समस्या को और जटिल बना देते हैं।

निष्कर्षः राष्ट्र की सुरक्षा और लोकतंत्र की शुचिता के लिए, चुनाव आयोग को नागरिकता सत्यापन को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। भारत के सामने यह अब एक तकनीकी मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न बन चुका है। जब घुसपैठिये मतदाता बनकर सत्ता के समीकरण तय करने लगें, तो यह लोकतंत्र नहीं, बल्कि लोकतंत्र का मज़ाक बन जाता है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के डिजिटल ट्रांजिशन प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय हैं, लेकिन अब ज़रूरत है कि इन प्रयासों को मूलभूत पहचान सत्यापन के साथ जोड़ा जाए। चुनाव आयोग को चाहिए कि वह मतदाता पहचान और नागरिकता जाँच को अपनी प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रखे – क्योंकि बिना सच्चे नागरिकों के, लोकतंत्र सिर्फ एक दिखावा बनकर रह जाएगा। वे लोग जो अनपढ़ हैं या अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं हैं, वे अक्सर चुनावी दलों और राजनेताओं के प्रभाव में आकर मतदान कर देते हैं। इस प्रकार, समाज के वही लोग–जो कि कम जानकारी रखते हैं–देश और प्रदेश की सत्ता का निर्धारण कर देते हैं, जबकि पढ़ा–लिखा वर्ग केवल तमाशबीन बना रहता है। यह विडंबना है कि जो लोग देश और समाज को सही दिशा दे सकते हैं, वही अक्सर अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं करते। वे या तो आलस्यवश या छुट्टी का लाभ उठाने के लालच में मतदान से दूर रहते हैं। और जब गलत प्रतिनिधि चुने जाते हैं, तब वही लोग सबसे पहले शिकायत करते हैं। लेकिन वास्तव में, इसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार होते हैं।

इसलिए मेरा देश के प्रत्येक नागरिक से विनम्र निवेदन है कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। यह अधिकार केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि आपके और आपके देश के साथ ही आपके बच्चों के भविष्य की नींव है। मतदान करते समय किसी के प्रभाव में न आएं, न ही किसी लालच में–बल्कि अपने विवेक और आत्मचिंतन के आधार पर सही उम्मीदवार को चुनें। एक जागरूक मतदाता ही एक उज्ज्वल भारत का निर्माण कर सकता है। धन्यवाद,

–सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल
चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
जयपुर, राजस्थान

अजमेर डिस्कॉम ने समग्र राजस्व आवश्यकता टैरिफ एवं निवेश योजना पर प्रैज़ैंटेशन दिया

अजमेर डिस्कॉम मुख्यालय में ऑडियो-विजुअल प्रैज़ैंटेशन के माध्यम से जानकारी दी

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग के समक्ष विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 62 एवं 64 के अंतर्गत समग्र राजस्व आवश्यकता टैरिफ निर्धारण एवं निवेश योजना की स्वीकृति याचिका प्रस्तुत की गई है। शुक्रवार को टैरिफ निर्धारण को लेकर पंचशील स्थित अजमेर डिस्कॉम मुख्यालय में ऑडियो–विजुअल प्रजेंटेशन के माध्यम से विभिन्न हितधारकों को जानकारी दी गई।

अजमेर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक के पी वर्मा ने उपस्थित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए याचिका के प्रमुख बिंदुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि याचिका में घरेलू उपभोक्ताओं को राहत देते हुए ऊर्जा शुल्क (एनर्जी चार्जेज) में कमी का प्रस्ताव किया गया है, जबकि सीमित रूप में फिक्स्ड चार्जेज में वृद्धि की मांग की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित परिवर्तन से लगभग 99 प्रतिशत उपभोक्ताओं पर कोई अतिरिक्त भार नहीं पड़ेगा क्योंकि उन्हें एनर्जी चार्ज में छूट का लाभ मिलेगा।

- **उद्योग, कंज्यूमर राइट संगठन के प्रतिनिधि ने भाग लिया आमजन 13 मई तक आपत्तियां व सुझाव दर्ज करा सकेंगे**

घरेलू टेरिफ संख्या 9 व अघरेलू टेरिफ 16 से घटाकर 11 किया :- वर्मा ने बताया कि उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए घरेलू टैरिफ स्लैब की संख्या को 16 से घटाकर 9 तथा अघरेलू टैरिफ स्लैब की संख्या को 15 से घटाकर 11 कर दिया गया है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए बिजली बिल की गणना एवं समझना सरल हो सकेगा। प्रबंध निदेशक ने बताया कि विद्युत नियामक आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप टैरिफ याचिका प्रस्तुत करने के उपरांत उसे आमजन तक पहुचाया जाना होता है। आमजन द्वारा दिए गए सुझावों पर डिस्कॉम गंभीरता से विचार करेगा। प्रेजेंटेशन कार्यशाला में निदेशक तकनीकी मुकेश चंद बाल्दी, मुख्य अभियंता एमएल मीणा, मुख्य अभियंता राजीव वर्मा, इंडस्ट्री प्रतिनिधि, कंज्यूमर राइट्स संगठनों के प्रतिनिधि, उपभोक्ताओं सहित अन्य संबंधित हितधारक एवं अजमेर डिस्कॉम के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। सभी हितधारकों ने डिस्कॉम की पारदर्शिता एवं उपभोक्ता हित में उठाए गए कदमों की सराहना की।

13 मई तक दर्ज करा सकेंगे आपत्तियां व सुझाव :–निगम द्वारा प्रस्तुत याचिका की प्रतियां आम नागरिकों के अवलोकन हेतु अजमेर डिस्कॉम के क्षेत्रीय कार्यालयों, राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग के कार्यालय तथा निगम की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आमजन अपनी आपत्तियां अथवा सुझाव निर्धारित प्रारूप में 13 मई तक प्रेषित कर सकते हैं।

विकसित और विश्व गुरु भारत बनाने में नई शिक्षा नीति महत्वपूर्ण : राज्यपाल बागड़े

- **गोविन्द गुरु जनजातिय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन में शिक्षक एवं शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ**

बांसवाड़ा, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शिक्षकों का आव्हान किया कि वे शब्द, रुचि, उदाहरण और आचरण को अपना शस्त्र बनाते हुए विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करें। इन सूत्रों से ही हम विश्व गुरु बनने का सपना साकार कर सकते हैं। बागड़े गोविन्द गुरु जनजातिय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन में शिक्षक एवं शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि शिक्षा बहते पानी की तरह यह जितना बहेगा उतना ही शुद्ध होगा। यदि इसे बांधकर रख दिया गया तो खुद का ज्ञान भी अनुपयोगी हो जायेगा। उन्होंने कहा कि ज्ञानरूपी दरिया का पुरा उपयोग करते हुए बांटते रहें। इससे विद्यार्थी का दिमाग भरेगा और वो ज्ञान वाला बनेगा। उन्होंने कहा कि हमें चुन–चुनकर बच्चों का मार्गदर्शन करना होगा ताकि वहीं विद्यार्थी नाम राशन कर सके। उन्होंने कहा कि आचरण बिना सब कुछ निरर्थक है। उन्होंने बताया कि रावण ने भी विशाल प्रयोगशाला स्थापित की लेकिन एक महर्षि ने कहा कि यह सब कुछ व्यर्थ है क्योंकि आचरण नहीं होगा तो इनका दुरूपयोग ही होगा। बागड़े ने कहा कि हमें मन बनाना होगा और मन को बनाने की विधाओं में नये उदाहरण, नई तकनीकि और जज्बा महत्वपूर्ण है।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षकों को चाहिए कि वे अपने पूरे मन, दृश्टि और व्यवहार से विद्यार्थियों को ज्ञान दें क्योंकि एक विद्यार्थी शिक्षक के आचरण को देखकर ही उसी आचरण को अपनाता है। उन्होंने कहा कि चेतना, गुणवत्ता और जवाबदेही के भाव हममें जगाने होंगे। राज्यपाल ने प्रेरित करते हुए कहा कि देश की आजादी के बाद दो शिक्षा नीति अस्तित्व में आई लेकिन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अपने आप में सनातन मूल्यों की स्थापना के साथ–साथ युगीन आवश्यकता की पूर्ति करने में सक्षम है। हमारे राज्य की सशक्त परम्परा रही है जहां ईला न देणी आपणी हालरियो हुलराय द्वारा जहां माँ अपनी कोख से ही देशभक्ति और राष्ट्रीय चरित्र का पाठ सीखाती है वहीं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधारभूत तत्त्व जवाबदेही सभी का उद्देश्य होना चाहिए तभी नया भारत, सशक्त भारत और समर्थ भारत का निर्माण कर पाएंगे।

मुख्य वक्ता और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल सक्सेना ने कहा कि किसी भी देश की नींव उसकी शिक्षा पद्धति होती है राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीयता से ओतप्रोत है। उन्होंने कहा कि आत्म परमात्म अनुभूति, एकत्व अनुभूति केवल सिद्धांत नहीं अपितु व्यवहार का विषय और परम ध्येय होना चाहिए। अतिथि देवो भव के कारण हमने सदियों से अनेक जातियों और कबीलों को शरण दी भले ही हमने अनेक दुष्परिणाम झेले लेकिन हमारी अतिथि परम्परा आज भी मूल्य रूप में जीवित है।

तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम ने कहा कि सर्वे, अध्ययन और शोध में अंतर है। राजकीय क्रिया पद्धति का सर्वे, अध्ययन हम करते नहीं और शोध जीवन पर्यंत चलने वाली प्रक्रिया है। आज उच्च शिक्षा के मानक बदलने की आवश्यकता है हमें हमारी योग्यता, क्षमता और बोध पर संकोच और अपराध बोध रखने की आवश्यकता नहीं है। हमें गुलामी की मानसिकता से बाहर आना होगा। कबीले आते गए और हिन्दोस्तान बनता गया। हमारी संस्कृति और थाती की महत्ता और शक्तिमत्ता ही है कि हम अपने सामर्थ्य से देश और समाज को आगे बढाते जा रहे हैं। आज शिक्षा नीति अंतर्गत आवश्यकता है कि विज्ञान, टेक्नोलोजी और डिजिटल क्षेत्र में भी अपने मूल विषयों और मूल्यों को छोड़े बिना भी विकास को प्राप्त हो सकते है। उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय की संकल्पना और प्रगति रिपोर्ट कुलपति प्रो. केशव सिंह ठाकुर ने प्रस्तुत की। सत्र में विषय प्रतिपादन न्यास के जयपुर प्रान्त अध्यक्ष प्रो राजीव सक्सेना ने किया।

राज्यपाल ने इस अवसर कैम्पस की गुलाब वाटिका और जनजातीय संग्रहालय का अवलोकन किया और पूर्व में अपने द्वारा रोपे गए पौधे की जानकरी ली। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि आयोजन में प्लास्टिक का उपयोग न्यूनतम किया गया और कार्यक्रमों में औपचारिक रूप से अमूमन किए जा रहे प्लास्टिक प्रयोग को पूरी तरह वर्जित किया गया। अतिथि सत्कार में भी अतिथियों को तुलसी एवं अन्य उपयोगी पौधे प्रदान किये गये। आयोजन सचिव डॉ. राजीव सक्सेना ने प्रस्तावना पेश की एवं आभार कुलसचिव डॉ. अभिषेक गोयल ने माना। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव, पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला, उपखंड अधिकारी रजनी माधिवाल, पूर्व सांसद कनकलम कटारा, पूर्व राज्यमंत्री धनसिंह रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष पूंजीलाल गायरी, रामस्वरूप महाराज सहित जनप्रतिनिधि–अधिकारी मौजूद रहे।

सरकार की मंशा है कि गांवों के प्रतिभावान खिलाड़ी भी खेलों में आगे आएं : मेघवाल

बीकानेर, (कासं)। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा करने में खेलों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। मेघवाल शुक्रवार को डॉ करणी सिंह स्टेडियम में नवनिर्मित मल्टी पर्पज इनडोर हॉल के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम फिट तो इंडिया फिट तथा खेलो इंडिया का नारा दिया है। केन्द्र सरकार द्वारा खिलाडियों के लिए आधारभूत सुविधाएं मुहैया करवाने में कोई कमी नहीं रखी जा रही है। सरकार की मंशा है कि शहरी क्षेत्र के साथ गांवों के प्रतिभावान खिलाड़ी भी आगे आएं तथा खेलों के मानचित्र पर भारत का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम दुनियां की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं।

केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल और खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने मल्टीपर्पज इनडोर हॉल का लोकार्पण किया।

- केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा करने में खेलों की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी

प्रधानमंत्री की मंशा है कि हम भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनें। इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इसमें उद्यम शिक्षा और चिकित्सा के साथ खेलों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र में बने इस इनडोर हॉल का अधिकतम उपयोग खेलों के लिए किया जाए।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि शहरी क्षेत्र के स्कूल और कॉलेज विद्यार्थियों को यह इनडोर स्टेडियम दिखाया जाए जिससे उनमें खेलों के प्रति रूचि पैदा हो। उन्होंने शहर की कॉलोनियों के सार्वजनिक उद्यानों में खेलों की सुविधाएं विकसित करने की बात कही जिससे खेलों का वातावरण बनें। बीकानेर के बच्चे डॉ करणी सिंह और कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ की तरह बीकानेर का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने कहा कि स्टेडियम का खेलों के लिए अधिक से अधिक उपयोग होए यह सुनिश्चित किया जाए।

बीकानेर पूर्व विधानसभा विधायक सिद्धि कुमारी ने युवाओं को खेल भावना के साथ खेलने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि जीवन में खेलों का महत्व अत्यंत महत्व है। खासकर युवा पीढ़ी को इसे समझना चाहिए। बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद ने कहा कि खेल प्रशासक प्रतिभावान खिलाडियों का प्राथमिकता से चयन करें। खेल प्रतिभाओं के चयन में किसी प्रकार का दबाव नहीं हो तो इसके बेहतर परिणाम सामने आते हैं। इससे पहले आरएसआडीसी की प्रोजेक्ट डायरेक्टर शिल्पा कच्छावा ने बताया कि बजट घोषणा की पालना में 822.40 लाख रूपए की लागत से यह इनडोर स्टेडियम बनाया गया है। इसमें तीरंदाजी,कबड्डी, खा-खो, योग, कुश्ती, टेनिस, बैडमिंटन, बॉस्केटबॉल सहित दर्जनों इनडोर खेले जा सकेंगे। इस दौरान जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि नगर निगम आयुक्त मनीष मयंक और सुमन छाजेड़ अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इससे पहले केंद्रीय मंत्री मेघवाल तथा खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री गोदारा ने फीता काटकर तथा शिला पट्टिका का अनावरण कर इनडोर हॉल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मेघवाल तथा गोदारा सहित विधायकों तथा अधिकारियों ने बैडमिंटन खेल कर युवा खिलाडियों की हौसला अफजाई की। कार्यक्रम का संचालन संजय पुरोहित ने किया। जिला खेल अधिकारी श्रवण भांभू ने आभार जताया। नगर निगम उपायुक्त यशपाल आहूजा सहित विभिन्न अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

गिव अप अभियान की अवधि 31 मई तक बढ़ाई : खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के उपायुक्त महावीर प्रसाद व्यास ने शुक्रवार को पंचायत समिति सभाकक्ष में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के उचित मूल्य दुकानदारों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि गिव अप अभियान में लक्ष्यानुरूप अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है। इसलिए इस अभियान की अवधि 31 मई तक बढ़ा दी गई है। अब समस्त उचित मूल्य दुकानदारों से अपेक्षा है कि इस अभियान में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान करें जिससे ऐसे अपात्र लाभार्थी जो योजनानुसार पात्रता की सीमा में नहीं होने के बावजूद राशन का गेहूं उठाकर वास्तविक लाभार्थी का हक छीन रहे हैं, उन्हें हटाया जा सके। उपायुक्त महावीर प्रसाद व्यास ने कहा कि ऐसे अपात्र व्यक्तियों को तुरंत अपनी पात्रता रद्द करवा लेनी चाहिए अन्यथा अभियान समाप्ति के बाद अपात्र व्यक्तियों के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान उपायुक्त महावीर प्रसाद व्यास तथा जिला रसद अधिकारी नरेश शर्मा ने बैठक में उचित मूल्य दुकानदारों की समस्याएं सुनी और यथासंभव मौके पर ही समाधान भी किए।

हिस्ट्रीशीटर गुरजंट सिंह का पैदल जुलूस निकाला

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में अपराध नियंत्रण के तहत पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर गुरजंट सिंह को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे एसपी कार्यालय से सेंट्रल जेल तक पैदल जुलूस में ले जाकर जनता के समक्ष प्रस्तुत किया जिससे समाज में अपराध के प्रति सख्त संदेश जाए।

गुरजंट सिंह के खिलाफ 18 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें हत्या, हत्या का प्रयास, चोरी, मारपीट और अवैध हथियार रखने जैसे गंभीर मामले हैं। उसकी गिरफ्तारी चूनावढ़ थाना क्षेत्र की पुलिस टीम द्वारा की गई, जिसमें अमित, श्रवण, गोपी और सीडीआर सेल के मंगतराम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भारत में हिस्ट्रीशीटर उन व्यक्तियों को कहा जाता है जिनका आपराधिक रिकॉर्ड लम्बा होता है और जो समाज के लिए खतरा माने जाते हैं। ऐसे व्यक्तियों की निगरानी और नियंत्रण के लिए विभिन्न राज्य सरकारों ने 'हैबिचुअल ऑफेंडर्स एक्ट' जैसे कानून लागू किए हैं। उदाहरण स्वरूप, राजस्थान में 'राजस्थान हैबिचुअल ऑफेंडर्स एक्ट, 1953' के तहत ऐसे अपराधियों की सूची बनाई जाती है और उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाती है। पुलिस को ऐसे अपराधियों की गतिविधियों पर निगरानी रखने, उनकी आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने और समय-समय पर उनकी रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने का अधिकार प्राप्त होता है। यह प्रक्रिया अपराध की पुनरावृत्ति को रोकने और समाज में शांति बनाए रखने के उद्देश्य से की जाती है।

सार-समाचार

एयरपोर्ट के विस्तार पर चर्चा

बीकानेर एयरपोर्ट सलाहकार समिति की बैठक को केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। एयरपोर्ट सलाहकार समिति की बैठक आज बीकानेर हवाई अड्डा परिसर में समिति के अध्यक्ष केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल की अध्यक्षता में रखी गई है। समिति सदस्य पंकज अग्रवाल ने बताया कि इस बैठक में खाजूवाला विधायक विधायक डॉ विश्वनाथ मेघवाल, समिति के सदस्य पंकज अग्रवाल, गुमान सिंह राजपुरोहित, संपत पारीक, अशोक मीणा, महेन्द्र बोथरा सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक से पूर्व आमजन से सुझाव लिए गए थे उन पर विस्तार से चर्चा हुई। समिति सदस्यों ने अपने विचार रखे किस तरह बीकानेर बेहतर हवाई सेवा दी जा सके और उनका विस्तार कैसे हो उस पर विस्तार से चर्चा हुई। केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि आज जो सुझाव मिले हैं, उनसे नाल एयरपोर्ट विस्तार होगा जिससे ओर अधिक हवाई सेवाएं मिलेगी जिसमें बीकानेर से कोलकाता, सूरत, मुंबई कनेक्टिंग सेवाएं मिलेगी। बीकानेर नाल हवाई अड्डे से बीकानेर शहर तक बस चलेगी जिससे यात्रियों को आने जाने में सुविधा मिलेगी। टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए शहर की विभिन्न दर्शनीय स्थलों की बुकलेट दी जायेगी। नाल हवाई अड्डे की मैन रोड चौड़ी कर सौन्दर्यीकरण किया जायेगा।

पीबीएम में 21 बड़े कूलर भेंट

बीकानेर, (कासं)। जिला उद्योग संघ अध्यक्ष द्वारकाप्रसाद पचीसिया ने बताया कि गर्मी अपने पूरे परवान पर है और लोग गर्मी से बचने के लिए अपने घरों में रहने को मजबूर है लेकिन जो रोगी है उनको अस्पताल में इलाज के लिए जाना ही पड़ेगा। अस्पतालों में पड़ रही गर्मी से निजात दिलाने हेतु बीकानेर जिला उद्योग संघ की अनुशंसा पर भामाशाह जयचंद लाल डागा ने अपने ट्रस्ट राजदेवी जयचंद लाल डागा ट्रस्ट के माध्यम से पीबीएम अस्पताल में 21 बड़े कूलर अधीक्षक डॉ सुरेंद्र वर्मा को भेंट किये ताकि मरीजों व उनके परिजनों को इस भयंकर गर्मी से राहत प्रदान की जा सके। पीबीएम अधीक्षक सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि इस बार बीकानेर लगातार हीट वेव की चपेट में रहा है जिससे स्वस्थ व्यक्ति भी बीमार हुआ जा रहा है और अस्पतालों में मरीजों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। रोगियों की व्यथा को समझते हुए भामाशाह जयचंद लाल डागा ने मरीजों व साथ आए परिजनों को शीतल हवा उपलब्ध करवाने हेतु 21 बड़े कूलर भेंट किये गए हैं । राजदेवी जयचंद लाल डागा चेरिटेबल ट्रस्ट के जयचंद लाल डागा ने बताया कि इस बार गर्मी ने इंसान, पशु पक्षी सबका हाल बेहाल कर रखा है और ऐसी तपती गर्मी में पीबीएम में भर्ती रोगियों को अगर गर्मी से निजात मिलती है तो इससे बड़ा कोई धर्म नहीं है। इस अवसर पर दन्त रोग विशेषज्ञ डॉ जितेंद्र आचार्य उपस्थित हुए।

बीकानेर में आंधी तूफान का अलर्ट

बीकानेर, (कासं)। आने वाले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान तो कम होगा लेकिन अंधड़ और बारिश से परेशानी हो सकती है। मौसम विभाग की मानें तो पश्चिमी विक्षोभ के कारण पचास से साठ किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज आंधी और बारिश हो सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि 2 मई को पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राज्य के ऊपर एक सिस्टम बना हुआ है। आज एक बार पुनः जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में दोपहर बाद मेघगर्जन के साथ बारिश व तेज आंधी (हवा की गति 50-60 किमी.) दर्ज होने की प्रबल संभावना है। बैक टू बैक पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मेघगर्जन के साथ आंधी बारिश की गतिविधियां आगामी एक सप्ताह के दौरान राज्य के कई भागों में जारी रहने की प्रबल संभावना है। आज अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान में 2 से 5 डिग्री गिरावट होने तथा हीटवेव से राहत मिलने की प्रबल संभावना है।राज्य में आगामी एक सप्ताह हीट वेव की संभावना नहीं है। बीते चौबीस घंटे में बीकानेर में अधिकतम तापमान 44.9 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि न्यूनतम तापमान भी 27 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा। गुरुवार की तुलना में शुक्रवार को तापमान में कुछ कमी आई है। आने वाले कुछ दिनों तक पारा कम होगा लेकिन चालीस डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहेगा।

आनंदम स्थल में प्याऊ का शुभारंभ

बीकानेर, (कासं)। कर्मवान फाउंडेशन द्वारा पीबीएम अस्पताल परिसर के आनंदम विश्राम स्थल में प्याऊ का शुभारंभ शुक्रवार को सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ.गुंजन सोनी व व्यापार मंडल अध्यक्ष जुगल राठी ने किया। कर्मवान फाउंडेशन अध्यक्ष वेद व्यास ने बताया कि गर्मी के मद्देनजर प्रतिवर्ष इस प्याऊ का संचालन किया जाता है। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी ने इस नेक कार्य की सराहना करते हुए कहा कि प्रचंड गर्मी को देखते हुए मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए किया गया यह कार्य अत्यधिक उपयोगी है। यह कार्य अन्य लोगों के लिए प्रेरणादायक है। व्यापार मंडल अध्यक्ष जुगल राठी ने कहा कि कर्मवान फाउंडेशन सेवा कार्यों में सदैव अग्रणी रहती है।

शहर में 9 टंकियां तैयार, 6 को जलापूर्ति लाइन से नहीं जोड़ा

बीकानेर, (कासं)। नहरबंदी शुरू हुए 9 दिन बीत गए। शुरू के पांच दिन कटौती नहीं हुई लेकिन अब कटौती शुरू हुए भी 5 दिन बीत गए। अब पीएचईडी पर पानी का दबाव आने लगा। शहर में 9 नई टंकी बनकर तैयार है। कटौती से पूर्व उन्हें जलापूर्ति लाइन से जोड़ दिया गया होता तो इतनी समस्या नहीं होती। लेकिन उन्हें जोड़ा नहीं जा सका।

- कटौती से पूर्व इन टंकियों को जलापूर्ति लाइन से जोड़ दिया गया होता तो इतनी समस्या नहीं होती

अब टेल तक पानी नहीं पहुंच रहा। नत्थूसर टंकी पर शहर में सबसे ज्यादा पानी का दबाव है। वहां भी टंकी को सप्लाई लाइन से जोड़ा जाना था, नहीं हो पाने से परेशान लोग दर्जनों की संख्या में टंकी पर पहुंच गए। सप्लाई बंद करा दी। फिलहाल समझाने पर लोग मान गए हैं मगर हालात धीरे-धीरे बिगड़ने लगे हैं। नहरबंदी से पहले पीएचईडी ने दावा किया था कि शहर में 9 नई टंकियां बनकर तैयार हैं। पहले एक सप्ताह में 3 और दूसरे सप्ताह में 3 नई टंकियों को जलापूर्ति लाइन से जोड़ दिया जायेगा जिससे पुरानी टंकियों का भार कम होगा। नहरबंदी को 10 दिन बीतने को हैं लेकिन अब तक जोड़ा नहीं गया।

पीएचईडी को 21 से 27 अप्रैल के बीच धरणीधर, स्टेडियम और नयाशहर में बनी नई टंकियों को शुरू करना था। इससे नत्थूसर टंकी का भी भार कम होता। नहीं जोड़े जाने के कारण इस टंकी के टेल इलाकों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है। एक दिन छोड़कर आ रहे पानी के बाद भी टोंटियां सूखी हैं। इससे लोगों का गुस्सा फूट गया। नत्थूसर टंकी पहुंच गए। वहां चल रही सप्लाई बंद करा दी। इस बीच शोभासर से भी पानी बंद हो गया। बाद में जेईएन बबीता ने समझाकर लोगों को वापस एक बजे पानी देने का वादा किया तब जाकर लोग शांत हुए। शहर में करीब 28 टेल इलाके हैं। टेल यानी वो इलाके जो टंकी का सबसे अंतिम छोर होता है। अंतिम छोर तक पहुंचते पहुंचते पानी का फ्लो कम हो जाता है। खेमचंद सिंगारिया, एसई पीएचईडी बीकानेर का कहना है कि करणीसिंह स्टेडियम टंकी तो बनकर तैयार है। मिलान का काम चल रहा है। अभी मौजूदा टंकियों पर ही सप्लाई को ठीक करने का प्रयास कर रहा हूं। सप्लाई लाइन से जोड़ा भी जा रहा है। नत्थूसर इलाके में लाइट जाने के कारण कुछ क्षेत्रों में सप्लाई में दिक्कत हुई।उनकी दिक्कत को दूर कर दिया गया है।

पी.एच.डी. प्रवेश काउंसलिंग

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा वेटरनरी महाविद्यालय, बीकानेर, पी.जी.आई.वी.ई.आर., जयपुर, वेटरनरी महाविद्यालय, नवानियां (उदयपुर) में अकादमिक सत्र 2024-25 के लिए पीएच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु काउंसलिंग 2 मई को वेटरनरी कॉलेज बीकानेर के ऑडिटोरियम में आयोजित की गई।

अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष प्रो. हेमंत दाधीच ने बताया कि तीनों महाविद्यालयों में 40 अभ्यर्थियों को आई.सी.ए.आर. द्वारा आयोजित आई.सी.ए.आर.-ए.आई.सी.ई. (पी.एच.डी) में प्राप्त स्कोर के आधार पर प्रमाण पत्र जांच कर पीएच.डी. की सीटों पर प्रवेश दिया गया। काउंसलिंग प्रक्रिया के दौरान अधिष्ठाता स्नातकोत्तर अध्ययन प्रो. राजेश धूड़िया, निदेशक पी.एम.ई. प्रो. उर्मिला पानू, निदेशक क्लीनिक्स प्रो. प्रवीण बिश्नोई, परीक्षा नियंत्रक प्रो. मनीषा माथुर मौजूद थे।

लालगढ़ रेलवे स्टेशन से पांच माह की बच्ची चोरी

बीकानेर, (कासं)। लालगढ़ रेलवे स्टेशन परिसर से एक 5 माह की बच्ची को चुरा ले जाने का मामला सामने आया है। टैक्सी में सवार होकर आए महिला-पुरूष पर बच्ची को चुरा ले जाने का शक है और जीआरपी पुलिस दोनों को फलौदी में तलाश रही है।

- टैक्सी में सवार होकर आए महिला-पुरूष पर बच्ची को चुरा ले जाने का शक है
- जीआरपी पुलिस दोनों को फलौदी में तलाश रही है

बज्जू निवासी सुरेश भोपा का परिवार 29 मार्च को दोपहर ट्रेन से बीकानेर आया और लालगढ़ रेलवे स्टेशन के तीन नंबर प्लेटफार्म के पास डेरा जमाया था। सुरेश, उसकी पत्नी सुनीता 30 अप्रैल की शाम को कचरा बीनने गए थे। डेरे में सुरेश की छोटी बहन 8 साल की पुष्पा, बेटियां 3 साल लाछा और 5 माह की अंजली ही थीं। इस दौरान टैक्सी में सवार एक महिला और पुरूष वहां पहुंचे और 5 माह की अंजली को चुरा ले गए। उस समय अन्य दोनों बच्चियां सो रही थी। पति-पत्नि रात को 9.30 बजे वापस लौटे तो अंजली नहीं मिली तो उसकी खोजबीन की। देर रात को सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस हरकत में आई और बच्ची की खोजबीन शुरू की गई। सीसीटीवी खंगाले और छानबीन की तो पता चला कि टैक्सी में सवार महिला-पुरूष लालगढ़ से श्रीगंगानगर चौराहे पहुंचे थे और वहां से बस में बैठकर फलौदी की तरफ गए हैं। जीआरपी एसएचओ आनंद गिला के नेतृत्व में टीम फलौदी गई है और बच्ची और उसे उठा ले जाने वालों की तलाश की जा रही है।

क्रिकेट पर सट्टेबाजी में आठ गिरफ्तार

नोखा, (कासं)। नोखा थाना पुलिस ने गुरुवार शाम को क्रिकेट सट्टेबाजी के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

- पुलिस ने आरोपियों से 9 एंड्रॉयड मोबाइल और 2 मोबाइल चार्जर व 7,400 रूपए नगद बरामद किए

यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश और पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देश पर की गई। देशनोक थाना प्रभारी सुमन शेखावत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी की। पकड़े गए आरोपियों में नागौर का सदाम हुसैन और मध्यप्रदेश के पन्ना से अजहर मिर्जा शामिल हैं। बीकानेर के मोहम्मद ताहीर, मोहम्मद साकिर, बीठू, शिव नायक, मनोज और अलताफ को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों से 9 एंड्रॉयड मोबाइल और 2 मोबाइल चार्जर बरामद किए हैं। इसके अलावा 7,400 रूपए नगद और सट्टेबाजी का हिसाब-किताब भी जब्त किया गया है। सभी आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में मामला दर्ज कर दिया गया है। कार्रवाई में थानाधिकारी सुमन शेखावत, हेड कांस्टेबल रामेश्वर लाल, सुनील कुमार और कांस्टेबल राजेन्द्र चौधरी की टीम शामिल थी।

स्काउट-गाइड ने परिंडे लगाए

नोखा, (कासं)। यहां राजकीय मांगीलाल बागड़ी महाविद्यालय में पक्षियों के लिए विशेष पहल की गई है। बढ़ती गर्मी को देखते हुए महाविद्यालय प्रांगण में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सत्यनारायण राजपुरोहित ने इस पहल की जानकारी दी। स्काउट एंड गाइड प्रभारी सुमित्रा देवल के मार्गदर्शन में यह कार्य किया गया। इस अभियान में महाविद्यालय के रेंजर्स और रोवर्स ने उत्साह से भाग लिया। रोवर्स में पवन छींपा, अजय गोदारा, पंकज बिश्नोई, चुन्नीलाल, पूनमचंद हुड्डा और रामदेव उपाध्याय ने सक्रिय भूमिका निभाई। रेंजर्स में सपना छीपा, कशिश खाती और दिशा पिलानियां ने प्रमुख योगदान दिया। छात्रों को अपने घरों के आसपास भी परिंडे लगाने के लिए प्रेरित किया गया।

श्रीगंगानगर में बदला मौसम, तेज आंधी के साथ बारिश

श्रीगंगानगर, (कासं)। मई महीने की शुरूआत के साथ ही जिले में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। देर रात से जिले के कई क्षेत्रों में तेज आंधी और हल्की बारिश का दौर शुरू हो गया जिससे तापमान में 10 से 15 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई। इससे आमजन को तेज गर्मी से राहत मिली है।

- श्रीगंगानगर शहर सहित पदमपुर, रायसिंहनगर, जैतसर और सूरतगढ़ क्षेत्र में रात करीब 12 बजे के बाद तेज हवाओं के साथ बारिश हुई

श्रीगंगानगर शहर सहित पदमपुर, रायसिंहनगर, जैतसर और सूरतगढ़ क्षेत्र में रात करीब 12 बजे के बाद तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। कई स्थानों पर हवाओं की गति 60 से 70 किमी प्रति घंटा तक रही। इसके कारण सड़कों पर पेड़ गिर गए, विद्युत पोल टूट गए और कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। सूरतगढ़, पदमपुर, अनूपगढ़ और घड़साना सहित अनेक स्थानों पर जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग के अनुसार मई के पहले सप्ताह में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय रहने तथा बंगाल की खाड़ी से आने वाली पूर्वी हवाओं के कारण मौसम में यह बदलाव आया है। अगले एक सप्ताह तक ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है। 50 से 60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और कई स्थानों पर बारिश होने की संभावना जताई गई है।

'गंगाशहर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रारंभ होने से 50 हजार लोगों को लाभ मिलेगा'

बीकानेर, (कासं)। राजकीय शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गंगशहर का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाने का प्रयास किया जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा इसके लिए कोई कमी नहीं रखी गई है। उन्होंने कहा कि गंगाशहर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रारंभ होने से आसपास के 50 हजार लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि सीएसआर अथवा अन्य मद से अस्पताल की चारदीवारी बनवाई जायेगी। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को इसका बेहतरीन संचालन करने के निर्देश दिए।

केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गंगाशहर का शुभारंभ किया। इस दौरान विधायक जेठानंद व्यास भी मौजूद थे।

- इस स्वास्थ्य केंद्र पर एक स्त्री रोग विशेषज्ञ और एक बाल रोग विशेषज्ञ नियुक्त किया

बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का संकल्प है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर के आसपास बेहतर चिकित्सा सुविधा मिले। यह स्वास्थ्य केन्द्र इस दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

सुमन छाजेड़ ने कहा कि अस्पताल का शुभारंभ गंगाशहर क्षेत्र के लिए नई शुरूआत है। उन्होंने कहा कि केन्द्र पर सभी आवश्यक सुविधाएं और संसाधन मुहैया करवाने के प्रयास किए जायेंगे। सीएमएचओ डॉ पुखराज साध ने बताया कि तीस बैड के अस्पताल से गंगाशहर, भीनासर, गोपेश्वर बस्ती, गोगागेट और शिव वैली सहित आसपास के लोगों को सहूलियत होगी। इस स्वास्थ्य केंद्र पर एक स्त्री रोग विशेषज्ञ और एक बाल रोग विशेषज्ञ नियुक्त किया गया है। वहीं दंत रोग विशेषज्ञ जल्दी ही लगाया जायेगा। इसके अलावा तीन चिकित्सा अधिकारी, छह नर्सिंग कर्मी तथा एक-एक फार्मासिस्ट और लैब टैक्नीशियन भी लगाए गए हैं।

सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराई कार, चार लोगों की मौत, तीन जने घायल

ब्यावर-पिंडवाड़ा हाइवे पर सुबह करीब चार बजे हुआ हादसा, पुलिस मौके पर पहुंची

पाली, (नि.सं.)। पाली जिले में शुक्रवार की सुबह सुमेरपुर क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसने चार लोगों की मौत और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल होने की घटना सामने आई है। यह दर्दनाक घटना ब्यावर-पिंडवाड़ा हाइवे पर सुबह करीब चार बजे हुई। जब एक तेज रफ्तार इनोवा कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से पीछे से जा टकराई। हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची।

पुलिस ने बताया कि कार में सवार सभी लोग डायलाना कलां के रहने वाले थे। इनमें दो भाईयों का परिवार शामिल था, जो मुंबई से सुमेरपुर के पास एक सामाजिक समारोह में शामिल होने के लिए अपने गांव जा रहे थे।

पुलिस के अनुसार, इस दर्दनाक हादसे में सुरेश रावल की पत्नी और बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरे भाई विष्णु के पुत्र उत्तमजी रावल ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में कुल चार लोगों की जान चली गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसमें से हर्षिता (18) को जोधपुर रेफर किया गया है। इसके अलावा अनीता और दिया का इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि कार चला रही युवती को एयरबैग खुलने से मामूली चोटें आईं और उनकी जान बच गई। पुलिस आशंका जता रही है कि चालक को नींद की झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ होगा। वहीं टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इनोवा कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कार के परखच्चे उड़ गए, जिसे बाद में क्रेन की मदद से हटाया गया। सदर थाना पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर सुमेरपुर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है। इस दुखद घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

हादसे में कार के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

- कार में सवार सभी लोग डायलाना कलां के रहने वाले थे, इनमें दो भाइयों का परिवार शामिल था
- परिवार के लोग मुंबई से सुमेरपुर के पास एक सामाजिक समारोह में शामिल होने के लिए अपने गांव जा रहे थे
- बताया जा रहा है कि कार चला रही युवती को एयरबैग खुलने से मामूली चोटें आईं और उसकी जान बच गई

नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी डिटेन

बीकानेर, (निसं)। डिलीवरी बॉय 14 साल की लड़की को बहला फुसलाकर अपने दोस्त के कमरे पर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। लड़की की तबीयत बिगड़ गई और उसे पीबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मामला उजागर होने पर मुक्ताप्रसाद थाना पुलिस ने आरोपी को डिटेन कर लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाली 14 की लड़की 30 अप्रैल को अपनी बहन के साथ स्कूटी पर ननिहाल गई थी। वहां से घर जाने के लिए उसने अपने परिचित डिलीवरी बॉय मासूम जाट को बुलाया। डिलीवरी बॉय उसे अपनी बाइक पर बैठाकर दोस्त के घर ले गया। आरोप है कि वहां उसने लड़की के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी मौके से फरार हो गया। लड़की अपने घर पहुंची और मां को घटना बताई। उसकी तबीयत बिगड़ने लगी तो परिजनों ने पीबीएम अस्पताल में भर्ती करवा दिया जहां चिकित्सकों ने उसका इलाज शुरू किया। इत्तला मिलने पर देर रात को बीछवाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन लड़की के बयान नहीं हो सके। सुबह पुलिस ने पीड़िता के बयान लिए। घटनाक्रम का मुक्ताप्रसाद पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। एसएचओ धीरेन्द्रसिंह शेखावत ने बताया कि पोक्सो एक्ट में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है जिसकी जांच सीओ सिटी श्रवणदास करेंगे। पीड़िता के मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान करवाए जाएंगे। पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि पीड़िता की आरोपी डिलीवरी बॉय से 6-7 माह से जान पहचान थी।

- लड़की की तबीयत बिगड़ने पर पीबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया

किसान की मौत

मालपुरा, (निसं)। पचेवर थानान्तर्गत नगर गांव में कृषि कार्य के दौरान कुएं की दीवार से पांव फिसलने पर कुएं मे गिरने से किसान की मौत हो गई। पूर्व कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष रामदेव बैरव ने बताया कि नगर गांव निवासी रामसरण पुत्र मदन लाल बैरवा जो कि गुरूवार को कृषि कार्य के लिये खेत पर गया था। खेत पर कुएं से पानी निकालते समय पांव फिसल जाने से कुएं में जा गिरा। देर शाम तक घर नही लोटने पर परिजनो ने खेत पर व अन्य जगह तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। शुक्रवार को परिवार की महिलाएं जब खेत पर पहुंची तो कुएं के पास चप्पल मिली। रामसरण के कुएं मे गिरने का अंदेशा होने पर पचेवर थाना पुलिस की मौजूदगी मे ग्रामीणों ने तलाशी करते हुये शव को कुएं से बाहर निकाला।

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांकः— 574—79 दिनांकः— 30.04.2025

—:: निविदा सूचना ::—

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं0: विद्युत/2025—26/558 दिनांक 30/04/2025 की निविदा दिनांक 01/05/2025 से दिनांक 12/05/2025 शायः 6.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 13/05/2025 को 3.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 13/05/2025 को 04.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/eproc.rajasthan.gov.in पर DLB2526SLOB03191 तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

आयुक्त, नगर परिषद, बून्दी

राज.संवाद/सी/25/1631

कृषि महाविद्यालय बीकानेर

[स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय]

क्रमांक :- कृम./लेखा शाखा/निविदा/2025/140 दिनांक :- 02/05/2025

ई-बोली सूचना संख्या 03/2025-26

एसकेआरयू परिसर एवं महाविद्यालय के 02 कार्य बिन्दुओं पर सफाई कार्य जॉब बेसिस आधार पर करवाये जाने हेतु श्रम विभाग से पंजीकृत सेवा प्रदाय एजेन्सियों से आमंत्रित बोली (दोहरी बिड पद्धति) में इच्छुक बोलीदाता दिनांक 02.05.2025 से 14.05.2025 सांय 06:00 बजे तक निविदा डाउनलोड/अपलोड कर सकते है। बोली आमंत्रण सूचना की महत्वपूर्ण शर्ते व पूर्ण विवरण वेब साईट "www.dipronline.org" http://sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट http://raubikaner.org पर देखी जा सकती है। अल्पकालीन ई-बोली की अनुमानित लागत 11.00 लाख है। NIB Code: SKA2526A0007, UBN Code: SKA2S26SLOB00015

राज.संवाद/सी/25/1670 अधिष्ठाता

गिरिजा व्यास की पार्थिव देह पंचतत्व में विलीन

उदयपुर, (कासं)। पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास की पार्थिव देह शुक्रवार शाम पंचतत्व में विलीन हो गई। शाम पांच बजे अशोक नगर स्थित मोक्षधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। अशोक नगर मोक्षधाम में उनके भतीजे विवेक शर्मा ने मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार वैदिक विधि से हुआ, इसमें 104 वेद मंत्र पढ़े गए। कांग्रेस नेत्री की अंतिम यात्रा में सैकड़ो कांग्रेसकर्ता एवं विशिष्ट जन शामिल हुए।

जानकारी के अनुसार डॉ. गिरिजा व्यास 31 मार्च को घर पर गणगौर का पूजन कर रही थीं। दीपक के कारण उनकी चुन्नी में आग लग गई थी। घर में ही काम करने वाले एक व्यक्ति ने उनको संभाला था। उदयपुर में निजी हॉस्पिटल में ले जाया गया था। वहां से उनको अहमदाबाद रेफर किया था। 90 प्रतिशत झुलसने से उनकी हालत बिगड़ गई थी। गिरिजा व्यास के भाई गोपाल शर्मा ने बताया कि पहले उनकी तबीयत में सुधार हो रहा था लेकिन दो दिन से तबीयत फिर बिगड़ गई थी। 79 वर्षीय गिरिजा व्यास ने गुरुवार शाम करीब 7.15 बजे अहमदाबाद स्थित जायडस हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली थी। देर रात उनकी पार्थिव देह उदयपुर लाई गई थी।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष दैत्य मगरी स्थित निवास पर पहुंचे और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास के पार्थिव शरीर पर कांग्रेस का ध्वज एवं पुष्प चक्र अर्पित किये। पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में राजस्थान सरकार के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड,संदीप चौधरी,पवन गोदारा,उदयपुर लोकसभा प्रत्याशी एवं पूर्व कलेक्टर तारा चंद मीणा,पूर्व विधायक प्रीति शक्तावत, पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा, बसंती मीणा भी शामिल थे। उदयपुर सांसद मन्ना लाल रावत, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, राजसमन्द विधायक दीप्ती किरण माहेश्वरी, भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रमोद सामर, पूर्व उप महापौर पारस सिंघवी, भाजपा शहर जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़ आदि ने भी दैत्य मगरी स्थित निवास पर पहुँच कर पुष्पांजलि अर्पित की। पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ प्रशासक गुलाबचंद कटारिया ने दिवंगत कांग्रेस नेता गिरिजा व्यास के निधन पर दुख प्रकट किया।

- वैदिक विधि से हुआ अंतिम संस्कार, भतीजे ने मुखाग्नि दी

कार-टेम्पो में टक्कर, पिता-बेटी की मौत, मासूम समेत आठ लोग घायल

टेम्पो सवार परिवार सुंधा माता के दर्शन कर सोनाणा खेतलाजी जा रहा था

पाली, (नि.सं.)। पाली में कार और टेम्पो की जोरदार टक्कर में पिता और बेटी की मौत हो गई। वहीं तीन साल के मासूम समेत आठ लोग घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रानी हॉस्पिटल से पाली, सुमेरपुर रेफर किया गया। पाली से 3 साल के मासूम को देर रात को जोधपुर रेफर किया। हादसा गुरुवार रात करीब 11.30 बजे रानी थाना इलाके में हुआ।

रानी थाने के पन्नालाल ने बताया कि टेम्पो में सवार एक परिवार सुंधा माता के दर्शन कर सोनाणा खेतलाजी जा रहा था और फॉक्स वैगन कार से एक परिवार चारभुजा से चाणोद जा रहा था। इस दौरान रानी और केनपुरा के बीच दोनों गाड़ियों में जोरदार टक्कर हो गई। घायलों का पाली, सुमेरपुर व रानी में इलाज जारी इस हादसे में टेम्पो में सवार जालोर जिले के देरदरी निवासी फुसाराम (55) पुत्र रामाराम प्रजापत और उनकी बेटी कविता (25) पत्नी देवाराम की मौत हो गई। जिनकी बॉडी रानी हॉस्पिटल की मॉर्च्यूरी में रखवाई गई है। हादसे में 8-9 जने घायल हुए हैं। पांच घायलों को पाली लाया गया, जहां से 3 साल के मासूम कार्तिक पुत्र देवाराम को जोधपुर रेफर किया गया।

जालोर जिले के देलदरी हॉल अहमदाबाद निवासी पुनीत (14) पुत्र फुसाराम प्रजापत, कोकिला (50) पत्नी फुसाराम, पाली जिले के चाणोद हाल मुंबई निवासी जगदीश पुत्र पुखाराम और उनके बेटे मनोज (25) का पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में उपचार चल रहा हैं। शेष तीन घायलों का सुमेरपुर और रानी में उपचार चल रहा है।

- फॉक्स वैगन कार से एक परिवार चारभुजा से चाणोद जा रहा था, रानी और केनपुरा के बीच हादसा हुआ

हादये में हुये घायलों को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया।

कार्यालय जोधपुर नगर निगम, उत्तर

नगर निगम भवन, पोलिटेक्निक कॉलेज परिसर, रेजिडेन्सी रोड, जोधपुर. 342004

फोन न. :- 0291-2651464, ईमेल :- nnjjodhpur@gmail.com

क्रमांक :- विकास/उत्तर/द्वितीय/2025-26/846 दिनांक :- 01/05/2025

ई-निविदा सूचना संख्या

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न विकास कार्य हेतु ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की विस्तृत जानकारी एवं शर्ते इत्यादि वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in एवं जोधपुर नगर निगम उत्तर की वेबसाईट https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjn देखी जा सकती है।

UBN No. : DLB2526WSOB03359

राज.संवाद/सी/25/1652 महापौर आयुक्त

राजस्थान सरकार

कार्यालय सहायक निदेशक महिला अधिकारिता विभाग धौलपुर

सिटी जुबली हॉल के पास, नगर परिषद रोड, धौलपुर

Mail : dholpur.we@rajasthan.gov.in, Ph.: 05642-223349

खुली बोली आंमत्रण सूचना

इस कार्यालय के लिए पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केन्द्र योजना अन्तर्गत महिला केन्द्र प्रबंधक, महिला परामर्शदाता, आई.टी.वर्कर एवं बहुउद्देशीय सहायक के पदो के लिए अस्थाई आधार पर मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए विनिर्दिष्ट संवेदक/संस्थाओं से दिनांक 06.05.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक ई निविदा आमंत्रित की जाती है एवं ई निविदा की अनुमानिक लागत 14.70 लाख है। बोली आमंत्रण सूचना/निविदा प्रपत्र मय शर्तें व आवश्यक दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://wcd.rajasthan.gov.in एवं eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No.-WMP2526SLRC00019, NIB No.-WMP2526A0019

(जय प्रकाश) सहायक निदेशक, महिला अधिकारिता विभाग, धौलपुर

DIPR/C/5778/2025

Office Of Superintending Engineer PHED Circle Jhalawar (Rajasthan)

NOTICE INVITING Bid No. 04/2025-26 Item No. 1-A to 1-H

Bids for Annual Rate contract for Construction & commissioning of 200 mm dia tube wells with submersible pump sets etc. complete work in all types of strata & laying, jointing, testing, commissioning of HDPE pipe line including defect liability period of 01 year at PANCHAYAT SAMITI AKLERA of PHED Division Jhalawar District Jhalawar (With Material Complete) are invited from interested bidders upto 05.05.2025 at 18.00 Hours Other particulars of the bid may be visited on the www.dipr.rajasthan.gov.in, http://rajwater.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in. Departmental websites. http://sppp.rajasthan.gov.in and

NIB No. PHE2526A0617

UBN No. PHE2526WSOB01462, PHE2526WSOB01464, PHE2526WSOB01466, PHE2526WSOB01467, PHE2526WSOB01469, PHE2526WSOB01471, PHE2526WSOB01472, PHE2526WSOB01474

Superintending Engineer, PHED Circle Jhalawar

DIPR/C/5634/2025

पहलगाम आतंकी हमला : सुरक्षा को लेकर पुलिस व प्रशासन अलर्ट मोड पर

अजमेर पुलिस ने 300 से अधिक संदिग्ध नागरिकों को हिरासत में लिया

अजमेर, (कासं)। गत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरे देश में आतंरिक सुरक्षा को लेकर पुलिस व प्रशासन अलर्ट मोड पर है। केंद्र सरकार से मिले निर्देश पर राज्य पुलिस मुख्यालय द्वारा जिलों में रह रहे संदिग्धों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अजमेर जिला पुलिस शहर में रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों की धरपकड़ के लिए शुक्रवार सुबह पांच बजे से सर्च अभियान चलाते हुए क्रिश्चयनगंज थाना और हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र के कई इलाकों से करीब 300 से अधिक संदिग्ध नागरिकों को हिरासत में लिया गया। पुलिस द्वारा उनके दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है।

जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर हिमांशु जांगिड़ और सीओ नॉर्थ रूद्र प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में थाना प्रभारी अरविन्द सिंह चारण व हरिभाऊ थाना प्रभारी महावीर प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में टीमों का गठन कर पुलिसकर्मियों की टीमों ने संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए रातीडांग, ईदगाह कॉलोनी, चौरसियावास, जनता कॉलोनी और नौसर घाटी क्षेत्र सहित अन्य क्षेत्रों में सघन तलाशी ली गई।

पुलिस टीम ने करीब 300 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लेकर थाने लाया गया, जहां पुलिस पूछताछ के साथ उनके दस्तावेजों की जांच पड़ताल की जा रही है। पुलिस के अनुसार यदि किसी व्यक्ति की नागरिकता भारतीय नहीं पाई जाती है तो संबंधित विभागों के माध्यम से उसे वापस उसके देश भेजा जाएगा। दस्तावेजों की पुष्टि के लिए संबंधित विभागों को भी मौके पर बुलाया गया है। अभियान में करीब 60 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल रहे।

- पुलिस के अनुसार यदि किसी व्यक्ति की नागरिकता भारतीय नहीं पाई जाती है तो संबंधित विभागों के माध्यम से उसे वापस उसके देश भेजा जाएगा

बर्फ बनाने की फैक्टरी सीज़

बालोतरा, (निसं)। जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव एवं खाद्य सुरक्षा आयुक्त के निर्देशानुसार शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी गिरधारी राम ने कार्यवाही करते हुए अखाद्य पदार्थों से निर्मित आइस्क्रीम एवं बर्फ बनाने वाली आनंद फैक्ट्री को सीज किया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी गिरधारी राम ने बताया कि ग्रीष्मकालीन विशेष नमुनीकरण अभियान के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वांकाराम चौधरी के सुपरविजन में खाद्य सुरक्षा टीम ने शुक्रवार को पचपदरा में रिफाइनरी रोड पर स्थित आनन्द आइस व बर्फ फैक्ट्री का निरीक्षण किया। वहां पर इस फर्म के नाम से वैध लाइसेंस नही पाया गया तथा पुछने पर भी नहीं बता सकें। निरीक्षण में पाया गया कि फर्म में बर्फ बनाने के लिए प्रयुक्त पानी भी पीने योग्य नहीं था। फैक्टी में निर्मित आइस केन्डी प्रथम दृष्टया उसमें बहुत अधिक कलर पाया गया, जो को बच्चों के स्वास्थ्य के लिए अधिक हानिकारक है। दोनों सामग्रियों का नमूना लिया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर

क्रमांक-अअ/सांचोर/2024-25/109 दिनांक-17/04/2025

निविदा सूचना संख्या 01/2025-26

NIB No.: 2526A0177

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर Building Repair हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवम् दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू.74.79 लाख है।

निविदा आवेदन	21 अप्रेल 2025, 9.30 बजे से 05 मई, 2025, सांय 6.00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.एन. संख्या निम्नानुसार है।

UBN No.- 1. UBNPWD544, 2. UBNPWD545, 3. UBNPWD546, 4. UBNPWD547 5. UBNPWD548, 6. UBNPWD549

(प्रदीप पंवार) अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड सांचौर

DIPR/C/5647/2025

Office Of The Municipal Board Diggi District Tonk (Raj.)

Sr.No. NPD/25-26/119 Date :- 30.4.2025

Notice Inviting Bid- 01/2025

Nagar Palika Diggi Bids For Various Manpower Supply work Nib No 01/2025 of subject matters of procurement are invited from interested bidders Last Submission End Date 12.5.2025 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal www.eproc.rajasthan.gov.in & www.sppp.rajasthan.gov.in.

UBN – DLB2526SLOB03239

Executive Officer, Municipal Board Diggi

Raj.Samwad/C/25/1682

ट्रेन में महिला का बैग चोरी

फुलेरा, (निसं)। सवारी गाड़ी संख्या 14701 गंगानगर-बांद्रा ट्रेन में बदमाशों ने महिला के लाखों के गहने से भरा बैग चोरी कर ले गए। महिला फुलेरा से किशनगढ़ जा रही थी। तभी फुलेरा जीआरपी थाना इलाके में चोरों ने घटना को अंजाम दिया। पीड़िता के पति की शिकायत पर फुलेरा जीआरपी थाने पर केस दर्ज हुआ है। प्राप्त जानकारी अनुसार फुलेरा की मिश्र कॉलोनी निवासी गजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि मेरी पत्नी विजय लक्ष्मी गौड़ एवं बेटी विधि शेखावत, वैभवी शेखावत 29 अप्रैल को प्रातः 9.40 बजे शादी समारोह में जाने के लिए फुलेरा रेलवे स्टेशन से ट्रेन संख्या 14701 के आगे के जनरल कोच में बैठकर किशनगढ़ जा रही थी। उनके पास बड़ा लेडीज पर्स था। जिसमें एक छोटा पर्स था। जिसमें सोने की ज्वैलरी थी। जिसको रास्ते में नरेना रेलवे स्टेशन के पास देखा तो नहीं मिला।

कनिष्ठ सहायक भर्ती प्रक्रिया बीकानेर से शिफ्ट

शिक्षा विभाग जयपुर के स्कूल में डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन करेगा

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश की पूरी शिक्षा व्यवस्था का जिम्मा वैसे तो बीकानेर के पास है, लेकिन ज्यादातर काम यहां से शिफ्ट हो रहे हैं। अब शिक्षा विभाग में कनिष्ठ सहायक भर्ती के लिए डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन का काम भी बीकानेर के बजाय जयपुर के एक सरकारी स्कूल में होगा। इसके लिए निदेशालय से एक टीम जयपुर जाएगी।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने जारी आदेश में कहा गया है कि लिपिक ग्रेड सेकेंड व कनिष्ठ सहायक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा 24 का रिजल्ट कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर ने जारी कर दिया है। इसमें चयनित कैंडिडेट्स के डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन का काम 14 मई से 28 मई के बीच जयपुर के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय मालवीय नगर सेक्टर 2 में किया जागा। जिन कैंडिडेट्स को लिस्ट में शामिल किया गया है, उन्हें अपने ऑरिजनल डॉक्यूमेंट्स के साथ पहुंचना होगा। सभी कैंडिडेट्स को रोल नंबर के आधार पर अलग अलग तारीखों में आमंत्रित किया जा रहा है। कैंडिडेट्स को शैक्षणिक योग्यता, आयु, जाति, मूल निवास, चरित्र प्रमाण पत्र, विशेष योग्यजन, विवाह, खेल, सेवारत होने पर सक्षम अधिकारी के अनापत्ति प्रमाण पत्र के साथ उपस्थित होना है। इनकी दो-दो प्रतियां साथ में संलग्न करनी है और स्व प्रमाणित भी करनी है। कैंडिडेट्स को अपना ई- आधार भी पेश करना होगा, जिसमें क्युआर प्रिंट हो। निर्धारित शपथ पत्र भी पेश करने होंगे। अब कर्मचारी सवाल उठा रहे हैं कि ये काम बीकानेर में क्यों नहीं हो रहा है। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए निदेशालय में लंबी चौड़ी कर्मचारियों की टीम हे। इसके बाद भी जयपुर के एक सरकारी स्कूल में ये काम किया जा रहा है। इससे निदेशालय कमजोर हो रहा है।

कार्यालय नगरपालिका रतननगर (चूरू)

फोन नं. - 01562-281224, ईमेल - mun_rnagar@yahoo.in

Date :- 02/05/2025

Notice Inviting Bid

Bids for of Annual works invited from interested bidders up to 11:30 AM 15/05/2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state official website. UBN : DLB2526SSRC03450, DLB2526SLRC03451, DLB2526SLRC03453

Raj.Samwad/C/25/1684 Executive Officer

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय द्वारा ई–निविदा सूचना संख्या 02/2025–26 क्रमांक 1261 दिनांक 01/05/2025 के तहत निर्माण कार्यों हेतु निविदाएं जारी की गई है, जिसके एनआईबी GSU2526A0007 यूबीएन क्रमशः GSU2526WSOB00008, GSU2526WSOB00009 हैं। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in एवं स्टेट पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/1644 सम्पदा अधिकारी

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001

दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट www.mcudaipur.org.com

क्रमांकः— एच.ए./सी.एन./ जा/2025—26/1144 दिनांकः— 01.05.2025

(ई–भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या –

नगर निगम सीमा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में रात्रीकालिन 24×7 सम्पूर्ण सफाई का कार्य हेतु ई– प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑन लाईन निविदा दिनांक समय सांय 04:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in एवं नगर निगम, उदयपुर की वेबसाइट पर उपलब्ध है। निविदा की प्रारम्भ दिनांक 2.5.25 तथा खुलने की दिनांक 13.5.25 दोपहर 4 बजे एवं अनुमानित लागत 82.00 लाख रू. है। ऑनलाईन निविदा समाप्ति दिनांक 12.5.25 सायं 6.55 तक। UBN no. UNP2526SLRL00018

राज.संवाद/सी/25/1634 आयुक्त, नगर निगम उदयपुर

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम) एसबीयू एण्ड पीसी- रॉक फॉस्फेट, झामरकोटड़ा, पी.ओ.- झामरकोटड़ा-313015,

फोन नम्बर : 9413300435, ई मेल:- luckybhargava.rsmml@rajasthan.gov.in

दिनांक :- 02/05/2025

संशोधित निविदा सूचना

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
E-Tender No. 14/23-24 Dated 24.03.2025 Due date extended up 21.05.2025 UBN No. MML2425GLOB00234	सप्लाई इंस्टोलेशन, टेस्टिंग एण्ड कमीशनींग ऑफ 3 पोल, 145 केवी, एस एफ 6 सर्किट ब्रेकर अनुमानित राशि रू. 1378000/– लाख, धरोहर राशि रू. 27600/–, निविदा शुल्क रू. 1180/– प्रोसेसिंग फीस 1000/–
E-Tender No. 15/23-24 Dated 24.03.2025 Due date extended up 21.05.2025 UBN No. MML2425GLOB00235	सप्लाई इंस्टोलेशन, टेस्टिंग एण्ड कमीशनींग ऑफ स्टेप अप ट्रांसफार्मर, 630 केवीए एण्ड सप्लाई ऑफ डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर 100 केवीए अनुमानित राशि रू. 2000000/– लाख, धरोहर राशि रू. 40000/–, निविदा शुल्क रू. 1180/– प्रोसेसिंग फीस 1000/–
E-Tender No. 16/23-24 Dated 24.03.2025 Due date extended up 21.05.2025 UBN No. MML2425GLOB00236	रेट कॉन्ट्रैक्ट फॉर ट्रांसपोर्टेषन वर्क ऑफ सल्फुरिक एसिड फ्रॉम एच.जेड.एल. प्लांट टू झामरकोटडा माइंस, आरएसएमएमएल, उदयपुर अनुमानित राशि रू. 1000000/– लाख, धरोहर राशि रू. 20000/–, निविदा शुल्क रू. 1180/– प्रोसेसिंग फीस 1000/–

विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com/ www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा जनरल मेनेजर (एम.एम.), से सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/1639 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

(टी डब्ल्यू शाखा), नया पावर हाऊस परिसर, हैवी इंडस्ट्रीयल एरीया, जोधपुर- 342003

दूरभाष : 0291-2742336 फैक्स :- 0291-2745259

अल्कालिक ई-निविदा सूचना

जोधपुर डिस्कॉम में निम्नलिखित कार्य के लिए अल्पकालिक तकनीकी, वाणिज्यिक और मूल्य ई-बोली आमंत्रित की जाती हैं-

निविदा संख्या	कार्य का विवरण	यूबीएन नंबर
टीएन टीडब्ल्यु 739	"जोधपुर डिस्कॉम के जैसलमेर वृत में फतेहगढ़ उपखंड के 765/400 केवी जीएसएस सांवता के अंतर्गत पावरग्रिड के अस्थायी एनडीएस कनेक्शन हेतु 11 केवी लाइन 33 केवी इंसुलेशन (9.5 किमी ओएच लाइन+1.5 किमी यूजी केबल) पर ,11/0.4 केवी 01 नंबर 315 केवीए सब-स्टेशन, और, 11 केवी बे के कार्य हेतु टर्नकी आधार पर आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग के कार्य हेतु अल्पकालिक निविदा आमंत्रित कि जाती है।"	JVV2526 WSOB00088

अन्य विवरण जैसे निविदा मूल्य धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने / खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं www.eproc.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती हैं। निविदा कर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है की ऑन लाइन www.eproc.rajasthan.gov.in पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्यन्न कर ले।

सूचना :- भविष्य इन निविदाओं से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन, तिथि बढ़ने की जानकारी आदि केवल वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध करायी जायेगी।

राज.संवाद/सी/25/1629 अधीक्षण अभियन्ता (टीडब्लू)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

राष्ट्र निर्माण में पब्लिक सर्वेंट की अहम भूमिका : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में राजस्थान के चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान कर बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया है कि वे सभी अमृत काल के योद्धा के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में अपना योगदान देंगे तथा उत्कृष्ट लोक सेवा के माध्यम से हमेशा राजस्थान का नाम देशभर में रोशन करेंगे। शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने पिछले वर्ष से चयनित प्रतिभाओं के सम्मान की पहल की है। देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक माने जाने वाली यह परीक्षा पास करके प्रदेश के युवाओं ने अपने माता-पिता के साथ ही क्षेत्र और पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि इस सफलता के बाद जीवन में बेहतर कार्य करते हुए परिजनों की खुशी के भाव को जीवन में आगे भी बनाएं रखें।

मुख्यमंत्री ने 'कर्ता के आगे हारे करतार' उक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी कार्य में सफलता पाने के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ता है तथा दृढ़ संकल्प के साथ की गई मेहनत से सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने कहा कि इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता के बाद भी चयनित युवाओं के जीवन में नए परिश्रम का दौर शुरू होगा। क्योंकि राष्ट्र निर्माण और गरीब कल्याण में लोक सेवक की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। उन्होंने जीवन में विनम्रता एवं धैर्य को अपनाते हुए आमजन की आकांक्षाओं को पूरा करने का आ ान किया।शर्मा ने कहा कि लोक सेवक प्रशासन के कर्णधार हैं तथा लोक सेवा का महत्व हमारे समाज और राष्ट्र के लिए असीमित है। इसलिए लोक सेवकों का नवाचारी होना महत्वपूर्ण है, ताकि आम लोगों को बेहतर नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान की जा सकें। उन्होंने आ ान किया कि हमारे प्रदेश की मिट्टी ने हमेशा से वीरों, विद्वानों और कर्मठ लोगों को जन्म दिया है और अब वे सभी भी अपनी सेवा के माध्यम से गौरवमयी मिट्टी की खुशबू को फैलाएं और कर्मभूमि के साथ ही जन्मभूमि से जुड़े रहे।

समारोह में मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सिविल सेवा में चयनित प्रतिभाओं के सम्मान की इस पहल से प्रदेश के होनहारों को प्रेरणा मिल रही है। उन्होंने कहा कि लोकसेवक के रूप में देश और समाज की सेवा का सौभाग्य चुनिंदा लोगों को ही मिल पाता है। महानिदेशक पुलिस ने कहा कि अपने सेवाकाल में हमेशा गरीब कल्याण को प्राथमिकता दें और अपनी सफलता में माता-पिता और परिजनों के योगदान को कभी नहीं भूले।

समारोह में जयपुर निवासी दृष्टिबाधित मनु गर्ग ने मुख्यमंत्री से संवाद करते हुए बताया कि उन्होंने दृष्टिबाधित होने के बावजूद सिविल सेवा परीक्षा में देशभर में 91वां स्थान हासिल किया है। उन्होंने अपनी इस सफलता का मूल मंत्र अपनी माताजी के संकल्प को बताया। वहीं देशभर में 20वां स्थान हासिल करने वाले जोधपुर निवासी त्रिलोक सिंह ने बताया कि लोक सेवक के रूप में वे भारतीय सेना में सेवा दे चुके अपने पिता द्वारा दी गई प्रेरणा को आगे बढ़ाएंगे।

मुख्यमंत्री ने चयनित प्रतिभाओं को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम के अन्त में मुख्यमंत्री के साथ चयनित युवाओं का सामूहिक फोटो सेशन भी हुआ। इस अवसर पर राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी एवं यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में चयनित अभ्यर्थी मौजूद रहे।

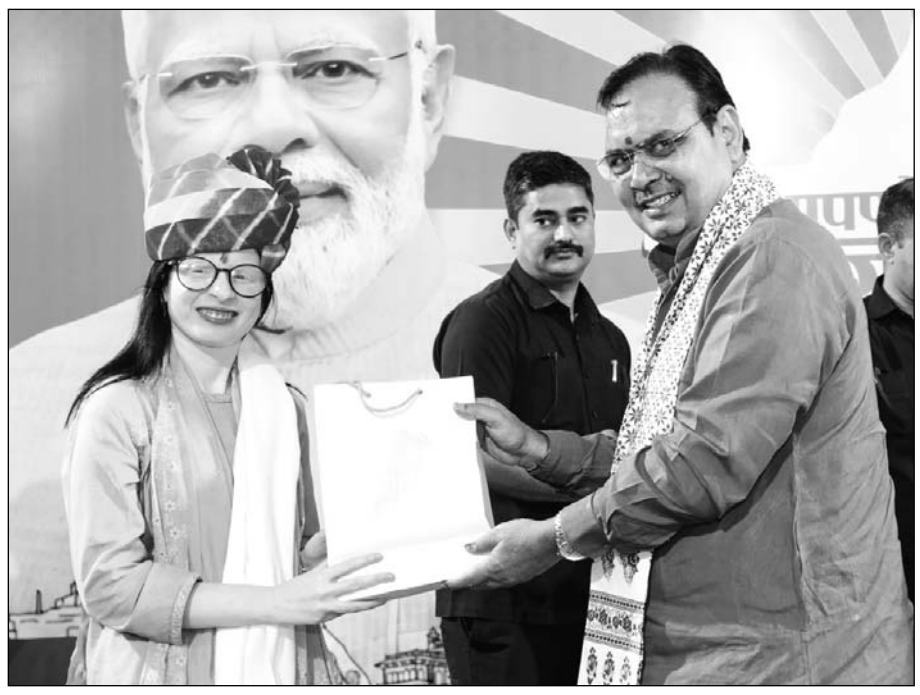

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को उनके निवास पर आयोजित सम्मान समारोह में यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में राजस्थान के चयनित अभ्यर्थियों का सम्मान किया।

- **मुख्यमंत्री ने युवा-अधिकारियों से विनम्रता व धैर्य को अपनाने तथा जड़ों से जुड़े रहने का किया आव्हान**

अंता विधायक मीणा को मिली सजा रद्द करने से इनकार

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने लोक सेवक पर हमला करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में अंता विधायक कंवर मीणा को मिली तीन साल की सजा को रद्द करने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने कंवरलाल की रिवीजन याचिका को खारिज करते हुए उन्हें तुरंत निचली अदालत में सरेंडर करने को कहा है। अदालत ने कहा कि यदि अभियुक्त सरेंडर नहीं करता तो निचली अदालत उसके गिरफ्तारी वारंट जारी करे। जस्टिस उमाशंकर व्यास की एकलपीठ ने यह आदेश कंवरलाल मीणा की रिवीजन याचिका पर फैसला सुनाते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि एक निष्पक्ष लोक सेवक जब प्रतिकूल हालात में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपना कर्तव्य निभा रहा था, तब अभियुक्त ने करीब तीन सौ लोगों की भीड़ को उकसाते हुए रिपोल की मांग करते हुए उसकी कनपटी पर पिस्तौल तान दी। इस प्रकार के अपराध से न केवल कानून व्यवस्था प्रभावित होती है, बल्कि लोक सेवकों में असुरक्षा की भावना पैदा होती है।

रिवीजन याचिका में कहा गया कि घटना के दो दिन बाद काल्पनिक तथ्यों के आधार पर रिपोर्ट दी गई है। निचली अदालत में सभी लोक सेवक पक्षद्रोही हुए हैं। वहीं उसे राजनीतिक द्वेषता के चलते प्रकरण में फंसाया गया है। इसलिए निचली अदालत के दोषसिद्धी आदेश को रद्द किया जाए। जिसका विरोध करते हुए सरकारी वकील विवेक चौधरी व परिवादी के अधिवक्ता एसएस होरा ने कहा कि घटना के समय याचिकाकर्ता आपराधिक किस्म का व्यक्ति था और उस पर 15 प्रकरण दर्ज थे। अभियुक्त के भय व आतंक के कारण पुलिसकर्मी व लोक सेवक उसके खिलाफ बयान देने की स्थिति में नहीं थे। यहां तक की पुलिस के मौके पर मौजूद होने के बावजूद रिपोर्ट तक नहीं की गई। वहीं अभियुक्त के स्थानीय इलाके में मौजूद होने के बावजूद तीन साल तक उसे गिरफ्तार भी नहीं किया गया। इससे पुलिस की लाचारी साफ नजर आती है। इसके अलावा तत्कालीन प्रशिक्षु आईपीएस व तहसीलदार ने अभियुक्त के खिलाफ बयान दिए हैं। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त विधायक की रिवीजन याचिका को खारिज कर दिया है।

- **हाईकोर्ट ने तत्काल सरेंडर करने के आदेश दिये**

मामले के अनुसार अकलेरा के तत्कालीन एसडीओ रामनिवास मेहता ने 5 फरवरी, 2005 को स्थानीय कलेक्टर को पत्र लिखा कि 3 फरवरी को मनोहर थाना के पास गांव के लोक खाताखेडी के उपसरपंच के चुनाव का रिपोल कराने को लेकर रास्ता रोक रहे थे। इस दौरान वह और प्रशिक्षु आईपीएस सहित अन्य स्टाफ समझाइश कर रहा था। इतने में कंवरलाल अपने साथियों के साथ वहां आया और उसके सिर पर रिवाल्वर लगाकर दो मिनट में रिपोल की घोषणा नहीं करने पर जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान उसने विभाग की ओर से कराई गई वीडियोग्राफी की कैसेट भी तोडकर जला दी। घटना के समय दो थानाधिकारी व एक आरपीएस भी मौजूद थे, लेकिन उन्होंने विरोध नहीं किया। कलेक्टर की ओर से इस पत्र को एसपी को भेजने के बाद 9 फरवरी को पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। वहीं बाद में निचली अदालत में आरोप पत्र पेश किया गया। एसीजेएम, मनोहर थाना ने 2 अप्रैल, 2018 को कंवरलाल को बरी कर दिया। इसके खिलाफ परिवादी और राज्य सरकार की अपील पर एडीजे कोर्ट, अकलेरा ने 14 दिसंबर, 2020 को कंवरलाल को तीन साल की सजा के साथ 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। इसके खिलाफ पेश रिवीजन पर हाईकोर्ट ने 19 अक्टूबर, 2023 को सजा पर अंतरिम रोक लगा दी थी। इसके अलावा गत 17 अप्रैल को अदालत ने सभी पक्षों को सुनकर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

विधायकी रद्द करने की मांग

जयपुर। विधानसभा में अंता विधानसभा क्षेत्र से विधायक कंवर लाल मीणा के विरुद्ध एडीजे झालावाड़ द्वारा 3 वर्ष कारावास की सजा दिए जाने के फैसले पर राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा निर्णय सुनाते हुए अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित सजा के आदेश को यथावत रखा गया है।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा तथा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने विधानसभा अध्यक्ष से मांग की है कि राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के पश्चात अंता विधानसभा क्षेत्र से चुने गए विधानसभा सदस्य कंवरलाल मीणा विधानसभा की सदस्यता के अयोग्य हो गए हैं

मानसिक दिव्यांग अविवाहित पुत्री को फैमिली पेंशन देने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि वह पूर्व राजकीय कर्मचारी की मानसिक रूप से दिव्यांग 62 साल की अविवाहित पुत्री को अंतरिम रूप से फैमिली पेंशन अदा करे। अदालत ने कहा है कि याचिकाकर्ता को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से दिव्यांग पेंशन का लाभ दें और इसकी गणना फैमिली पेंशन में नहीं की जाए। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार से दिव्यांग पेंशन योजना के संबंध में भी जानकारी पेश करने को कहा है। अदालत ने मामले में राज्य विधि सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव को कहा है कि वह प्रकरण में याचिकाकर्ता को सभी जरूरी सहायता मुहैया कराए, ताकि उसे फैमिली पेंशन और दिव्यांग पेंशन का लाभ मिल सके। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश महिला की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से याचिकाकर्ता के जीवन स्तर को लेकर तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश की गई। रिपोर्ट में बताया गया कि याचिकाकर्ता 62 साल की महिला है और मानसिक दिव्यांग होकर न्यूरोलॉजिकल समस्याओं सहित अन्य शारीरिक बीमारियों से ग्रसित है। वह अपने रिटायर भाई के साथ रहती है और उनके पास आजीविका का कोई स्वतंत्र स्त्रोत भी नहीं है। दूसरी ओर अदालत के सामने आया की यदि किसी सरकारी कर्मचारी या पेंशनर की किसी भी आयु की संतान मानसिक दिव्यांग या शारीरिक दिव्यांग होकर जीविकोपार्जन में असमर्थ है तो उसे आजीवन फैमिली पेंशन दी जाएगी। इसके बावजूद कार्मिक विभाग ने जुलाई, 2010 को उसे यह पेंशन देने से इनकार कर दिया। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को फैमिली पेंशन के साथ ही दिव्यांग पेंशन का लाभ देने को कहा है।

न्यायमित्र पूर्वी माथुर ने बताया कि याचिकाकर्ता 63 साल की एकल बुजुर्ग महिला है और मानसिक दिव्यांग है। उसके पिता सचिवालय और मां चिकित्सा विभाग में कार्यरत थी। दोनों का पूर्व में निधन होने पर वह अपने भाई-भाभी के पास रहने लगी। वहीं कुछ सालों पहले उसकी भाभी का भी निधन हो गया। याचिकाकर्ता ने फैमिली पेंशन के लिए पिता के विभाग में आवेदन किया, लेकिन विभाग ने उसका आवेदन यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उसके पिता ने सरकारी सेवा में रहते हुए कभी भी याचिकाकर्ता की मानसिक दिव्यांगता के बारे में कोई जानकारी नहीं दी और ना ही कोई दस्तावेज पेश किए।

भगवान परशुरामजी की शोभायात्रा आज

जयपुर। राजस्थान ब्राह्मण महासभा की ओर से शनिवार को शाम साढ़े पांच बजे जलेब चौक से गाजेबाजे और लवाजमे के साथ भगवान श्री परशुराम की शोभायात्रा निकाली जाएगी। ब्रह्म पीठाधीश्वर रामरतनदास देवाचार्य, शुक संप्रदायाचार्य अलबेली शरण माधुरी एवं अन्य शोभायात्रा का शुभारंभ करेंगे। मुख्य रथ के आगे 2100 महिलाएं एक ही गणवेश में मंगलगान करते हुए शोभायात्रा की भव्यता में चार चांद लगाएंगी। शोभायात्रा में विभिन्न स्वरूपों की जीवंत एवं स्वचालित 21 झांकियां होंगी।

दिया कुमारी ने बाल विवाह मुक्त राजस्थान अभियान का लोगो और थीम सॉन्ग लांच किया

जयपुर। राज्य में बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को खत्म करने के लिए राजस्थान सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्रयासों के तहत उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने 'बाल विवाह मुक्त राजस्थान' अभियान की शुरुआत की है।

उपमुख्यमंत्री द्वारा अभियान का नया लोगो और थीम सॉन्ग भी जारी किया गया है। यह लोगो और सॉन्ग लोगों को भावनात्मक रूप से जोड़ते हुए बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा। इस लॉन्च के साथ, राजस्थान सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि हर बच्चे को सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान देना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अभियान के तहत सतर्क निगरानी, सामुदायिक भागीदारी और सरकार की त्वरित कार्रवाई को बढ़ावा दिया जाएगा।

अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने बताया कि राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और बाल अधिकार विभाग की ओर से नागरिकों से अपील की गई है कि यदि कहीं बाल विवाह की आशंका हो तो तुरंत चाइल्डलाइन 1098 या महिला हेल्पलाइन 181 पर जानकारी दें।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग और बाल अधिकार विभाग के सहयोग से एक राज्य स्तरीय ओरिएंटेशन कार्यशाला भी आयोजित की गई, जिसमें बाल कल्याण समितियों, बाल संरक्षण इकाइयों, शिक्षकों, पुलिस अधिकारियों और सामाजिक संगठनों सहित 400 से अधिक लोगों ने भाग लिया। उक्त कार्यशाला का समापन बाल अधिकार विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री कुलदीप रांका की उपस्थिति में शपथ ग्रहण के साथ हुआ।

- **बाल विवाह की आशंका हो तो तुरंत चाइल्डलाइन 1098 या महिला हेल्पलाइन 181 पर जानकारी दें**

डॉ.अर्चना शर्मा सुसाइड प्रकरण में हाईकोर्ट के आदेश पर रोक

जयपुर। सुप्रीम कोर्ट ने दौसा के लालसोट के एक अस्पताल में प्रसूता की मौत पर केस दर्ज होने के बाद डॉ. अर्चना शर्मा के सुसाइड करने के सवाई माधोपुर के खंडार विधायक जितेंद्र गोठवाल सहित अन्य से जुडे मामले में राजस्थान हाईकोर्ट के 20 फरवरी 2025 के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। वहीं मामले में राज्य सरकार व विधायक गोठवाल सहित अन्य आरोपियों से जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस विक्रम नाथ व जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश डॉ. अर्चना शर्मा के पति सुनित उपाध्याय की एसएलपी पर सुनवाई करते हुए दिए। हाईकोर्ट ने इस मामले में 20 फरवरी को आदेश जारी कर विधायक गोठवाल के खिलाफ एडीजे कोर्ट लालसोट, दौसा के 9 फरवरी 2022 के उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें उनके खिलाफ आरोप तय किए गए थे। इसके अलावा हाईकोर्ट ने मामले को वापस संबंधित एडीजे कोर्ट को भिजवाते हुए कहा कि वह नए सिरे से मूल चार्जशीट व पूरक चार्जशीट के आधार पर नए आदेश पारित करे।

प्रार्थी के अधिवक्ता अजय चौधरी ने बताया कि एसएलपी में कहा गया है कि मामले में अग्रिम अनुसंधान तो हो सकता है, लेकिन पुन: अनुसंधान नहीं हो सकता। इसके अलावा हाईकोर्ट ने विधायक गोठवाल के खिलाफ तय किए गए आरोप का आदेश रद्द किया है, लेकिन इसके साथ ही अन्य आरोपियों के आरोप तय करने या नहीं करने के संबंध में भी मामला वापस ट्रायल कोर्ट को भिजवाया है। वहीं हाईकोर्ट ने केस के साक्ष्यों पर भी विचार नहीं किया है और ऐसा करना गलत है। इसलिए हाईकोर्ट के आदेश पर अंतरिम रोक लगाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए गोठवाल सहित अन्य से जवाब मांगा है।

'ग्राम सिरोली में विकसित होगी आवासीय योजना'

जयपुर। जयपुर के तहसील सांगानेर के सिरोली गाँव में राजस्थान आवासन मंडल आवासीय योजना विकसित करेगा। नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं मण्डल अध्यक्ष श्री वैभव गालरिया ने बताया कि राजस्थान आवासन मंडल राजस्थान सरकार की मंशानुसार आमजन के अपने आवास के सपने को साकार करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में सांगानेर के सिरोली में 329.17 हेक्टेयर भूमि पर आवासन मंडल द्वारा आवासीय योजना विकसित की जाएगी।

विभिन्न छात्रवृति योजनाओं की अंतिम तिथि में बढ़ोतरी

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने छात्र-छात्राओं की सुविधा और मांग के आधार पर विभाग द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृति योजनाओं की अंतिम तिथि में बढ़ोतरी की है।

निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव बचनेश अग्रवाल ने बताया कि शैक्षिणक सत्र 2024-25 में राजस्थान राज्य के मूल निवासियों के लिए विभिन्न छात्रवृति योजनाओं में आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई है।

अग्रवाल ने बताया कि शिक्षण संस्थाओं के छात्रवृति पोर्टल पर पंजीयन/नवीनीकरण, कोर्स मैपिंग, मान्यता एवं पाठयक्रमवार फीस स्ट्रक्चर आदि को अद्यतन (अपडेट) करने के लिए अन्तिम तिथि 28 मई निधारित की गई है।

31 जिला संयोजक एवं सह-संयोजक नियुक्त

जयपुर। एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान में जन जागरूकता के लिए प्रदेश के 31 जिलों में संयोजक एवं सह संयोजकों की नियुक्ति की है।

अभियान के प्रदेश संयोजक सुनील भार्गव ने बताया कि अभियान के व्यापक प्रचार प्रसार के साथ जन जागरूकता के लिए जिला संयोजकों एवं सह-संयोजकों की नियुक्ति की गई है।

एसएमएस और सेटेलाइट अस्पताल के हालातों पर लिया प्रसंज्ञान

जयपुर। राज्य मानवाधिकार आयोग ने प्रदेश के सबसे बडे अस्पताल एसएमएस हॉस्पिटल की छत का प्लास्टर गिरने और मोती डूंगरी सैटेलाइट अस्पताल में संसाधनों के अभाव पर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही आयोग ने एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक और जिला कलेक्टर से दोनों अस्पतालों की व्यवस्था दुरुस्त कर रोगियों की सुरक्षा व सुचारू इलाज सुनिश्चित कर मामले की प्रगति रिपोर्ट पेश करने को कहा है। आयोग ने यह आदेश इस संबंध में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट्स पर दिए।

आयोग अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने कहा कि अस्पताल जनमानस को रोग से मुक्ति दिलाने का पवित्र स्थान है, न कि यहां आए रोगियों को जोखिम में डालने की जगह। एसएमएस अस्पताल की छत का प्लास्टर गिरने से यहां भर्ती दो मरीजों को गंभीर चोट आई और भय का माहौल पैदा हो गया। इसी तरह पूर्व में भी यहां घटनाएं हुई हैं। इसके अलावा मोती डूंगरी सैटेलाइट अस्पताल में भी बिना जनरेटर बिजली जाने पर टॉर्च की रोशनी में मरीजों का इलाज करने की खबर प्रकाशित हुई है। इस तरह की भविष्य में घटनाएं नहीं हो, इसलिए मामले में प्रसंज्ञान लेकर एसएमएस अस्पताल और जिला प्रशासन को निर्देश दिए जा रहे हैं।

सेचुरेशन कैम्पेन का आयोजन

जयपुर। भारत सरकार के निर्देश पर पीएम-किसान योजना के अंतर्गत राज्य में प्रत्येक ग्राम स्तर पर 1 मई से 31 मई तक 30 दिवसीय सेचुरेशन कैम्पेन का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत योजनान्तर्गत लाभ से वंचित पात्र कृषकों को योजना से जोड़ा जा सकेगा। इन सेचुरेशन कैम्पों में प्रत्येक ग्राम से संबंधित विलेज नोडल अधिकारी नागरिक सेवा केन्द्र के संचालक एवं इण्डिया पोस्ट पेमेन्ट बैंक के समन्वयक उपस्थित रहेंगे। ऐसे कृषक जो कि योजना की पात्रता रखते है परन्तु योजनान्तर्गत आवेदन नहीं कर पाए हैं, उनके आवेदन सीएससी केन्द्रों पर सेचुरेशन कैम्पेन के दौरान पूर्ण करवाये जायेगें।

सिविल लाइंस कूच करने के प्रयास में बेनीवाल समर्थकों सहित हिरासत में

जयपुर। एसआई भर्ती निरस्त करने और आरपीएससी भंग करने की मांग को लेकर आरएलपी संयोजक और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने शुक्रवार को पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जालूपुरा स्थित आवास से समर्थकों के साथ सिविल लाइंस कूच करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने कमिश्नरेट के बाहर बैरिकेडिंग पर रोक दिया। इसके बाद वे अपने समर्थकों के साथ सड़क पर धरने पर बैठ गए। बेनीवाल के समर्थकों ने ढोल बजाकर सरकार को जगाने का प्रयास किया। एक घंटे बाद पुलिस ने बेनीवाल और उनके समर्थकों को हिरासत में ले लिया और सांगानेर सदर थाने ले गई।

इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि हमने सिविल लाइंस कूच करने का ऐलान किया है। अगर सरकार ने एसआई भर्ती को रद्द करने का फैसला नहीं लिया, तो आने वाले दिनों में प्रदेशभर से एक लाख नौजवान जयपुर आएंगे और रैली कर शहर को जाम कर देंगे। उन्होंने कहा, वे एसआई भर्ती को निरस्त करने, आरपीएससी का पुनर्गठन करने, रीट लेवल-1 और आरएएस भर्ती की जांच करवाने की मांग को लेकर युवा सात दिन से धरने पर बैठे हैं, लेकिन सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। उन्होंने कहा, एसओजी की जांच में सामने आया है कि 400 से ज्यादा एसआई फर्जी तरीके से चयनित हुए हैं। इस भर्ती को रद्द करवाने की मांग को लेकर युवा लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन सरकार चुप है। उन्होंने इस पूरे मामले में भाजपा-कांग्रेस पर मिले होने का आरोप लगाते हुए कहा, कि अपनी सरकार के समय सचिन पायलट ने युवाओं को न्याय दिलाने के लिए पैदल यात्रा निकाली थी, लेकिन अब वे इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने मंत्री डॉ किरोड़ीलाल मीना को लेकर कहा कि वे मंत्री बनने के बाद युवाओं की आवाज नहीं उठा पा रहे। हनुमान बेनीवाल को पुलिस द्वारा हिरासत में लेने के बाद एसआई भर्ती को रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे बेरोजगार और बेनीवाल समर्थक वापस शहीद स्मारक पर इकठ्ठा हुए और धरना जारी रखा।

- **बोले, ''एस आई भरती रद्द नहीं की, तो एक लाख युवा कूच करेंगे''**

पुलिस ने हनुमान बेनीवाल और उनके समर्थकों को शुक्रवार को हिरासत में ले लिया और सांगानेर सदर थाने ले गई।

कांग्रेस सरकार ने पुलिस मशीनरी का दुरुपयोग कर झूठा फंसाया : गोठवाल

जयपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं विधायक जितेंद्र गोठवाल ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार में मैंने गरीब, दलित व वंचित लोगो को न्याय दिलाने के लिए धरने किये थे। मेरी आवाज को बंद करने के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने पुलिस मशनरी का दुरूपयोग करके मुझे लालसोट केस में झूठा फसाया है।

उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने विस्तृत आदेश लिखकर मुझे जमानत प्रदान की थी। जिस आदेश के विरूद्ध राजस्थान की कांग्रेस सरकार सुप्रीम कोर्ट तक गई। मगर उनकी याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। मैं गिरफ्तारी के समय से ही लगातार न्याय की माँग करता आ रहा हूँ। पुलिस ने मेरे द्वारा दिये गये अग्रिम तथ्यों के आधार पर मुझे अपनी जाँच में पूरी तरह से निर्दोष माना है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में पूर्ववती पुलिस रिपोर्ट व नई पुलिस रिपोर्ट दोनो को विचारित करने के पश्चात् नया आदेश पारित करने के निर्देश दिये है।

उन्होंने कहा कि मुझे न्याय पालिका पे पूर्ण विश्वास है। जो भी कोई राजनैतिक प्रतिद्धंदी मेरे पीछे लगे है वो इस केस की आड़ में मेरी आवाज को नहीं दबा सकते। मेरी निगाह में मृतक प्रसुता आशा बैरवा तथा मृतक डॉक्टर अर्चना शर्मा दोनो को न्याय नहीं मिला बल्कि दोनो कांग्रेस सरकार के निर्देश पर सुनियोजित तरीके से किये गये दूषित अनुसंधान के शिकार हुये। प्रकरण में लालसोट के तत्कालीन पुलिस अधिकारियो द्वारा डॉ. अर्चना शर्मा को प्रताडित किये जाने और उनसे भारी धन राशि मांगे जाने की महत्वपूर्ण साक्ष्य रिकॉर्ड पर आई है, जिसे अनुसंधान अधिकारी ने षड्यंत्रपूर्वक दबा दिया था, समय आने पर में अपना पक्ष सुप्रीम कोर्ट के सामने रखूँगा। आशा बैरवा व डॉ. अर्चना शर्मा को न्याय दिलाने के लिये मैं सी.बी.आई. द्वारा जांच कराये जाने के लिये तैयार हूँ। मुझे विश्वास है कि धरना प्रदर्शन के कारण आत्महत्या के उत्प्रेरण जैसा आरोप न्यायालय में नही टिकेगा और ऐसे अनर्गल अनुसंधान नतीजे देने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ भी कठोर प्रशासनिक कार्यवाही होगी। सत्य की जीत होगी तथा मैं एक बार पुन: निर्दोष साबित होऊंगा।

होटल नाज़ अग्निकांड : एफएसएल व पुलिस टीम ने जांच शुरू की, साक्ष्य जुटाए

चार मृतकों का जेएलएन अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया, शव परिजन को सौंपे

होटल में लगी आग की एफएसएल टीम और पुलिस ने जांच की।

होटल में आग लगने सामान जल गया।

अजमेर, (कासं)। डिग्गी बाजार स्थित होटल नाज में हुए भीषण अग्निकांड को लेकर शुक्रवार को एफएसएल टीम और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वहीं पुलिस ने अग्निकांड में चारों मृतकों के शवों का जेएलएन अस्पताल से पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजन के सुपुर्द कर दिए। मृतकों के परिजन ने पुलिस से मामले में कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार इस दर्दनाक अग्निकांड चार लोगों की जल कर मौत हो गई थी, जबकि चार से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिनका उपचार जेएलएन अस्पताल में जारी है।

एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य :-क्लॉक टावर थाने के एएसआई राजवीर सिंह ने बताया कि एफएसएल की टीम ने होटल का निरीक्षण किया और मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। टीम ने जले हुए सामान, वायरिंग और इलेक्ट्रिक उपकरणों की जांच की जिससे यह पता लगाया जा सके कि आग किस वजह से लगी। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का कारण बताया जा रहा है, लेकिन पुलिस और एफएसएल दोनों ही संभावित कारणों की गहनता से पड़ताल कर रही हैं। जांच के दौरान होटल के सीसीटीवी फुटेज, बिजली उपकरणों की स्थिति, फायर सेफ्टी इंतजाम और होटल की अनुमति से जुड़ी दस्तावेजी पड़ताल की जा रही है।

- मृतकों के परिजनों ने रोष जताते हुए होटल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की
- प्रारंभिक जांच में होटल में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का कारण बताया जा रहा है

होटल में नहीं थे अग्निशमन के पर्याप्त साधन :-क्लॉक टावर थाना पुलिस के अनुसार होटल के मालिक और प्रबंधन से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि होटल में अग्निशमन के पर्याप्त साधन थे या नहीं और आग लगने के समय होटल में मौजूद लोगों की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए गए थे। गौरतलब है कि गुरुवार को हुए इस अग्निकांड में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं चार अन्य लोगों को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार दो घायलों की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है।

परिजन ने की होटल मालिक के खिलाफ कार्यवाही की मांग :- होटल नाज अग्निकांड में मारे गए चार लोगों के शवों का शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम कर परिजन को सौंप दिए। मृतकों में एक महिला और एक बच्चा भी शामिल है। मृतकों के परिजन में हादसे को लेकर गहरा रोष जताते हुए होटल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। गुजरात के अमरेली जिले के लाठी गांव निवासी अलफेज नुरानी, उनकी पत्नी शबनम नुरानी, डेढ़ साल का बेटा अरमान नुरानी और नई दिल्ली के मोती नगर निवासी मोहम्मद जाहिद की गुरुवार सुबह होटल में लगी आग में दर्दनाक मौत हो गई थी। हादसे में जाहिद की पत्नी रेहाना, बेटा इब्राहिम, गुजरात के भावनगर निवासी धवल और उनकी पत्नी अल्पा गंभीर रूप से झुलस गए थे। शुक्रवार को अजमेर पहुंचे मृतकों के परिजन ने कहा कि होटल में आग से बचाव के कोई पर्याप्त इंतजाम नहीं थे। मोइन और आबिद ने आरोप लगाया कि यदि होटल प्रबंधन ने सुरक्षा के उपाय किए होते, तो यह जानलेवा हादसा नहीं होता। मृतक मोहम्मद जाहिद की पत्नी रेहाना ने क्लॉक टावर थाने में होटल मालिक व प्रबंधन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले कीजांच कर रही है।

टेंट हाउस के गोदाम में आग लगी, एक करोड़ का सामान जला

आग इतनी भयानक थी कि इसकी लपटों ने पास के मकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया

बीकानेर, (निसं)। जिले के लूणकरणसर कस्बे के हनुमान नगर कॉलोनी में स्थित भवानी टेंट हाउस के गोदाम में भीषण आग लगने से भारी नुकसान हुआ है। आशंका जताई जा रही है कि करीब एक करोड़ रुपए का सामान जलकर राख हो गया। आग दोपहर बाद लगी थी। कस्बे में दमकल नहीं होने से पानी के टैंकर डालकर आग बुझानी पड़ी।

- कस्बे में दमकल नहीं होने से पानी के टैंकर डालकर आग बुझानी पड़ी
- टैंट में ज्यादातर सामान कपड़े का था, आग की लपटें बढ़ती चली गई

जानकारी के अनुसार गोदाम में अचानक आग लग गई, जिसकी सूचना आसपास के श्रमिकों व लोगों को लगी और उन्होंने बुझाने का प्रयास किया। हालांकि आग तेजी से फैलने लगी। एक डेढ़ घंटे बाद पहला टेंकर पानी लेकर मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक आग बेकाबू हो चुकी थी। आग इतनी भयानक थी कि इसकी लपटों ने पास के मकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग की भयावहता को देखते हुए क्षेत्र के युवाओं ने 5 टेंकर बुलाकर मोर्चा संभाला। सभी रात 8 बजे तक 40 से अधिक चक्कर लगा चुके थे। देर रात तक टैंट हाउस से धुंआ निकल रहा था। टैंट में ज्यादातर सामान कपड़े का था, ऐसे में रुक रुककर आग की लपटे बढ़ती चली गई। पांच ट्रैक्टर टैंकरों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

आग की सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। लूणकरणसर तहसीलदार विनोद पूनिया व नगरपालिका अधिशासी अधिकारी किशोर चौधरी राहत व बचाव कार्यों की निगरानी में जुटे रहे। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली और भीड़ को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाई।

भवानी टेंट हाउस के मालिक छगनलाल गोदारा ने बताया कि इस हादसे में गोदाम में रखा सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग में स्टील व प्लास्टिक की कुर्सियां, सोफा सेट, जनरेटर, कालीन रोल, कूलर, पंखे, बांस, लाइटिंग का सामान व डिस्प्ले काउंटर जलकर राख हो गए। इसके अलावा पंडाल के पाइप, स्टेज सेट, ऊपरी छत, पर्दे, सादे टेंट के पर्दे, फैंसी फर्नीचर, पलंग, इटालियन फर्नीचर, कृत्रिम फूल, केबल, झालर, बैंड शीट, फाइबर रजाई, कुर्सी के कवर, टेबल और बिस्तर सेट भी आग में पूरी तरह से नष्ट हो गए।

टेंट हाऊस मे आग की लपटें देखकर विनोद खीचड़, विनोद पूनियां, अमरचन्द ढाका ,महिपालसिंह आदि ने गोदाम का सेंटर गेट खोलकर आग के बीच से कुछ समान सुरक्षित निकालने में सफलता हासिल की। टेंट मालिक छगनलाल गोदारा ने बताया कि शादी समारोह का सीजन होने के चलते दस लाख रुपए का नया सामान कल ही आया था जो आग से जलकर नष्ट हो गया। आग से हमारे टेंट का सम्पूर्ण सामान लगभग 80 लाख से एक करोड़ का जल गया है। गोदाम बड़ा होने व आग की लपटें के कारण गोदाम की दो तरफ से दीवार तोड़कर टेंकरो के पाइप से गोदाम में पानी डालकर आग पर काबू पाया गया।

शिक्षक ने आत्महत्या की

पावटा, (निसं)। नगरपालिका क्षेत्र अंतर्गत पावटा कस्बा स्थित हीरालाल बाबा के पास एक घर से गुरुवार को प्रागपुरा थाना पुलिस ने कमरे में पंखे में फंदा लगाकर लटके एक शिक्षक का शव बरामद किया है।

प्रागपुरा थाना पुलिस के द्वारा गहन छानबीन के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए उपजिला अस्पताल पावटा भेज दिया गया। साथ ही घटना की सूचना प्रागपुरा थाना पुलिस के द्वारा मृतक के परिजन को भी दी गयी। मृतक की पहचान जोबनेर के छोटी की डूंगरी निवासी विकास मीणा पुत्र भंवर लाल मीणा उम्र 26 साल के रूप में की गयी है। मृतक के संबंध में बताया गया कि वे पावटा उपखंड क्षेत्र के पाथरेडी पंद्राह्वात अंतर्गत सरकारी विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्यरत थे। मकान मालिक परमानंद ने बताया कि करीब दो साल पहले से मृतक को किराये पर कमरा दिया था, जहां से प्रतिदिन अपने समयानुसार विद्यालय जाते थे। घटनास्थल के बगल में रह रहे एक व्यक्ति ने बताया कि उक्त शिक्षक गुरुवार को भी विद्यालय गये थे। विद्यालय से वापस घर आने के बाद परिजनों का फोन रिसीव नहीं करने पर मकान मालिक को शिक्षक को देखने के लिए भेजा।

- मृतक की पहचान जोबनेर के छोटी की डूंगरी निवासी विकास मीणा पुत्र भंवर लाल मीणा के रूप में की गयी

कमरा बंद रहने पर उक्त गेट में धक्का दिया गया। कोई जबाव नहीं मिलने पर प्रागपुरा थाना पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस की मौजूदगी में गेट को खोला तो शिक्षक का मृत शरीर पंखा में फंदा से लटके हुआ पाया गया। मृतक के डिप्रेशन की बीमारी होने से कोई न कोई परिवार का उसके साथ रहता था। उस दिन भी उसके साथ उसका भांजा था ज्यों कि कोई परीक्षा देने रेनवाल गया हुआ था।

पाली पुलिस लाइन में तीन क्वाट्र्स के ताले तोड़े, लाखों की चोरी

चोरी की वारदात के शिकार हुए तीनों पुलिसकर्मी ड्यूटी पर गए हुए थे

पाली, (नि.सं.)। पाली में चोरों ने पुलिस लाइन में ही धावा बोलकर पुलिस को चौंका दिया है। चोरों ने यहां तीन पुलिसकर्मियों के क्वार्टर्स के ताले तोड़कर वहां से ज्वेलरी और नगदी पार कर ली।

पुलिस लाइन में हुई चोरी की यह वारदात खासा चर्चा का विषय बनी हुई है। यहां चोरों ने पुलिस लाइन में ही धावा बोल दिया। चोर वहां तीन क्वाटर्स के ताले काटकर और तोड़कर लाखों के गहने तथा नगदी पार कर ले गए। हैरानी की बात यह है कि चोर वारदात को अंजाम देकर निकल गए और कोई जागा तक नहीं। पुलिस वालों को सुबह वारदात का पता चला। पाली पुलिस लाइन में तीन पुलिसकर्मियों के घरों में हुई चोरी की यह वारदात चर्चा का विषय बनी हुई है। पुलिस वालों को सुबह वारदात का पता चला। पुलिस लाइन में चोरी की यह वारदात कांस्टेबल अमित कुमार, नरेन्द्र सिंह और एक अन्य कांस्टेबल के घर में हुई।

जानकारी के अनुसार अमित कुमार रात को गश्त में गया हुआ था। नरेंद्र सिंह सुमेरपुर थाने मे कार्यरत है। उसकी पत्नी शादी में गई हुई थी। तीसरा कांस्टेबल भी ड्यूटी पर बताया जा रहा है। गुरुवार रात को चोर पुलिस लाइन पहुंचे। बेखौफ चोरों ने पुलिस लाइन में स्थित तीन अलग-अलग ब्लॉक में स्थित पुलिसकर्मियों के घरों को निशाना बनाया। इसके लिए चोरों ने बाकायदा इन क्वार्टर्स के आजू-बाजू वाले पुलिसकर्मियों के क्वार्टर्स के बाहर से पहले कुंडिया लगा दी ताकि कोई डिस्टर्ब नहीं करे। उसके बाद चोरों ने कटर से तीनों पुलिसकर्मियों के क्वार्टर्स के ताले और कुंडी काटे। चोरों ने तीन पुलिसकर्मियों के घर से नगदी और जूलरी पार की। बाद में आराम से वहां से निकल गए। इस दौरान वहां कोई हलचल नहीं हुई। शुक्रवार को सुबह पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों को इसका पता चला। सूचना पर औद्योगिक थाना पुलिस वहां पहुंची और मौका मुआयना किया। फिलहाल इस मामले में पुलिस के हाथ खाली है। वह चोरों की तलाश कर रही है, लेकिन उनका अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है।

वैल्डिंग करते युवक झुलसा

पाली, (नि.सं.)। पाली में एक गाड़ी में वेल्डिंग करते समय अचानक डीजल लीक होने से आग लग गई। हादसे में युवक का चेहरा बुरी तरह झुलस गया, जिसका हॉस्पिटल में उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार सिरोही जिला निवासी 30 साल के उस्मान पुत्र कालू खान की सुमेरपुर के अनगोर में वेल्डिंग शॉप है, जहां वह गुरुवार शाम को एक गाड़ी में वेल्डिंग कर रहा था। इस दौरान अचानक डीजल लीक हो गया और आग लग गई। इस हादसे में उसका चेहरा और सीना जल गया। उपचार के लिए सुमेरपुर हॉस्पिटल परिजन ले गए जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे पाली रेफर किया गया। गुरुवार रात को उसे उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाए जहां उसका उपचार जारी है।

तीन डॉक्टरों को आरएमसी की क्लीन चिट

बीकानेर, (निसं)। बालिका हेजल खत्री की मृत्यु के मामले में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव गोंबर और जयपुर के दोनों डॉक्टरों को राजस्थान मेडिकल काउंसिल ने क्लील चिट दे दी है। आरएमएसी ने पूरे प्रकरण की जांच की। दोनों पक्षों की सुनवाई की। तीनों डॉक्टरों ने अपना स्पष्टीकरण पेश किया। आरएमसी ने हेजल की जांच से संबंधित सभी दस्तावेजों का अध्ययन करने के बाद माना कि उसके इलाज में किसी तरह की चिकित्सकीय लापरवाही नहीं बरती गई। जनरल बॉडी नौ अप्रैल को जयपुर में हुई बैठक में इस प्रकरण से संबंधित फाइल को क्लोज करने का फैसला किया गया।

- बालिका हेजल की मृत्यु के मामले में कार्यवाही की

गौरतलब है कि रानी बाजार निवासी जगदीश चंद्र खत्री की पुत्री हेजल की मेदांता हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। उससे पहले उसका उपचार मारवाड़ हॉस्पिटल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव गोंबर, जयपुर के हॉप हॉस्पिटल के डॉ. अंकित मंगला और डॉ. प्रियंका मित्तल ने किया था। मृतका के पिता जगदीश चंद्र ने तीनों डॉक्टरों पर हेजल के इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए राजस्थान मेडिकल काउंसिल में शिकायत की थी। इस मामले को लेकर सदर थाने में प्राथमिकी भी दर्ज है, जिसकी जांच चल रही है।

काछोला पंचायत ग्राम विकास अधिकारी निलंबित

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ पंचायत समिति की काछोला ग्राम पंचायत में सुवाणा पंचायत समिति से डेपुटेशन पर लगा ग्राम विकास अधिकारी ओम खंडेलवाल सिस्टम पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। भूखण्ड पट्टों में फर्जीवाड़े की शिकायत पर मांडलगढ़ बीडीओ ने खंडेलवाल को बीते अप्रैल माह में 4 बार नोटिस जारी कर पट्टों का रिकॉर्ड मांगा गया था। लेकिन नहीं दिया गया हैं। अब खंडेलवाल पर चार्जशीट की तलवार लटकती नजर आ रही हैं। वहीं पूर्व में आटुण और हलेड पंचायत में भी आबादी भूमि के भूखण्डों के पुश्तैनी पट्टे जारी करने की शिकायतें ग्रामीणों द्वारा उच्चाधिकारियों की गई थी। जिसमे खंडेलवाल पर पट्टाधारियों से लाखों की राशि वसूलने का आरोप लगाया था। जिसकी जाँच में आरोप पत्र देने के बाद विडिओ ओम खंडेलवाल को सुवाणा विकास अधिकारी ने निलंबित कर दिया है।

- मांडलगढ़ से कार्यमुक्त कर सुवाणा भेजा
- विकास अधिकारी के नोटिस को दरकिनार किया

ग्राम विकास अधिकारी ओम खंडेलवाल के खिलाफ काछोला पंचायत उप सरपँच देवीलाल माली, सामाजिक कार्यकर्ता ओमनाथ योगी, श्यामलाल आचार्य ने दो माह पूर्व मांडलगढ़ विकास अधिकारी, जिला परिषद सीईओ ओर कलेक्टर को शिकायत कर काछोला में विगत 6 माह में जारी किए गए एक ही परिवार को भुखण्डों के पट्टों की जाँच की माँग की थी। लेकिन आज तक कोई जाँच शुरू ही नहीं की गई हैं। इस मामले में विडिओ ओम खंडेलवाल के खिलाफ मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास एवं ग्राम विकास अधिकारी राज विभाग जयपुर ओर एसीबी मुख्यालय जयपुर को शिकायत पत्र भेजा गया हैं।

पूर्व में अटुण पंचायत में रहे ग्राम विकास अधिकारी ओम खंडेलवाल ने हाइवे सड़क से सटी करोड़ों की भूमि में दो सौ-दो सौ रुपए में पुश्तैनी पट्टे जारी करने के मामले की शिकायत के बाद सुवाणा पंचायत समिति विकास अधिकारी गुलाब सिंह गुर्जर ने विडिओ ओम खंडेलवाल को निलंबित करने का आदेश जारी किया है, ओर खंडेलवाल का मुख्यालय सुवाणा पंचायत समिति में किया गया हैं।

मांडलगढ़ पंचायत समिति विकास अधिकारी संगीता व्यास ने बताया कि काछोला ग्राम पंचायत में फर्जीवाड़ा से पट्टे बनाने की शिकायत ग्रामीणों द्वारा मिलते ही जाँच कमेटी का गठन कर 4 अप्रैल 2025 को विडिओ ओम खंडेलवाल को प्रथम नोटिस जारी किया गया और जाँच कमेटी को पट्टों से जुड़ा सम्पूर्ण रिकॉर्ड जाँच कमेटी को सौपने का आदेश दिया था। लेकिन रिकॉर्ड नहीं दिया गया।

विडिओ ओम खंडेलवाल को फिर 8,15 व 22 अप्रैल को अंतिम नोटिस जारी किया गया था। फिर भी सम्पूर्ण रिकॉर्ड नहीं दिया गया हैं। अब खंडेलवाल के खिलाफ चार्जशीट जारी करने की कार्रवाई की जा रही हैं। वहीं सुवाणा बीडीओ द्वारा खंडेलवाल को निलंबित करने के तुरंत बाद ओम खंडेलवाल को यहाँ से कार्यमुक्त कर दिया गया है, लेकिन काछोला के पट्टों की जाँच कार्रवाई जारी रहेगी।

ग्यारह लाख की अवैध शराब पकड़ी, स्कॉर्पियो जब्त

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सांचौर पुलिस ने शुक्रवार को "ऑपरेशन भौकाल" के तहत बड़ी कार्रवाई कर अवैध अंग्रेजी शराब के 92 कार्टुन एवं शराब तस्करी में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन को जब्त किया है। जब्त अवैध शराब की अनुमानित बाजार मूल्य ग्यारह लाख रूपये आंकी गई है।

महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार जोधपुर, रेंज जोधपुर के द्वारा रेंज में अवैध शराब की रोकथाम हेतु "ऑपरेशन भौकाल" के तहत कार्रवाई करने के निर्देशानुसार ज्ञानचन्द्र यादव, जिला पुलिस अधीक्षक जालोर के निर्देशानुसार जिले में अवैध शराब की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत आवड़दान रतनू आरपीएस अति. पुलिस अधीक्षक, सांचोर एवं कांबले शरण गोपीनाथ आईपीएस के सुपरविजन में देवेन्द्रसिंह निरीक्षक पुलिस थानाधिकारी पुलिस थाना सांचौर के निकटतम सुपरविजन में गठित टीम ने एक मई की रात्रि को पुलिस मय जाब्ता द्वारा मुखबीर से प्राप्त सूचना के अनुसार सरहद गोलासन में गोलासन से

सांचौर पुलिस ने अवैध शराब सहित वाहन को जब्त किया।

गुजरात जाने वाली सड़क पर नाकाबंदी कर स्कॉर्पियो वाहन रूकवाने की कोशिश की गई, मगर स्कार्पियों चालक द्वारा नाकाबन्दी तोड़कर गुजरात की तरफ भागने लगा, जिसका गुजरात सीमा तक पीछा किया गया तो सरहद गढ़राली, थराद हाइवे पर स्थित मनमोहन रिसोर्ट के पास स्कार्पियो को बबूल की झाड़ीयों में खड़ा कर भाग गया। वाहन की तलाशी ली गई तो स्कार्पियो वाहन में राजस्थान निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब बीयर के कुल 92 कॉर्टुन भरे हुए पाये गये। शराब को बरामद कर अवैध शराब परिवहन में प्रयुक्त वाहन बिना स्कार्पियों को जब्त किया गया। अज्ञात मुलजिम के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

युवक ने आत्महत्या की

टोंक, (निसं)। दूनी थाना क्षैत्र के गांव बंथली स्थित बनास नदी के पास गुरुवार को एक युवक ने पेड़ से लटकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। जिसकी सूचना पर दूनी व घाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक अजय कुमार (25) पुत्र दुर्गालाल धानका निवासी बंथली के शव को दूनी अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस का कहना है कि गुरूवार शाम को सूचना मिली कि बंथली इलाके में बनास नदी स्थित एक पेड़ पर युवक रस्सी से फंदा बना गले में डाले लटका हुआ मिला है। मौके पर जाकर पुलिस प्रशासन ने शव को पेड़ से नीचे उतारा। मौके पर ही एमओबी व एफएसएल टीम भी पहुंची, जिन्होंने साक्ष्य जुटाए। बाद में मृतक युवक के शव को दूनी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया तथा परिजनों को सूचना देकर बुलाया। परिजनों ने बताया कि वह ग्रीन हाउस लगाने का काम करता था। उनका कहना है कि उसका किसी से भी झगड़ा नहीं था। परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि फाइनेंस कंपनी के लोग अजय को लगातार धमका रहे थे, तीन से सात दिन से उसे परेशान किया जा रहा था, जिससे परेशान होकर उसने शायद ऐसा कदम उठाया होगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनंसुधान कार्य शुरू किया।

लूणकरणसर का सहनीवाला उन्नत उद्यानिकी तकनीक से मिनी इजरायल बनेगा

बीकानेर, (निसं)। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने बुधवार को बीकानेर के लुणकरणसर में स्थापित कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्राह्य परीक्षण केन्द्र (एटीसी), आरओसीएल जैतून फार्म और ग्राम सहनीवाला में उन्नत उद्यानिकी तकनीक द्वारा बनाये जा रहे हाई-टेक हार्टिक्लचर मॉडल क्लस्टर का दौरा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने कृषि विज्ञान केन्द्र लूणकरनसर का दौरा कर संचालित की जा रही गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने वार्षिक कैलेण्डर अनुसार विश्वविद्यालय व कृषि उद्यान विभाग के परस्पर समन्वय से किसानों के लिए प्रभावी प्रशिक्षणों का आयोजन करवाने पर बल दिया, जिससे कृषि विज्ञान केन्द्र का समुचित लाभ क्षेत्र के किसानों को ज्यादा से ज्यादा मिल सके। राजन विशाल ने जैतून फार्म व तेल प्रसंस्करण इकाई आरओसीएल की गतिविधियों का निरीक्षण किया और जैतून उत्पादक किसानों से प्राप्त जैतून फल से समय पर तेल निकलवाने हेतु निर्देश दिए। जैतून फ़ार्म प्रभारी ने प्रसंस्करण इकाई स्थापना से अब तक उत्पादित तेल का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। इसके बाद शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने ग्राहय परीक्षण केन्द्र लुणकरनसर का निरीक्षण किया।

उन्होंने लूणकरणसर के ग्राम सहनीवाला का भी दौरा किया, जिसे उद्यान विभाग द्वारा उन्नत उद्यानिकी तकनीकी द्वारा मिनी इजरायल मॉडल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। विभाग द्वारा सहनीवाला को हार्टिकल्चर मॉडल क्लूस्टर के रूप में विकसित किया जा रहा है। किसान उन्नत तकनीकी पॉली हाउस, शेडनेट हाउस, लॉ-टनल, प्लास्टिक मल्च, एकल जल स्त्रोत, सामुदायिक जल स्त्रोत, सोलर पम्प व ड्रीप संयंत्र अपना कर न्युनतम लागत पर अच्छी पैदावार ले सकेंगे। जिससे किसानो की आमदनी बढ़ेगी और जीवन में सुधार होगा। उन्होंने बताया कि बीकानेर के ग्राम सहनीवाला ब्लॉक लूणकरणसर का हाई-टेक हार्टिकल्चर मॉडल क्लूस्टर हेतु चयन किया गया है। इसमें 30 चयनित कृषकों में से प्रत्येक कृषक को उच्च तकनीकी पॉली हाउस/शेडनेट हाउस, लॉ-टनल, प्लास्टिक मल्च, एकल जल स्त्रोत, सामुदायिक जल स्त्रोत, सोलर पम्प व ड्रीप संयंत्र में से पॉली हाउस/शेडनेट हाउस के साथ न्यूनतम अन्य कोई चार घटक से लाभान्वित किया जा रहा है। चयनित कृषक को पॉली हाउस स्थापना पर दो हजार वर्गमीटर निर्धारित सीमा पर राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत लघु व सीमांत कृषकों को 95 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है।

छह मेडिकल स्टोर्स के अनुज्ञा पत्र निलंबित

बीकानेर, (निसं)। जांच के दौरान विभिन्न अनियमितताएं पाए जाने पर छह मेडिकल स्टोर्स के अनुज्ञा पत्र निलम्बित किए गए हैं। अनुज्ञापन प्राधिकारी एवं सहायक औषधि नियंत्रक देवेंद्र कुमार केदावत ने बताया कि खाजूवाला स्थित श्री विनायक मेडिकल एंड सर्जिकल स्टोर का अनुज्ञापत्र 9 से 13 मई तक 5 दिनों के लिए, कक्कू स्थित राधेकृष्ण मेडिकल स्टोर एवं कृष्णा मेडिकल एंड जनरल स्टोर, आरडी 682 स्थित श्री श्याम मेडिकल एंड जनरल स्टोर, सारूंडा स्थित राजश्री मेडिकल एंड जनरल स्टोर के अनुज्ञापत्र 9 से 18 मई तक 10 दिनों के लिए तथा गिरजासर स्थित मरुधर मेडिकल एंड जनरल स्टोर के अनुज्ञापत्र 9 से 28 मई तक 20 दिनों के लिए निलंबित किए गए हैं।

रींगस को पंचायत समिति बनाने की मांग

सीकर, (निसं)। खंडेला विधानसभा के रींगस कस्बे को पंचायत समिति बनाने की मांग को लेकर सैकड़ों ग्रामीणों ने शुक्रवार को सीकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। रींगस सहित आस-पास के क्षेत्रों के ग्रामीणों ने डाक बंगले से कलेक्ट्रेट तक आक्रोश रैली निकाली, जिसमें नारेबाजी के साथ रींगस को पंचायत समिति, सीकर को संभाग, नीमकाथाना को जिला और धीरजपुरा गांव को ग्राम पंचायत बनाने की मांग उठाई गई।

ग्रामीणों का कहना है कि रींगस को पंचायता समिति बनाने की मांग लंबे समय से चली आ रही है। हाल ही में सीएम भजनलाल शर्मा के सीकर दौरे के दौरान भी ग्रामीणों ने धरना-प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा था। उस समय सीएम ने आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। लांपुवा पंचायत समिति सदस्य जितेंद्र सिंह ने स्थानीय विधायक सुभाष मील पर मांग को नकारने का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि यदि मांग पूरी नहीं हुई तो उठा आंदोलन होगा। कांग्रेस नेता सांवर चौधरी ने कहा कि परिसिमन नियमों के अनुसार 40 से अधिक ग्राम पंद्राह्वात और 2 लाख से ज्यादा आबादी वाले क्षेत्र को पंद्राह्वात समिति बनाया जा सकता है। खंडेला विधानसभा में 52 ग्राम पंचायत और ढाई लाख से अधिक आबादी होने के बावजूद मांग अनसुनी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जनता कानूनी और सड़क की लड़ाई लड़ने को तैयार है। रैली में पंचायता समिति सदस्य उर्मिला घायल, सरपंच प्रतिनिधि चौमू पुरोहितान, सीताराम एचरा सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल रहे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि रींगस को पंचायत समिति बनाकर ही दम लेंगे।

पुरस्कार के लिए आवेदन मांगे

बीकानेर, (निसं)। राज्य के हाथकरघा बुनकरों को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से राज्य सरकार ने इस वर्ष में भी बुनकरों को नगद पुरस्कार देने प्रावधान किया है। जिला स्तरीय पुरस्कार के लिए जिले की सीमा में कार्यरत हाथकरघा बुनकरों से 16 जून तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र की महाप्रबंधक मंजू नैण गोदारा ने बताया कि इसके लिए वही बुनकर पात्र होंगे, जो हाथकरघा पर बुनाई कार्य में पिछले 3 वर्ष से कार्य कर रहे हैं। साथ ही जिन्हें गत 3 वर्ष से इस पुरस्कार के लिए चयनित नहीं किया गया है।

मंजू नैण गोदारा ने बताया कि पात्र हाथकरघा बुनकर आवेदन (उत्पाद के साथ) 16 जून तक जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र में कार्यालय समय में जमा करवा सकते हैं। आवेदन फार्म कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

मैं ये स्पष्ट करना चाहता हूं कि अपनी फीड साफ करते समय, ऐसा लगता है कि एल्गोरिथ्म ने गलती से कोई इंटरैक्शन रजिस्टर कर लिया है। इसके पीछे कोई इरादा नहीं था। मैं अनुरोध करता हूं कि कोई फालतू की धारणा न बनाई जाए।

- विराट कोहली

आरसीबी बल्लेबाज, अवनीत कौर की तस्वीर को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

शुभमन गिल

गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के मैच में एक विवादित घटना घटी। दरअसल, शुभमन गिल को रन आउट दिया, थर्ड अंपायर द्वारा रन आउट दिए जाने पर गिल चौथे अंपायर से भिड़ गए। इसके बाद आशीष नेहरा को बीच बचाव करना पड़ा। बता दें कि, घटना 13वें ओवर की आखिरी गेंद पर घटी। जीशान अंसारी गेंदबाजी कर रहे थे। जो बटलर ने शॉर्ट फाइन लेग की तरफ शॉट खेला। गिल और बटलर ने रन लेते के लिए अपना एंड चेंज किया। स्ट्राइकर एंड की तरफ हर्षल पटेल ने थ्रो किया और गेंद स्टंप्स पर जा लगी।

क्या आप जानते हैं ?... राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस को 15.5 ओवर में 212 रन बनाकर हराते हुए इतिहास रच दिया।

गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हराया

अहमदाबाद, 2 मई। कप्तान शुभमन गिल (76), जॉस बटलर (64) और साई सुदर्शन (48) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत गुजरात टाइटंस ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 51वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हरा दिया। 225 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 49 रन जोड़े।

प्रसिद्ध कृष्णा ने चौथे ओवर में ट्रेविस हेड (20) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद 10वें ओवर में गेराल्ड कोएत्जी ने इशान किशन (13) को आउटकर सनराइजर्स को दूसरा झटका दिया। 15वें ओवर में इशांत शर्मा ने अभिषेक शर्मा को आउटकर गुजरात टाइटंस को बड़ी सफलता दिलाई। अभिषेक शर्मा ने 41 गेंदों में चार चौके और छह छक्के लगाते हुए (74) रनों की पारी खेली। हाइनरिक क्लासन 18 गेंदों में (23) प्रसिद्ध कृष्णा ने अपना शिकार बनाया। 17वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने अनिकेत वर्मा (तीन) और कामिंडु मेंडिस (शून्य) को आउट कर हैदराबाद

की उम्मीदों को ध्वस्त कर दिया। गुजरात टाइटंस के गेंदबाजी आक्रमण के आगे सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज तेजी के साथ रन बनाने में विफल रहे। हालांकि नीतीश कुमार रेड्डी ने 19वें ओवर में तीन छक्के लगाकर कुछ समां बांधने की कोशिश की लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी और मुकाबला 38 रनों से हार गई। नीतीश कुमार रेड्डी ने 16 गेंदों में (नाबाद 21) और कप्तान पैट कमिंस ने 10 गेंदों में (नाबाद 19) रनों की पारी खेली। गुजरात टाइटंस के लिए प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। इशांत शर्मा और गेराल्ड कोएत्जी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात टाइटंस के लिए कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन की सलामी जोड़ी अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 87 रन जोड़।

सातवें ओवर में जीशान अंसारी ने साई सुदर्शन को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। साई सुदर्शन ने 23 गेंदों में नौ चौके लगाते हुए 48 रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जॉस बटलर ने शुभमन गिल के साथ दूसरे विकेट के लिए अभी 62 रन ही जोड़े थे कि रन लेने के प्रयास में शुभमन गिल रनआउट हो गये। गिल ने 38 गेंदों में 10 चौके और दो छ्क्के लगाते हुए (76) रन बनाये।

आरसीबी की नजरें सीएसके के खिलाफ जीत की लय बरकरार रखने पर

बेंगलुरु, 2 मई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अपने गृह मैदान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 52 वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जीत की लय को बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी। आरसीबी का गेंदबाजी आक्रमण भुवनेश्वर कुमार की अनुभवी गेंदबाजी और जोश हेजलवुड की जबरदस्त फॉर्म की बदौलत इस बार बहुत मजबूत दिख रहा है। दूसरी तरफ, सीएसके की टीम इस सीजन में न अच्छी बल्लेबाजी कर पा रही है और न ही गेंदबाजी में असर दिखा पाई है, जिससे उनके लिए आरसीबी को हराना आसान नहीं होगा। इस सीजन में आरसीबी की गेंदबाजी पूरी रंग में दिखाई दे रही है और यही उनकी जीत की बड़ी वजह भी बनी है। भुवनेश्वर कुमार की स्विंग, जोश हेजलवुड की सटीक गेंदबाजी और क्रुणाल पांड्या के ऑलराउंड प्रदर्शन ने टीम को एक मजबूत गेंदबाजी इकाई बना दिया है। पिछले सीजन की गेंदबाजी की कमजोरी इस बार नजर नहीं आ रही हैं। वहीं, सीएसके की गेंदबाजी इस सीजन में तालमेल नहीं बिठा पाई है, जिससे आरसीबी को कल के मुकाबले में जीत के लिए पुरानी लय बरकरार रखनी पड़ेगी। हालांकि आरसीबी ने लगातार तीन मुकाबले जीतकर लय में आयी है, लेकिन घर पर उनका प्रदर्शन कमजोर रहा है। इस सीजन में उन्होंने अपने चार में से तीन मेजबानी मैच हारे हैं। इसके बावजूद, बाहर के मैदानों पर उनका मजबूत प्रदर्शन और बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में गहराई उन्हें इस मुकाबले को दिलचस्प बनायेगी। आरसीबी कप्तान रजत पाटीदार ने इस सीजन टीम की कमान संभालते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं विराट कोहली ने भी इस बार अच्छी लय पकड़ ली है और देवदत्त पडिक्कल लगातार रन बना रहे हैं। ये तीनों बल्लेबाज आरसीबी की बल्लेबाजी की रीढ़ साबित हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, सीएसके इस सीजन में खराब फॉर्म से जूझ रही है। टीम ने लगातार तीन मुकाबले हारे हैं और प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है। इस बार एमएस धोनी की कप्तानी का अनुभव भी टीम के काम नहीं आया है। इसकी वजह उनकी गेंदबाजी है उनके गेंदबाज लगातार विकेट लेने में नाकाम रहे हैं।

ईसीबी ने लिया बड़ा फैसला, महिला क्रिकेट में ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों के लिए नो एंट्री

नई दिल्ली, 2 मई। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को एक बड़ा फैसला लेते हुए ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को महिला और लड़कियों के क्रिकेट मैचों में भाग लेने से रोक दिया। ये निर्णय फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा इसी तरह का कदम उठाने के 24 घंटे से भी कम समय में आया है। ईसीबी ने अपने बयान में कहा कि ये बदलाव हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अपडेटेड कानूनी स्थिति को देखते हुए किया गया है, जिसमें स्पष्ट किया गया कि कानूनी रूप से महिलाओं की परिभाषा में ट्रांसजेंडर शामिल नहीं हैं। ईसीबी के बयान के अनुसार तत्काल प्रभाव से केवल वे खिलाड़ी जिनका जैविक लिंग महिला है, वे महिला और लड़कियों के क्रिकेट मैचों में खेलने के लिए पात्र होंगी। ट्रांसजेंडर महिलाएं और लड़कियां ओपन और मिस्क्ड क्रिकेट में खेलना जारी रख सकती हैं। ईसीबी ने कहा कि वह खेल में समावेशिता के पक्ष में है, लेकन सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने उन्हें महिला और लड़कियों के क्रिकेट के लिए नए नियम बनाने के लिए प्रेरित किया है। बोर्ड ने अपने बयान में आगे कहा कि, हमारे रिक्रिएशनल क्रिकेट के नियम हमेशा से ये सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए हैं कि क्रिकेट एक समावेशी खेल बना रहे। इनमें लिंग की परवाह किए बिना असमानताओं को प्रबंधित करने और सभी खिलाड़ियों के खेल के आनंद को सुरक्षित रखने के उपाय शामिल थे।

बांग्लादेश, पाक दौरे से पहले शारजाह में यूएई के साथ खेलेगा दो टी-20 मैच

दुबई, 2 मई। बंगलादेश अपने पाकिस्तान के दौरे से पहले 17 मई और 19 मई को शारजाह में यूएई के साथ दो टी-20 मैच खेलेगा। अमीरात क्रिकेट बोर्ड के सीओओ सुभान अहमद ने बताया कि पिछले तीन सालों में हमने आईसीसी के पूर्ण सदस्य न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान टीमों की मेजबानी की है, जबकि बंगलादेश का यह दूसरा द्विपक्षीय टी-20 दौरा तीन सालों बाद हो रहा है। बंगलादेश के साथ यह दो मैचों की सीरीज इस साल होने वाली टी-20 एशिया कप से पहले यूएई की तैयारी का अवसर है। इस दौरे को लेकर बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के मुख्य कार्यकारी निजाम उद्दीन चौधरी ने कहा कि हम इस टी-20 सीरीज के आयोजन के लिए अमीरात क्रिकेट बोर्ड की पहल की सराहना करते हैं। ये मैच आगामी एशिया कप सहित व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर से पहले हमारी टीम की तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

भारत विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की करेगा मेजबानी

नई दिल्ली, 2 मई। भारत इस वर्ष सितंबर और अक्टूबर में होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष पद्मुषण और खेल रतन पुरस्कार से सम्मानित देवेन्द्र ने शुक्रवार को बताया कि नयी दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 27 सितंबर से पांच अक्टूबर, 2025 तक विश्व पैरा एथलेटिक्स (डब्ल्यूपीए) चैंपियनशिप आयोजित की जायेगी। इस चैंपियनशिप में 100 से अधिक देशों के 2,500 से अधिक दिग्गज एथलीट भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूपीए चैंपियनशिप पैरालिंपिक के बाहर किसी भी एकल खेल अनुशासन के लिए दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन है, जो हर दो साल में एक बार आयोजित किया जाता है। कोबे और पेरिस आदि में प्रतिष्ठित संस्करणों के बाद इस पर भारत इसकी मेजबानी करेगा। इस चैंपियनशिप की मेजबानी भारत की वैश्विक खेल आयोजनों के आयोजन के लिए तत्परता की पुष्टि करती है और 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के लिए बोली लगाने की दिशा में हमारे रोडमैप में एक रणनीतिक मील का पत्थर साबित होगी। इस चैंपियनशिप से भारतीय एथलीटों को घरेलू धरती पर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का अमूल्य अनुभव मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसको लेकर तकनीकी कार्यबल विकास: 180 से अधिक अधिकारियों और स्वयंसेवकों को डब्ल्यूपीए मानकों के अनुसार चरणों में प्रशिक्षित कर रहा है, ताकि सर्वश्रेष्ठ आयोजन संचालन सुनिश्चित किया जा सके और भविष्य की तकनीकी क्षमता का निर्माण हो सके।

खडसे मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में स्वदेशी खेलों पर चर्चा में होगी शामिल

मुम्बई, 2 मई। केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे शनिवार को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में स्वदेशी खेलों पर वेव्स 2025 पैनल चर्चा में शामिल होंगी। जियो वर्ल्ड सेंटर में आयोजित विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स 2025) के दौरान स्वदेशी खेल: भारत से वैश्विक मंच तक शीर्षक पर होने वाली चर्चा में खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे एक प्रमुख पैनलिस्ट के रूप में शामिल होंगी। इस चर्चा में खो-खो और कबड्डी से लेकर मल्लखंब और कलारीपयट्टू जैसे स्वदेशी खेल के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तपर इन खेलों के पुनरुद्धार और प्रचार में योगदान देने वाली पहलों पर खडसे द्वारा चर्चा की जाएगी। इसमें खेलो इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से सहायता और पारंपरिक खेलों को संरक्षित करने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के प्रयास शामिल हैं। इसके अलावा, पैनल यह पता लगाएगा कि डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, कथा और नवाचार कैसे दुनिया भर के नए दर्शकों के लिए स्वदेशी खेलों को पेश करने में मदद कर सकते हैं। रक्षा निखिल खडसे के अलावा, पैनल में निक कावर्ड (अध्यक्ष, विनियामक बोर्ड, इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड), अनुपम गोस्वामी (सीईओ, मशाल स्पोर्ट्स एंड लीग कमिश्नर, प्रो कबड्डी लीग), सुधांशु मित्तल (अध्यक्ष, खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया), यानिक कोलाको (सह-संस्थापक, फैनकोड), और मंत्र मुग्ध (अभिनेता, निर्देशक, आरजे) सहित उल्लेखनीय व्यक्ति शामिल होंगे।

बंग दर्शन और शास्त्री का विजय अभियान जारी

नयी दिल्ली, 2 मई। आशीष और सौरभ रावत क़े दर्शनीय गोलों की मदद से बंग दर्शन एफसी ने उत्तराखंड फुटबाल क्लब को 2-1 से हरा कर डीएसए ए डिवीजन लीग के रोमांचक मैच में पूरे अंक अर्जित किये। नेहरू स्टेडियम में खेले गए उतारचढाव वाले इस मुकाबले में पराजित टीम का गोल जांगूनहाओ ने किया मैच के सभी गोल आकर्षक रहे।

उधर अम्बेडकर स्टेडियम में खेले गए सीनियर डिवीजन मुकाबले में शास्त्री एफसी ने भारतीय वायुसेना को 4-2 से परास्त किया। विजेता की जीत का आकर्षण एंडी जाखरी के दो गोल रहे। गोपी सिंह और वाशलांग दखार ने एक-एक गोल जमाए। वायुसेना के गोल समुएल वनलाल्पेका और अमन खान ने किए युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय वायुसेना ने पहले हाफ में दमदार प्रदर्शन किया लेकिन जैसे जैसे खेल आगे बढ़ा वायुसैनिकों की अनुभवहीनता भारी पड़ने लगी।

ऑरेंज कैप को लेकर खिलाड़ियों के बीच घमासान, साई सुदर्शन ने सूर्यकुमार से छीनी ऑरेंज कैप

अहमदाबाद, 2 मई। आईपीएल 2025 में ऑरेंज कैप को लेकर खिलाड़ियों के बीच घमासान देखने को मिल रहा है। वहीं अब साई सुदर्शन ने एक बार फिर ऑरेंज कैप कब्जा ली है, उन्होंने मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ दिया है। सनराइजर्स के खिलाफ मैच में सुदर्शन ने 20 रन बनाते ही सूर्यकुमार यादव को पछाड़ दिया है। बताते चलें कि ऑरेंज कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस का ये बल्लेबाज विराट कोहली से भी काफी आगे निकल गया है।सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच से पूर्व आईपीएल 2025 में साई सुदर्शन ने 9 पारियों में 456 रन बना लिए थे। वहीं सूर्यकुमार यादव 475 रनों के साथ टॉप पर विराजमान थे, इसलिए हैदराबाद के खिलाफ मैच में उन्होंने 20 रन बनाते ही सूर्या को पछाड़ दिया है।साई सुदर्शन- 504 रन, सूर्यकुमार यादव- 475 रन, विराट कोहली- 443 रन

विराट कोहली भी ऑरेंज कैप की रेस में साई सुदर्शन से काफी पीछे छूट गए हैं। विराट अब तक 10 पारियों में 443 रन बना चुके हैं। विराट को अगर ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाना है तो उन्हें काफी कड़ी मशक्कत करनी पड़ी सकती है क्योंकि विराट जितनी पारियों में सुदर्शन ने उनसे रनों का काफी बड़ा अंतर बना लिया है।

आईपीएल 2025 में साई सुदर्शन 400 रन का आंकड़ा छूने वाले खिलाड़ी बने थे। वो मौजूदा सीजन में 500 रन बनाने वाले भी पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में 44 रन बनाते ही ये मुकाम हासिल कर लिया है। सबसे ज्यादा रनों के मामले में सुदर्शन के सबसे करीब सूर्यकुमार यादव हैं, जिनके बल्ले से अब तक 475 रन निकले हैं।

अर्नाल्डो को हराकर जैक ड्रेपर मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में

मैड्रिड, 2 मई। ब्रिटेन के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने इटली के माटेओ अर्नाल्डी को हराकर मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ड्रेपर ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एक घंटे 17 मिनट तक चले मुकाबले में अर्नाल्डी को 6-0, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। ड्रेपर का सेमीफानइल में मुकाबला इटली के लोरेंजो मुसेट्टी से होगा। मैच के बाद ड्रेपर ने कहा कि मैं हर बार खेलने पर स्वयं को मजबूत महसूस करता हूं।

कोको गॉफ और आर्यना सबालेंका भिड़ेंगी मैड्रिड ओपन के फाइनल में

मैड्रिड, 2 मई। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ और बेलारुस की आर्यना सबालेंका के बीच मैड्रिड ओपन के फाइनल में खिताबी भिड़ंत होगी। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने गुरुवार को खेले गये सेमीफाइनल में चार बार की फ्रेंच ओपन चैंपियन पोलैंड की इगा स्वियाटेक को हराकर मैड्रिड ओपन के फाइनल में जगह बनाई। 21 वर्षीय गॉफ ने एक घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में स्वियाटेक को 6-1, 6-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। यह पहली बार है जब गॉफ ने क्ले कोर्ट पर स्वियाटेक को हराया है। एक अन्य मैच में बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने सेमीफाइनल में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को 6-3, 7-5 से हराकर महिला एकल वर्ग के फाइनल में जगह बनाई। इसी के साथ अब कोको गॉफ फाइनल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से भिड़ेंगी।

श्रीलंका की महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को पांच विकेट से हराया

कोलंबो, 2 मई। मालकी मदारा (चार विकेट), देवमी विहंगा (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद हर्षिता समाराविक्रमा (77) और कविशा दिलहारी (61) रनों की बेहतरीन पारियों की बदौलत श्रीलंका की महिला टीम ने शुक्रवार को त्रिकोणीय श्रृंखला के तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में 21 गेंदे शेष रहते दक्षिण अफ्रीका को पांच विकेट से हरा दिया है। दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम के 235 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर कप्तान चामरी अट्टापट्टू (छह) रन का विकेट गवां दिया। इसके बाद विष्मी गुणारत्ने ने हसिनी परेरा के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 15वें ओवर में एन म्लाबा ने विष्मी गुणारत्ने (29) को पगबाधा आउटकर श्रीलंका को दूसरा झटका दिया। इसके बाद हर्षिता समाराविक्रमा ने मोर्चा संभाला। 18वें ओवर में सुने लूस ने हसिनी परेरा (42) को आउटकरा पवेलियन भेज दिया। बल्लेबाजी करने आयी कविशा दिलहारी ने समाराविक्रमा के साथ 128 रनों की रिकार्ड साझेदारी कर श्रीलंका की जीत की नींव रखी। कविशा दिलहारी ने 75 गेंदों में (61) रनों की पारी खेली। कविशा को एन म्लाबा ने आउट किया। हर्षिता समाराविक्रमा ने 93 गेंदों में (77) रन बनाये। श्रीलंका के पांचवें विकेट के रूप में हर्षिता को डी क्लर्क ने आउट किया। श्रीलंका ने 46.3 ओवर में पांच विकेट पर 237 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया। नीलाक्षी डिसिल्वा (11) और अनुष्का संजीवनी (एक) रन बनाकर नाबाद रही।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से एन म्लाबा ने दो विकेट लिये।

भदौरिया क्रिकेट एकेडमी ने संस्कार एकेडमी को 8 विकेट से हराया

जयपुर, 2 मई। चंबल स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित 17वी राज्य स्तरीय नन्द सिंह मेमोरियल क्रिकेट लीग में आज नारायणा ग्राउंड पर खेले गए मैच में भदौरिया क्रिकेट एकेडमी ने संस्कार एकेडमी को 8 विकेट से हराया। टॉस जीतकर संस्कार एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भदौरिया एकेडमी के आदित्य भाट की शानदार गेंदबाजी के सामने 25 रन में 5 विकेट के सामने दक्ष पारिक 35, अर्णव कुमार 30 , अभय राज 28 , योगेश सैनी 18 रनों के सहयोग से 39 ओवर में 162 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

भदौरिया की ओर से गेंदबाजी करते हुए आदित्य भाट 5 विकेट, विकास जागिड़ 2 , विराट ,निखिल सिंह ने 1 -1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भदौरिया एकेडमी ने शिवांशु सोनी 69 नाबाद , शिवम् 31 , अशाद सिद्दीकी 26 रन नाबाद रनों के सहयोग से 29 ओवर में 2 विकेट पर 164 रन बनाकर जीत दर्ज की। संस्कार की ओर से अर्शाद हुसैन ने 2 विकेट लिए। आज का मैन ऑफ़ द मैच आदित्य भाट रहे।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

मनीष की शानदार गेंदबाजी से नारायणा स्पोर्ट्स एकेडमी की रोमांचक जीत

जयपुर, 2 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज सेन्डफोर्ड स्कूल क्रिकेट ग्राउण्ड करधनी कालवाड रोड़, पर खेले गये पूल-ई के मैच में नारायणा स्पोर्टस एकेडमी ने रोशन सारण 47 रन तथा मनीष गुर्जर 39 रन पर 4 विकेट की बेमिसाल गेंदबाजी की बदोलत सोनी किक्रेट एकेडमी को मात्र 4 रन से हराकर महत्वपूर्ण 2 हक अर्जित किये।

टॉस जीतकर नारायणा स्पोर्टस एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रोशन सारण 47 रन, दीपक सौलंकी 29 रन, कविन एन. चड्ढा 27 रन, यश खिचड़ 15 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर

157 रन बनाये, गेंदबाजी में सोनी किक्रेट एकेडमी की ओर से रक्षित लुणावत 15 रन पर 3 विकेट, नवीन विश्नोई 21 रन पर 2 विकेट तथा ललित शेरावत, यश चौधरी व जयकिशन प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें। जवाबी पारी में सोनी किक्रेट एकेडमी के ओर से रक्षित लुणावत 32 रन, यश चौधरी 23 रन, हितार्थ डेगरा 29 रन, ललित शेरावत 17 रन, अजय 15 रन ने अपनी टीम को जीत दिलाने का भरसक प्रयास किया। लेकिन अंतिम ओवर में सोनी एकेडमी को जीत के लिए 8 रन चाहिये थे और उसके 4 विकेट बाकी थे, लेकिन मनीष गुर्जर ने अंतिम ओवर की तीसरी, चौथी व छठी गेंद पर 3 विकेट लेकर केवल 3 रन दिए और अपनी टीम की निश्चित आर को जीत में बदल दिया। नारायणा स्पोर्टस एकेडमी के नवीन बूरी 23 रन पर 2 विकेट, यश खिचड़ 19 रन पर 1 विकेट लेकर अन्य सफल गेंदबाज रहें।

प्रगति ग्लास नार्दर्न इंडिया स्लैम स्क्वैश चैम्पियनशिप आज से

देश-विदेश से 500 से अधिक खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

जयपुर, 2 मई। प्रगति ग्लास नार्दर्न इंडिया स्लैम 2025 स्क्वैश चैंपियनशिप का आयोजन 3 से 8 मई तक सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी में किया जाएगा। स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया ने इस प्रतिष्ठित 5 स्टार टूर्नामेंट की मेजबानी राजस्थान स्क्वैश एकेडमी को सौंपी है, जिसके मुकाबले एकेडमी के पांच ग्लास कोर्ट्स पर खेले जाएंगे। पुरुष और महिला वर्ग में विजेताओं को एक-एक हजार डॉलर की इनामी राशि प्रदान की जाएगी।

कई देशों के खिलाड़ी आएंगे

टूर्नामेंट की आयोजन समिति की अध्यक्ष और स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष सुरभि मिश्रा ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में बताया कि टूर्नामेंट में प्रोफेशनल पुरुष व महिला वर्ग के अलावा जूनियर वर्ग में अंडर-9, अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 के मुकाबले भी होंगे। उन्होंने बताया कि

भारत सहित केन्या, श्रीलंका, अमेरिका, मलेशिया और सिंगापुर से कुल 500 से अधिक खिलाड़ी टूर्नामेंट में भाग लेंगे।

क्वालिफाइंग राउंड आज से

सुरभि ने बताया कि टूर्नामेंट के क्वालिफाइंग राउण्ड मुकाबले 3 से 5 मई को सुबह के सत्र तक आयोजित किए जाएंगे, जबकि मुख्य ड्रॉ के मुकाबले 5 मई को शाम से शुरू हो जाएंगे। फाइनल और पुरस्कार वितरण समारोह 8 मई को होगा।

राजस्थान के खिलाड़ी भी दिखाएंगे दम

सुरभि मिश्रा ने बताया कि राजस्थान के करीब एक दर्जन खिलाड़ियों ने अपनी रैंकिंग के आधार पर मुख्य ड्रॉ में स्थान बनाया है, जबकि कई अन्य खिलाड़ी क्वालिफाइंग राउंड में चुनौती पेश करेंगे। पुरुष वर्ग में अवलोकित सिंह, बॉयज अंडर-11 में वीर श्रृंगि, अंडर-13 में धैर्य गोगिया और प्रभव बाजोरिया, अंडर-17 में अयान कुच्छल और सुभाष चौधरी तथा अंडर-19 में उदित मिश्रा मुख्य ड्रॉ में उतरेंगे। गर्ल्स वर्ग में अंडर-9 में गौरवी अजमेरा, अंडर-13 में दिव्यांशी जैन, राशि चौधरी, अंडर-15 में लावण्या सोढानी, गौरी जायसवाल और अंडर-19 में याशी जैन अपनी चुनौती पेश करेंगी। दिव्यांशी और गौरवी अपनी- अपनी कैटेगरी में टॉप सीड हैं।

इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब ने यूनियन क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 2 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के पूल सी के अंतिम लीग मैच में इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब ने यूनियन क्रिकेट क्लब को 32 रनों से हराया। आज प्रात: जी आर ग्राउंड पर इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए

गौरव तोड़ावत के 115 रन, क्षितिज शेखावत के 38 रन, हर्षित गौर के 51 रन, लोकेंद्र के 18 रनों से 35 ओवर में 7 विकेट पर 286 रन बनाए। यूनियन क्रिकेट क्लब के लिए देवराज सैनी, रोहित गुर्जर, अशोक स्वामी व कुणाल शर्मा ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में यूनियन क्रिकेट क्लब की टीम देव प्रताप के 135 रन रोहित गुर्जर के 25 रन व दीपक चौधरी के 49 रनों से 34.2 ओवर में 254 रन बनाकर आउट हो गई। इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब के लिए आशीष चोपड़ा ने 50 पर 2, लोकेंद सिंह ने 39 पर 2, देवांक सिंगोदिया ने 34 पर 2, गौरव तोड़ावत व हर्षित गौर ने एक - एक विकेट लिया।

आमजन को हीट वेव से राहत देने के लिए चिकित्सा विभाग अपनी पूरी तैयारी रखे

मुख्यमंत्री भजनलाल ने चिकित्सा विभाग की समीक्षा बैठक में कड़े निर्देश दिये

जयपुर, 2 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लू-तापघात (हीट वेव) और गर्मी जनित अन्य बीमारियों से आमजन को राहत पहुंचाने के लिए चिकित्सा विभाग अपनी पूरी तैयारी रखे और जिला कलक्टर नियमित तौर पर अस्पतालों का निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी अस्पताल एवं स्वास्थ्य केन्द्रों का पूर्ण रख-रखाव किया जाए एवं किसी भी तरह की कमी पाए जाने पर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। शर्मा ने कहा कि गर्मी के मौसम में आमजन को बिजली, पानी एवं चिकित्सकीय सुविधाओं की निरंतर उपलब्धता राज्य सरकार की प्राथमिकता है। अधिकारी संवेदनशीलता के साथ पूरे समर्पण भाव से काम करें, जिससे लोगों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के तहत प्रत्येक जिले में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को विकसित कर आत्मनिर्भर बनाया जाए तथा स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाते हुए महामारियों से बचाव के लिए उच्च स्तर की तैयारियां की जाएं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य में लू से निपटने की तैयारियों के मद्देनजर अस्पतालों में दवाइयां और उपकरणों की हर समय उपलब्धता हो। हीट वेव की स्थिति में नियमित निगरानी रखी जाए तथा चिकित्सालयों में हर समय सभी आवश्यक मेडिकल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि लू-तापघात और गर्मी जनित अन्य बीमारियों से आमजन को राहत पहुंचाने के लिए पूरी तैयारी रखें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला कलैक्टर नियमित तौर पर अस्पतालों का निरीक्षण करें। किसी भी प्रकार की कमी पाये जाने पर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्यवाही की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में संचालित सभी आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों में इस वर्ष तक प्रमुख 12 सेवाएं मिलना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने एम्बुलेंस सेवाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि इन्हें अत्याधुनिक चिकित्सकीय सुविधाओं से लैस करते हुए इनकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही, एम्बुलेंस की संख्या में भी बढ़ोतरी की जाए। शर्मा ने कहा कि राजस्थान डिजिटल हेल्थ मिशन के तहत प्रदेशवासियों का स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल रूप से संधारित करने के लिए प्रदेश के हर व्यक्ति की न केवल आभा आईडी बनाई जाए, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि आभा आईडी का अधिक से अधिक उपयोग शीघ्र प्रारम्भ हो।

इस दौरान, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ने विभाग की योजनाओं, कार्यक्रमों एवं नवाचारों का प्रस्तुतिकरण दिया। बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर सहित, वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे।

भाखड़ा बांध से हरियाणा को 8 दिन तक अतिरिक्त पानी मिलेगा

नई दिल्ली, 02 मई। केन्द्र सरकार ने हरियाणा की पानी की जरूरतों को देखते हुए बड़ा फैसला लिया है। केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई उच्च स्तरीय बैठक में सलाह दी गई कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) का फैसला लागू किया जाए। इसके तहत, अगले आठ दिनों तक भाखड़ा डैम से हरियाणा को 4,500 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ा जाएगा। सरकारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, बैठक में यह भी तय हुआ कि डैम भरने के दौरान पंजाब को भी जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त पानी दिया जाएगा। इस बैठक में केन्द्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के प्रतिनिधि और बीबीएमबी के अफसर शामिल हुए।

केन्द्रीय गृह सचिव के साथ बैठक में किए गए फैसले के तहत 4500 क्यूसेक अतिरिक्त पानी दिया जाएगा।

इस बैठक का मकसद था, हरियाणा और राजस्थान के कुछ इलाकों की पानी की तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त पानी छोड़ने के फैसले को अमल में लाना। बीबीएमबी जल्द ही अपने बोर्ड की बैठक बुलाएगा, जिसमें पानी छोड़ने के तरीके और समय को लेकर रूपरेखा तैयार की जाएगी।

भाखड़ा और पोंग डैम से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की पानी की जरूरतें पूरी होती हैं। बीबीएमबी हर साल 21 मई से अगले साल 21 मई तक के लिए इन राज्यों का पानी का कोटा तय करता है।

केन्द्रीय मंत्री रिजीजू भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष लेकर वियतनाम पहुंचे

ये पवित्र अवशेष वेसाक दिवस स्मरणोत्सव के रुप में 2 मई से 21 मई तक वियतनाम के विभिन्न भागों में प्रदर्शित किए जाएंगे

नयी दिल्ली/ हो चीमिम्न सिटी, 02 मई। भारत और वियतनाम के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उपलब्धि के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण आदान-प्रदान के अंतर्गत केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, आंध्र प्रदेश के मंत्री कंदुला दुर्गेश, भिक्षुओं और अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल साथ भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष वियतनाम की राजधानी हो ची मिन्ह शहर पहुंचे है।

ये पवित्र अवशेष 02 मई से 21 मई तक वेसाक दिवस स्मरणोत्सव के भाग के रूप में वियतनाम में लोगों के दर्शन के लिए विभिन्न पवित्र स्थलों पर रखे जाएंगे। संस्कृति मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार रिजिजू ने इस अवसर पर आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत के लोगों की ओर से एक सार्थक संदेश दिया। उन्होंने वियतनाम बौद्ध विश्वविद्यालय में भारत से लाए गए पवित्र बोधि वृक्ष का पौधा भी लगाया। इस अवसर पर औपचारिक प्रार्थना के बाद अवशेषों को थान टैम मठ में स्थापित किया गया।

सारनाथ से भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों को आज एक विशेष विमान द्वारा हो ची मिन्ह सिटी पहुंचाया गया। इसके साथ ही वियतनाम में 06 से 08 मई तक मनाए जाने वाले संयुक्त राष्ट्र वेसाक दिवस समारोह की तैयारियों का शुभारंभ हो गया है। इन अवशेषों के आगमन पर वियतनाम सरकार और वियतनाम बौद्ध संघ ने आगमन पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, जो दोनों देशों को एकजुट करने वाले गहन और साझा आध्यात्मिक मूल्यों को प्रदर्शित करता है। पवित्र अवशेषों को औपचारिक प्रार्थना के बाद थान ताम मठ में श्रद्धापूर्वक स्थापित किया गया।

पवित्र अवशेषों को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय संग्रहालय और अंतर्राष्ट्रीय बुद्ध परिसंघ के सहयोग से प्रदर्शित किया जा रहा है। इन्हें 07 मई तक हो ची मिन्ह शहर में जनता के लिए प्रदर्शित किया जाएगा, उसके बाद 21 मई तक ताई निन्ह, हनोई और हा नाम में प्रदर्शित किया जाएगा।

पवित्र अवशेषों को आज एक भव्य सार्वजनिक शोभा यात्रा के माध्यम से थान ताम पैगोडा लाया गया, जहाँ उन्हें सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए रखा जाएगा।

इस उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएँगे, जिसमें विशेष रूप से तैयार की गई प्रदर्शनी और भगवान बुद्ध के जीवन पर आधारित नृत्य-नाटिका शामिल है, जो भारत-वियतनाम बौद्ध विरासत की गहरी जड़ों को प्रदर्शित करता है।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मामले में अदालती आदेश की पालना के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। प्रकरण में पांच सौ टेंडर की जांच की जानी है, जिसमें समय लगने की संभावना है। इसलिए मामले में आठ सप्ताह का समय दिया जाए। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई आठ सप्ताह के लिए टाल दी है।

याचिका में अधिवक्ता पीसी भंडारी ने बताया कि साल 2019 में डीओआईटी के तत्कालीन अधिकारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में एसीबी की ओर से पेश एफआर को एसीबी कोर्ट ने गलत मंजूर किया है। मामले में गत सुनवाई को अदालत ने एसीबी के डीजी रवि मेहरडा की उपस्थिति में डीओआईटी की ओर से बीते पांच साल में दिए सभी टेंडरों की जांच करने के मौखिक आदेश दिए थे।

डॉक्टरों को सिर्फ जैनरिक दवाएं लिखनी चाहिए, कंपनी ब्रांड की नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ऐसा होगा तब ही दवा कम्पनियों का भ्रष्टाचार रूकेगा

नई दिल्ली, 02 मई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डॉक्टर अगर सिर्फ जेनेरिक दवाएं लिखें तो दवा कंपनियों की रिश्वतखोरी बंद हो सकती है। शीर्ष अदालत उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें फार्मास्युटिकल मार्केटिंग की समान संहिता पर कानून बनने तक दवा कंपनियों की अनैतिक विपणन प्रथाओं को नियंत्रित करने के दिशा-निर्देश की मांग की गई थी।

मामले में जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा, दवा कंपनियां अत्याधिक और तर्कहीन दवाएं लिखने के लिए डॉक्टरों पर दबाव बनाती हैं और रिश्वत की पेशकश करती हैं। इस पर अंकुश तभी लगेगा जब डॉक्टरों के लिए जेनेरिक दवाएं ही लिखने का वैधानिक आदेश आएगा।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संदीप मेहता ने राजस्थान को एक मिसाल बताया और कहा कि यहाँ कार्यकारी आदेश है कि डॉक्टर्स को जैनरिक दवा ही लिखनी होगी।

पीठ ने कहा, चूंकि मामले में कुछ समय लगेगा, इसलिए वह इसे अवकाश के बाद सुनवाई के लिए रखेगा।

याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को सूचित किया कि प्रतिवादियों ने जवाबी हलफनामा दायर किया है जिसमें उन्होंने कहा है कि एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति नियुक्त की गई है। हालांकि, रिकॉर्ड पर कुछ भी नहीं है कि समिति ने सिफारिश के रूप में क्या सुझाव दिया है।

इस पर जस्टिस मेहता ने पूछा, क्या कोई वैधानिक आदेश है कि डॉक्टरों को सिर्फ जेनेरिक दवाएं लिखनी चाहिए, न कि किसी विशिष्ट कंपनी या ब्रांड की दवाओं को। वकील ने जवाब दिया कि कोई वैधानिक जनादेश नहीं है और सिर्फ एक स्वैच्छिक कोड है कि डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं लिखनी चाहिए।

जस्टिस मेहता ने कहा, राजस्थान में, एक कार्यकारी निर्देश है कि प्रत्येक मेडिकल पेशेवर को जेनेरिक दवा लिखनी होगी। इसे एक उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है।

एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी नए उप वायु सेना प्रमुख

नई दिल्ली, 02 मई। एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने शुक्रवार को नए उप वायु सेना प्रमुख का कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने एयर मार्शल एस.पी.धरकर का स्थान लिया है, जो 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हुए।

कार्यभार संभालने से पहले एयर मार्शल तिवारी गांधीनगर स्थित दक्षिण-पश्चिमी वायु कमान (एसडब्ल्यूएसी) के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में तैनात थे। वायु सेना मुख्यालय 'वायु भवन' में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

उन्हें 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हुए एयर मार्शल एस.पी. धारकर की जगह नियुक्त किया गया है।

भारतीय वायु सेना ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा, परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, और वायु सेना मेडल से सम्मानित एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने 2 मई 2025 को उप वायु सेना प्रमुख का पदभार संभाल लिया है।

पाक अधिकृत कश्मीर के 1000 मदरसे बंद

समझा जाता है कि भारतीय सेना के हमले की आशंका में यह कदम उठाया गया है

इस्लामाबाद, 02 मई। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 1000 से अधिक मदरसे कम से कम 10 दिनों के लिए बंद कर दिए गए हैं। स्थानीय अधिकारियों ने शुक्रवार को यह घोषणा की। विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि भारत की तरफ से हमले के डर की वजह से पीओके में स्थित मदरसों को बंद कर दिया गया।

भारत यह दावा करता रहा है कि इन संस्थानों का इस्तेमाल आतंकवादियों के छिपने के ठिकाने के रूप में किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का मानना है कि भारत पाकिस्तान के साथ पूर्ण पैमाने पर युद्ध शुरू नहीं करेगा, लेकिन नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ पीओके क्षेत्रों में कुछ हमले जरूर करेगा। 29 सितंबर 2016 को, भारतीय सेना के कमांडो की टीमों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र में प्रवेश कर आतंकी ठिकानों में छिपे बैठे आतंकवादियों को खत्म किया था। यह कार्रवाई 18 सितंबर 2016 को जम्मू और कश्मीर के उरी में भारतीय सेना की एक चौकी पर हमला करने के दस दिन बाद हुई थी। हमले में 19 जवान शहीद हो गए थे।

इसी बीच पाकिस्तान ने भारत से लौटने वाले अपने नागरिकों के लिए वाघा बॉर्डर खोलने की घोषणा की।

एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि सरकार के निर्देशानुसार 1000 से अधिक मदरसे बंद कर दिए गए हैं। उन्हें कम से कम 10 दिनों के लिए बंद कर दिया गया है और छात्रों के लिए छुट्टियों की घोषणा कर दी गई है। इससे पहले पाकिस्तान ने बुधवार को गिलगित और स्कार्दू के लिए सभी घरेलू उड़ानें रद्द करने की घोषणा की। विदेशी उड़ानों की भी कड़ी निगरानी शुरू की गई। जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएए) को सभी आने वाले विदेशी विमानों की जांच करने का निर्देश दिया गया।

इस बीच पाकिस्तान ने भारत से लौटने वाले अपने नागरिकों के लिए वाघा सीमा को खुला रखने की घोषणा की। पहलगाम आतंकी हमले के बाद नई दिल्ली ने पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए थे। पाकिस्तान विदेश कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, "हालांकि भारत से पाकिस्तानी नागरिकों की वापसी की अंतिम तिथि 30 अप्रैल थी, लेकिन यदि भारतीय अधिकारी उन्हें अपनी ओर से सीमा पार करने की अनुमति देते हैं तो लाहौर में वाघा बॉर्डर हमारे नागरिकों के लिए खुला रहेगा।

'हिमांशी तुम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने हिमांशी के लिए पत्र लिखा और उसे चीफ ऑफ नेवल स्टाफ के सचिवालय को मेल किया गया। ललिता ने कहा कि वे हिमांशी के करनाल के पते पर सीधे एक पत्र भेजेंगी। हिमांशी के शब्दों को दोहराते हुए ललिता ने लिखा, "आपने कहा, हमें सिर्फ शांति चाहिए और निश्चित रुप से यह सही है। हम न्याय भी चाहते हैं।" ललिता ने आगे लिखा, "आप स्पष्ट रुप से एक ऐसी महिला हैं जिसके विचार बिल्कुल स्पष्ट हैं कि वो क्या चाहती है और विनय जैसे नौसेना के जवान का आपसे ज्यादा साहसी साथी कोई और नहीं हो सकता था। आपने इस देश के हर विचारशील नागरिक के विचारों को दोहराया है। और हम सबको, प्रेम व सद्भाव के आपके संदेश को दूर-दूर तक ले जाना चाहिए।"

गिरते पड़ते, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वाले एक ऐसे प्रमुख प्रोजेक्ट के रूप में रही है, जो वैश्विक व्यपार में भारत की स्थिति को मजबूती प्रदान करेगा, लॉजिस्टिक क्षमता बढ़ायेगा तथा कार्गो ट्रांसशिपमैंट के लिये विदेशी बंदरगाहों पर निर्भरता को कम करेगा। विझिन्जम पोर्ट को राष्ट्र को समर्पित करने के बाद, प्रधानमंत्री हेलिकॉप्टर से एयरपोर्ट पहुँचेंगे तथा फिर आंध्र प्रदेश जायेंगे।

'जातिगत जनगणना में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समुदाय का जातिगत आधार पर वर्गीकरण करके सरकार इस डेटा का उपयोग ऐसी नीतियां बनाने में कर सकती है जो कुछ खास समूहों को अपील करे और इस प्रकार सरकार मुस्लिम समुदाय में विभाजन कर देगी और मुस्लिम वोट बैंक की ताकत कम हो जाएगी।

इन चिंताओं को आरएसएस का वापसी अभियान से जुड़ा नैरटिव और बढ़ा रहा है, इस अभियान का उद्देश्य दलित और आदिवासी मूल के मुसलमानों व ईसाइयों को पुन: हिंदू बनाना है। विश्लेषकों का कहना है कि जातिगत जनगणना इस प्रयासों में मददगार साबित होगी क्योंकि इससे मुसलमानों की जाति के अधिकृत आंकड़े मिल जाएंगे, इनमें से कई मुस्लिम हिंदू दलित या ओबीसी हैं। एक बार यह वर्गीकरण हो जाए तो इसका इस्तेमाल कर इन समूहों को पुन: हिंदू बनाना आसान हो जाएगा। विडम्बना की बात यह है कि यही जातिगत पहचान वक्फ लॉ के विरोध के पीछे मुख्य चिंता है।

अधिकांश लोगों को डर है कि वक्फ भूमि को जातिगत पहचान व उनके इतिहास से जोड़कर, जमीन की वैधता पर सवाल उठाने का अप्रत्यक्ष प्रयास है।

सरकार का कहना है कि जातिगत जनगणना से एतिहासिक अन्याय का समाधान होगा तथा और जिन्हें जरुरत है, उनका कल्याण होगा। किन्तु आलोचकों को इस पर संदेह है। राजनैतिक विज्ञान की विदुषी शबाना फारुखी ने कहा, यह सर्वे प्रशासनिक हित साध सकता है, पर राजनैतिक रुप से यह दोधारी तलवार है, किन्तु पर इसमें उपेक्षित वर्गों के उत्थान की क्षमता है।

एतिहासिक, आदि कैलाश यात्रा का शुभारंभ

पिथौरागढ़ /नैनीताल, 02 मई। उत्तराखंड की ऐतिहासिक आदि कैलाश यात्रा का शुक्रवार को विधिवत् शुभारंभ हो गया । पार्वती कुंड के पास स्थित प्राचीन शिव मंदिर में पूजा अर्चना और द्वार खुलने के साथ ही यात्रा का शुभारंभ हो गया है। उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित ग्राम कुटी के पुजारी गोकर्ण सिंह रमेश सिंह, चेत सिंह के अलावा स्थानीय लोगों की मौजूदगी में शुभ मुहुर्त में विधिवत् पूजा अर्चना की गयी।

पाक प्रधानमंत्री का यू ट्यूब अकाउण्ट भारत में बैन

नई दिल्ली, 02 मई। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के आधिकारिक यूट्यूब चैनल को भारत में ब्लॉक कर दिया। चैनल पर अब यह संदेश दिख रहा है- यह सामग्री राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े सरकारी आदेश के कारण इस देश में उपलब्ध नहीं है।

शहबाज शरीफ का चैनल अब तक का सबसे हाई-प्रोफाइल खाता है, जिसे भारत सरकार ने ब्लॉक किया है। इससे पहले पाकिस्तान के वित्त मंत्री ख्वाजा आसिफ और सेना की मीडिया शाखा, आईएसपीआर के खाते भी ब्लॉक किए जा चुके हैं। सरकार ने केवल राजनेताओं के खिलाफ ही नहीं, बल्कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और न्यूज चैनलों के खातों पर भी कार्रवाई की है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने हमला किया था। इस हमले में 26 आम नागरिक मारे गए थे। जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा। भारत सरकार ने पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रही अफवाहों और दुष्प्रचार पर नकेल कसने के लिए यह कदम उठाए हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने उन कई पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों और सोशल मीडिया खातों को ब्लॉक करने का आदेश दिया है, जो भारत की संप्रभुता और सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करने के लिए भ्रामक सामग्री फैला रहे हैं।

नैशनल हैरल्ड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अखबार नेशनल हैरल्ड, उसके सहयोगी पत्र-पत्रिकाओं और उसकी संपत्तियों की स्वामी एसोसिएटिड जनरल लिमिटेड (एजेएल) का यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएल) द्वारा अधिग्रहण किये जाने में कथित धांधली पर आधारित है। इस सौदे से कुछ समय पूर्व वाईआईएल का गठन किया गया था जिसकी अधिकांश हिस्सेदारी कांग्रेस के दोनों शीर्ष नेताओं राहुल व सोनिया के पास है। ईडी 2014 से इस मामले की जांच कर रही है। यह मामला पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी की शिकायत के बाद प्रकाश में आया।

राज्य सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता के अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा ने बताया कि पिछली सुनवाई पर अदालत ने राज्य सरकार व चुनाव आयोग को पंचायत चुनाव का कार्यक्रम बताने का निर्देश दिया था, लेकिन इसके बाद भी राज्य सरकार व चुनाव आयोग ने अभी तक पंचायत चुनाव कार्यक्रम पेश नहीं किया है।

राज्य सरकार व चुनाव आयोग की ओर से लगातार अदालती निर्देशों की अवहेलना की जा रही है। इस पर राज्य सरकार ने कहा कि उन्होंने जवाब पेश कर दिया है। इसमें कहा है कि पंचायत पुनर्गठन एवं परिसीमन के बाद ही चुनाव कराए जाएंगे। वहीं, अदालत ने नगर पालिकाओं के चुनाव मामले में भी नोटिस जारी किए हैं। इसलिए यह मामला भी नगर पालिका चुनाव मामले में दायर याचिका के साथ ही सूचीबद्ध किया जाए।

राज्य सरकार के इस जवाब पर याचिकाकर्ता ने आपत्ति जताते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के साल 2022 में दिए गए आदेश में स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार व चुनाव आयोग, पंचायत पुनर्गठन और परिसीमन के कारण पंचायत चुनाव को स्थगित नहीं कर सकते।

समय पर चुनाव कराया जाना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। नगर पालिका चुनाव का मामला अलग और नया है, जबकि पंचायत चुनाव वाले मामले में अदालत राज्य सरकार व चुनाव आयोग से चुनाव कार्यक्रम मांग चुकी है। याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने चुनाव आयोग से जवाब मांगते हुए मामले की सुनवाई 30 मई को तय की है।

श्रीनगर के हिन्दू परिवार को सुप्रीम कोर्ट ने राहत दी

पहलगाम हमले के बाद श्रीनगर के उक्त हिन्दू परिवार को पाकिस्तान निर्वासित किये जाने की तैयारी है

नयी दिल्ली, 02 मई। उच्चतम न्यायालय ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान निर्वासन के खतरे का सामना कर रहे श्रीनगर के एक परिवार को शुक्रवार को अंतरिम राहत दी।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उस परिवार के खिलाफ निर्वासन सहित कोई भी बलपूर्वक कार्रवाई न करें, जब तक कि उनके भारतीय राष्ट्रीयता के दावों की पुष्टि करने के बाद कोई निर्णय न हो जाए।

पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकवादी हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए थे। इस क्रूर घटना के बाद के बाद श्रीनगर का एक विवाहित जोड़ा और उनके चार बच्चों पर निर्वासन का खतरा मंडरा रहा है। परिवार ने अदालत के समक्ष दलील दी है कि वे भारतीय नागरिक हैं और उनके पास आधार कार्ड, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और भारतीय पासपोर्ट जैसे वैध सरकारी पहचान पत्र हैं।

पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया। इस वजह से भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं निलंबित कर दीं और सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 27 अप्रैल तक देश छोड़ने का आदेश दिया।

याचिकाकर्ता-परिवार ने आरोप लगाया कि उन्हें अन्यायपूर्ण तरीके से हिरासत में लिया गया, जबकि उनमें से एक ने बहुत पहले ही अपना पाकिस्तानी पासपोर्ट सरैंडर दिया था और भारत में बस गया था।

परिवार ने कोर्ट में अपील की थी कि उसने बहुत पहले अपना पाकिस्तानी पासपोर्ट सरैंडर कर दिया था। उनके पास सभी वैध भारतीय दस्तावेज हैं और वो भारतीय हैं।

परिवार का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता नंद किशोर ने अदालत को बताया कि परिवार का एक सदस्य बेंगलुरु में काम करता है, जबकि बाकी श्रीनगर में रहते हैं।

संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पीठ ने किसी भी कार्रवाई से पहले परिवार के दस्तावेजों के उचित सत्यापन की आवश्यकता पर जोर दिया।

पीठ ने कहा, मानवीय तत्व के अलावा, ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें सत्यापित करने की आवश्यकता है। चूंकि तथ्यात्मक दलील के सत्यापन की आवश्यकता है, इसलिए हम मामले को बिना किसी गुण-दोष के निपटाते हैं। अधिकारियों को दस्तावेजों और उनके ध्यान में लाए गए किसी भी अन्य प्रासंगिक तथ्य को सत्यापित करने का निर्देश देते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा, "इस आदेश को मिसाल के तौर पर नहीं माना जाना चाहिए, क्योंकि यह आदेश इस मामले के विशिष्ट तथ्यों और परिस्थितियों पर आधारित है।" हालांकि, याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि भारतीय नागरिक होने के बावजूद पूरे परिवार को गिरफ्तार किया गया है। अदालत ने कहा जब तक ऐसा सत्यापन पूरा नहीं हो जाता और अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, तब तक उनके खिलाफ कोई निर्वासन या अन्य बलपूर्वक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

शीर्ष अदालत ने मामले को बंद कर दिया और परिवार के दावों को सत्यापित करने का काम अधिकारियों पर छोड़ दिया।

महेश जोशी को 8 से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मानसिक तौर पर भी विचलित हुए हैं। अंतरिम जमानत के दौरान भी उन्होंने शर्तों का पूरी तरह से पालन किया है और साक्ष्यों से कोई छेड़छाड़ नहीं की है। वे जयपुर के निवासी हैं और उनकी चल-अचल संपत्ति जयपुर में ही है। उनके भागने का अंदेशा भी नहीं है।

वहीं, उनसे कोई भी अनुसंधान बाकी नहीं है। उसकी अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाने से केस की स्थिति पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। प्रार्थना पत्र में यह भी कहा गया कि प्रकरण के सह आरोपी संजय बड़ाया की माता के निधन पर उन्हें 12 दिनों की अंतरिम जमानत दी गई थी। इसलिए अंतरिम जमानत की अवधि को 9 दिन के लिए बढ़ाया जाए।

इसके जवाब में ईडी के अधिवक्ता अजात शत्रु मीणा ने कहा कि आरोपी को पहले ही 4 दिन की अंतरिम जमानत दी जा चुकी है।

ऐसे में यह प्रार्थना पत्र अदालत के पूर्व के आदेश को रिव्यू कराने के समान है। ऐसे में प्रार्थना पत्र को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनकर अदालत में जोशी को आठ मई से 11 मई की सुबह 8 बजे तक अंतरिम जमानत का लाभ दिया है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908